শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 163 | गुवाहाटी | सोमवार, 8 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मालदीव : पीएम के समर्थन में आए सचिन, सलमान समेत कई दिग्गज — पेज 2
जंगली हाथियों के हमले की घटनाओं में दो की मौत, एक घायल — पेज 3
इंडी गठबंधन में चल रहा सीट बंटवारे का मोल-जोल : गिरिराज — पेज 5
कोको ऑकलैंड क्लासिक के फाइनल में, स्वियातेक ने पोलैंड को यूनाइटेड ... — पेज 7

राज्य के अपराध में 50 प्रतिशत की कमी : सीएम

ढेकियाजुली। अखिल असम कलवार समाज की चौथी केंद्रीय आम बैठक में एक घोषणा में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट का खुलासा किया। शर्मा ने कहा कि अपराध से संबंधित पुलिस मामलों की संख्या 2022 में 1.5 लाख से घटकर 2023 में 60,000 हो गई है, जो 50 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि 2024 तक असम का अपराध ग्राफ शून्य हो जाएगा, जिससे ऐसा माहौल बनेगा जहां कोई भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की हिम्मत नहीं करेगा। ढेकियाजुली के भूतपाड़ा स्टेडियम में सभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने असम में विकास और शांति का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने मोदी शासन के आगमन के बाद से ऊपरी असम में बम विस्फोट और गोलीबारी जैसी घटनाओं की अनुपस्थिति बताते हुए बोडोलैंड, डिमा हसाउ और कार्बी आंग्लांग सहित विभिन्न क्षेत्रों के शांतिपूर्ण क्षेत्रों में परिवर्तन पर प्रकाश डाला। शर्मा ने 2023 में असम की ऐतिहासिक उपलब्धि गिनाई, जहां कोई आतंकवादी घटना नहीं हुई, कोई सुरक्षाकर्मी हताहत नहीं हुआ और कोई शहरव्यापी बंद नहीं हुआ। उन्होंने शांति की इस स्थिति का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी और विभिन्न समुदायों के सहयोग को दिया। इसके अलावा, शर्मा ने कलवार समाज के लोगों से असम के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य में हुई प्रगति को रेखांकित किया, जिसमें अल्फा के साथ शांति समझौते के परिणामस्वरूप सफल -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर मालदीव के तीन मंत्री निलंबित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में लक्ष्यद्वीप की यात्रा की थी, जिसका मालदीव के मंत्रियों ने काफी मजाक उड़ाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मालदीव के मंत्रियों ने विवादित बयान भी दिए थे, जिस पर भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति दर्ज करवाई थी। इस आपत्ति को दर्ज कराने के बाद अब मालदीव सरकार को अपने ही मंत्रियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेना पड़ा है। मालदीव सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मंत्रियों को तत्काल रूप से निलंबित कर दिया है। मालदीव सरकार ने और राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मंत्रियों के बयानों से खुद को अलग करते हुए उनके बयानों को निजी बताया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मंत्री मरियम शिउना, मालशा और हसन जिहान ने टिप्पणी की थी, जिन्हें सरकार ने निलंबित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणियों को भारत सरकार ने मालदीव सरकार के साथ आधिकारिक तौर पर उठाया था। मालदीव सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपने मंत्रियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है और तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया है। मालदीव और भारत के बीच लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। खासतौर से मोहम्मद मुइज्जू की नई सरकार आने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध तल्ख होते जा रहे हैं। इस मामले पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सोशल मीडिया पर मालदीव सरकार के मंत्रियों ने भारत के खिलाफ निंदनीय भाषा का उपयोग किया है। भारत मालदीव का अच्छा दोस्त रहा है। इस तरह की कठोर -शेष पृष्ठ दो पर

कोविड : 756 नए मामले, पांच की मौत

नई दिल्ली। देश में कोविड मामलों में एक बार फिर उछाल देखने को मिल रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देश में पिछले 24 घंटों में 756 नए कोविड-19 मामले सामने आए और पांच मौतें हुईं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र, केरल और जम्मू-कश्मीर से संक्रमण से लोगों की मौत हुई है। शनिवार को, तमिलनाडु और गुजरात से दो-दो मौतें हुईं, जबकि शुक्रवार को 12 मौतें हुईं, जिसमें केरल से पांच, कर्नाटक से चार, महाराष्ट्र से दो और उत्तर प्रदेश से एक व्यक्ति की मौत हुई है। -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : चुनाव के नतीजे आज

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए रविवार को हिंसक घटनाओं के बीच मतदान पूरा हो गया। आज सुबह 8 बजे से वोटिंग शुरू हुई जो शाम 4 बजे तक चली। 299 संसदीय सीटों के लिए 1970 उम्मीदवार मैदान में हैं। नौगांव-2 में एक निर्दलीय उम्मीदवार की मौत के बाद चुनाव स्थगित कर दिया गया था। दोपहर तीन बजे तक सिर्फ 27.15त्न वोट पड़े। मतदान पूर्ण होने के बाद वोटों की गिनती शुरू हो गई है और नतीजे कल सोमवार को घोषित किए जाएंगे। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग का मुकाबला निर्दलीय उम्मीदवारों से हैं। कुल 11 करोड़ से अधिक मतदाता 28 राजनीतिक दलों के 1,534 और 436 निर्दलीय उम्मीदवारों सहित कुल 1,970 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। चुनाव में 11 करोड़, 96 लाख, 89 हजार 289 मतदाता वोटिंग के लिए रजिस्टर्ड हैं जिनमें से 6,76,09,741 पुरुष, 5,89,18,699 महिलाएं और 849 ट्रांस-जेंडर हैं। राजनीतिक दलों और निर्दलीयों से कुल 90 महिला उम्मीदवार और जातीय अल्पसंख्यक और अन्य समूहों से 79 महिला उम्मीदवार चुनाव में भाग ले रही हैं। उम्मीदवारों में सत्तारूढ़ -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

फूलों की खुशबू हवा की दिशा में ही फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई चारों तरफ फैलती है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

रक्षामंत्री 22 साल के बाद यूके जाएंगे

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 08 जनवरी को यूनाइटेड किंगडम (यूके) के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। उनके साथ रक्षा मंत्रालय का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल होगा, जिसमें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), सेवा मुख्यालय, रक्षा विभाग और रक्षा उत्पादन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। राजनाथ सिंह का यूके का दौरा कई मायने में खास होगा, क्योंकि 22 वर्षों में यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री की पहली यात्रा होगी। अपने दौरे के दौरान रक्षा मंत्री यूनाइटेड किंगडम के रक्षा राज्य सचिव ग्रांट शाप्स के -शेष पृष्ठ दो पर

छह फिलिस्तीनी मारे गए, आईडीएफ के चार जवान घायल

जेनिन (हि.स.)। इजराइल की सेना का फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के खिलाफ अभियान जारी है। इजराइल की सेना ने शनिवार पूरी रात वेस्ट बैंक के जेनिन शरणार्थी शिविर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया। इस कार्रवाई में छह फिलिस्तीनी मारे गए। इस दौरान इजराइल की सेना का एक वाहन सड़क किनारे लगाए गए विस्फोटक की चपेट में आ गया। इससे चार -शेष पृष्ठ दो पर

संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जाएंगे पांच सांसद

नई दिल्ली। भाजपा के सुकांत मजूमदार और शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे सहित पांच लोकसभा सदस्यों को इस साल संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। भाजपा के सुधीर गुप्ता, राकांपा के अमोल रामसिंग कोल्हे और कांग्रेस के कुलदीप राय शर्मा अन्य तीन सांसद हैं, जिन्हें 17 फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी में एक समारोह में पुरस्कार प्रदान करने के लिए चुना गया है। आयोजकों ने रविवार को घोषणा की है। संसद रत्न पुरस्कार की शुरुआत पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के सुझाव पर किया गया था। उनका सुझाव -शेष पृष्ठ दो पर

देश के सबसे बड़े ट्रेड शो का उद्घाटन कल

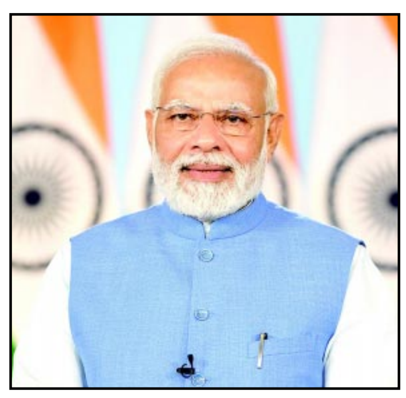

गांधीनगर (हि.स.)। राज्य में द्विवार्षिक 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) की शुरूआत से एक दिन पूर्व 9 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो-2024 का उद्घाटन करेंगे। दरअसल, 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के हिस्से के रूप में गुजरात सरकार आगामी 09 से 13 जनवरी तक गांधीनगर स्थित हेलीपैड मैदान पर वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो-2024 का आयोजन कर रही है। इस ट्रेड शो में प्रदर्शनी और स्टॉल के साथ 2 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले देश के सबसे बड़े ग्लोबल ट्रेड शो का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 जनवरी की अपराह्न 03.00 बजे करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित देश और दुनिया के गणमान्य और उद्योगपति मौजूद रहेंगे। दुनिया के 20 देशों के अनुसंधान क्षेत्र के एक हजार से अधिक प्रदर्शक ग्लोबल ट्रेड-शो में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेड शो के लिए एक शो फीसदी बुकिंग हो चुकी है। यह ग्लोबल ट्रेड शो 10-11 जनवरी को बिजनेस विजिटर्स के लिए और 12-13 जनवरी को आम जनता के लिए खुला रहेगा। इस ग्लोबल ट्रेड शो में ऑस्ट्रेलिया, तंजानिया, मोरक्को, मोजाम्बिक, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, एस्टोनिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूनाइटेड किंगडम (यूके), जर्मनी, नार्वे, फिनलैंड, नीदरलैंड, रशिया, रवांडा, जापान, इंडोनेशिया और वियतनाम सहित कुल 20 देश अपने-अपने देशों के उद्योगों की जानकारी प्रदर्शित करेंगे। ट्रेड शो में अतिथि के रूप में एक सौ देश, जबकि 33 देश पार्टनर कंट्री के रूप में हिस्सा ले रहे हैं। इस ट्रेड शो में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल और ऑटो कम्पोनेंट्स, सिरामिक्स, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स, जेम्स एंड ज्वैलरी, फार्मास्युटिकल्स और पोर्ट और मरीन जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक उत्पादनों एवं सेवाओं -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : भाजपा की रणनीति

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी जनवरी में ही 160 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बतायाकि परंपरागत रूप से जिन सीटों पर भाजपा कमजोर है। उन सीटों पर जनवरी के अंत तक उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर सकती है। इनमें ज्यादातर राज्य दक्षिण और पूर्वी राज्य हैं। भाजपा जहां अपने उम्मीदवारों पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा और तमिलनाडु, बिहार में है। बता दें कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा की यह -शेष पृष्ठ दो पर

मिड डे मील की रसोइया की हत्या

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज के रामकृष्णनगर में स्कूल परिसर में बात कर रही महिला पर दाव से हमला कर महिला की हत्या कर दी गई। मृतक महिला मिड डे मील के लिए रसोईया का काम करती थी। यह घटना रविवार को प्रकाश में आई। हत्या का आरोप महिला के देवर पर लगा है। करीमगंज पुलिस ने आज बताया की हत्या के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना रामकृष्णनगर थाना क्षेत्र के कालीनगर स्थित विवेकानंद एलपी स्कूल नंबर 171 की है। स्कूल की रसोइया मौसमी पाल स्कूल परिसर में शिक्षक से बात कर रही थी, तभी आरोपित अचानक दौड़ता हुआ आया और उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। महिला जमीन पर गिर गई। बाद में चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग महिला को अस्पताल ले गए। उसे पहले कृष्णानगर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे हैलाकांदी सिविल अस्पताल रेफर कर दिया -शेष पृष्ठ दो पर

पीटीआई के शाह महमूद कुरैशी अयोग्य घोषित

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी को एक चुनाव न्यायाधिकरण ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए *अयोग्य* घोषित कर दिया है। रविवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक अपीलीय चुनाव न्यायाधिकरण ने शनिवार को कुरैशी के नामांकन पत्र को अस्वीकार किए जाने के खिलाफ उनकी अपील को खारिज -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रेन अग्निकांड में बीएनपी नेता समेत आठ गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शुक्रवार को हुए एक ट्रेन अग्निकांड की साजिश रचने और उसके वास्ते धन का प्रबंध करने को लेकर पुलिस ने शनिवार को विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक बड़े नेता समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया। चुनाव से पहले हुई इस घटना में चार लोगों की जान चली गई। विपक्ष ने चुनाव का बहिष्कार कर रखा है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे भारतीय राज्य पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे बेनापोल शहर से चलने वाली बेनापोल एक्सप्रेस जब अपने गंतव्य राजधानी के कमलापुर रेलवे स्टेशन से दो किलोमीटर पीछे गोपीबाग क्षेत्र में थी, तभी उसके चार डिब्बों में आग लगा दी गई। रविवार के आम चुनाव से पहले पूरे देश में राष्ट्रीय सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी गई है। ऐसे में कल की घटना के सिलसिले में जिन आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनमें ढाका दक्षिण सिटी इकाई के बीएनपी के संयुक्त संयोजक नबी उल्लाह नबी और -शेष पृष्ठ दो पर

वियतनाम में डॉ. विपिन कुमार को विश्व हिंदी सेवा सम्मान

हो चि मिन्ह सिटी (वियतनाम)। विश्व हिन्दी परिषद के महासचिव, डॉ. विपिन कुमार को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अनुशंसा के आधार पर वियतनाम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा हो चि मिन्ह सिटी, वियतनाम में विश्व हिंदी सेवा सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान डॉ. कुमार को उनके अद्वितीय और अव्वल प्रयासों को मान्यता प्रदान के रूप में किया गया। विदित हो कि इससे पहले भी डॉ विपिन कुमार भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं वक्ता के तौर पर विश्व हिंदी सम्मेलन मॉरीशस एवं फिजी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के मुख्य सम्पादक डॉ विश्वरूप रॉय चौधरी -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में लेफ्ट ने ममता को दिखाई ताकत, भाजपा को दी चुनौती

कोलकाता। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में रैली कर अपनी ताकत दिखाई। इस रैली के माध्यम से माकपा ने एक ओर जहां केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और केंद्र की नीतियों की आलोचना की। वहीं, राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी की आलोचना की। बता दें कि माकपा और तृणमूल कांग्रेस इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन माकपा ने ऐलान कर दिया है कि भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर एक हैं, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

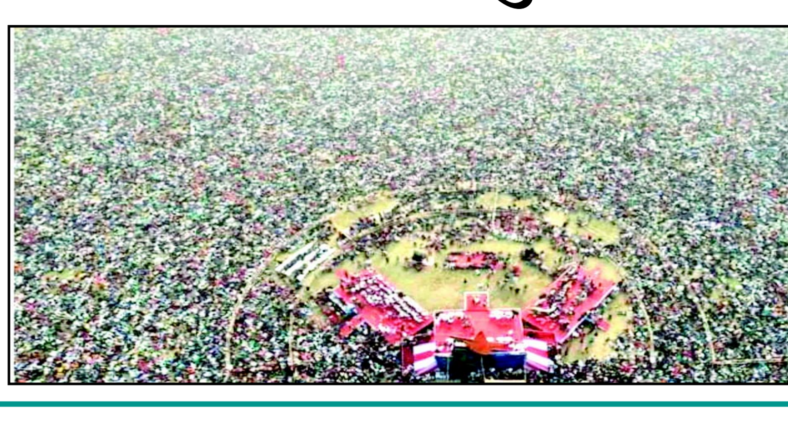

रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग 1000 से अधिक आश्रय खाक

ढाका। बांग्लादेश के दक्षिणी तटीय जिले कॉक्स बाजार में एक रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग लग गई, जिससे 1,000 से अधिक आश्रय जलकर खाक हो गए और हजारों लोग बेघर हो गए। एक अग्निशमन अधिकारी और संयुक्त राष्ट्र ने रविवार को यह जानकारी दी। उखिया दमकल केंद्र के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि उखिया के कुटुपलोंग शिविर में शनिवार आधी रात को आग लग गई और हवा तेज होने के कारण आग ने कम समय में ही विकराल रूप ले लिया। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मालदीव : पीएम के समर्थन में आए सचिन, सलमान समेत कई दिग्गज

नई दिल्ली (हि.स.)। मालदीव में नई सरकार बनने के साथ ही भारत के उसके साथ संबंधों में खटास आनी शुरू हो गई थी। इस क्रम में वहां की एक मंत्री मरियम शिउना और अन्य नेता का बयान आग में घी डालने का काम कर गया। भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर बायकॉट मालदीव ट्रेंड कर रहा है। वहीं भारत ने भी आधिकारिक तौर पर मालदीव के समक्ष इसका मुद्दा उठाया है। मालदीव में भारतीय उच्चायुक्त मुनु महावर ने माले में वहां की मोहम्मद मोइजू सरकार के साथ यह मामला उठाया है। भारत के मामला उठाने के बाद वहां की सरकार का आधिकारिक बयान आया है कि मंत्री शिउना की राय व्यक्तिगत थी और यह सरकार की सोच को प्रदर्शित नहीं करती। बयान में यह भी कहा है कि सरकार इस तरह के आपत्तिजनक बयानों पर कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। अभिव्यक्ति की आजादी का उपयोग जिम्मेदार ढंग से किया जाना चाहिए। मालदीव की युवा सशक्तीकरण, सूचना और कला उपमंत्री मरियम शिउना ने प्रधानमंत्री मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की तस्वीरें पोस्ट करने के बाद अपमानजनक टिप्पणी की थी। मरियम ने उनके के लिए *जोकर* और *इजराइल की कठपुतली* जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि बाद में उन्होंने ये ट्वीट हटा लिए लेकिन उनके बयान पहले ही काफी नुकसान कर चुके थे। मालदीव की मंत्री के माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर इस पोस्ट की जबर्दस्त प्रतिक्रिया हो रही है। सोशल मीडिया पर मालदीव भी ट्रेंड कर रहा है। प्रधानमंत्री की लक्षद्वीप आने की अपील को मालदीव में उनके देश के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही वहां चुनी गई नई सरकार चीनी प्रभाव की मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप जाने के बाद वहां की सुंदरता से जुड़ी तस्वीर देख सोशल मीडिया पर फिल्म और कला जगत की हस्तियां लोगों से वहां जाने की अपील कर रही हैं। अभिनेता अक्षय कुमार ने ट्वीट कर कहा कि मालदीप की प्रमुख हस्तियां भारतीयों पर घृणित और नक्सलवादी टिप्पणियां कर रही हैं। आश्चर्य है कि वह एक ऐसे देश के बारे में कह रहे हैं जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक वहां जाते हैं। हम अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छे हैं लेकिन हमें ऐसी अकारण नफरत क्यों बर्दाश्त करनी चाहिए। उन्होंने स्वयं कई बार मालदीव का दौरा किया है और हमेशा इसकी प्रशंसा की है लेकिन उनके लिए गरिमा पहले आती है। हम भारतीयों को अपने द्वीपों का अन्वेषण करना चाहिए और स्वयं अपने देश के पर्यटन का समर्थन करना चाहिए। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी एक्सप्लोर इंडियन आइसलैंड के साथ अतिथि देवो भव: की सोच और भारत की खूबसूरत जगह की खोज और उससे जुड़ी हुई यादें समेटने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि भारत को सुंदर तट रेखाओं और बेहद ही शानदार द्वीपों से नवाजा गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने कहा कि मालदीव की सरकार के मेनिफेस्टो में भारत को बाहर करो का नारा था।

उज्जैन में देश के पहले हेल्दी-हाईजीनिक फूड स्ट्रीट प्रसादम का हुआ लोकार्पण

उज्जैन (हि.स.)। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन के श्री महाकाल लोक परिसर में रविवार को देश के पहले हेल्दी और हाईजीनिक फूड स्ट्रीट प्रसादम का लोकार्पण हुआ। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोपहर में इसका शुभारंभ किया। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे और ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के दर्शन और पूजन कर जगत के मंगल एवं कल्याण की प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने महाकाल महालोक में बने स्वस्थ और स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब प्रसादम और अवंतिका हाट बाजार का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य एवं केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में प्रदेश की 36 स्वास्थ्य संस्थाओं का भूमिपूजन एवं 150 स्वास्थ्य संस्थाओं का लोकार्पण भी सम्पन्न हुआ। प्रसादम और अवंतिका हाट बाजार के शुभारंभ के बाद केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने प्रसादम और अवंतिका हाट बाजार का जायजा भी लिया और व्यंजनों का लुफ्त उठाया। इस देश के इस पहले हेल्दी एवं हाईजीनिक फूड स्ट्रीट फूड स्ट्रीट प्रसादम के निर्माण पर एक करोड़ 75 लाख रुपए की लागत आई है। यहां समोसा-कचौड़ी और जंक फूड के साथ ही प्लास्टिक के प्रयोग पर भी पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

11.50 लाख रुपए के साथ आठ लोग गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के संयुक्त अभियान में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 54 पर शंकरदेव नगर में लगभग 11 लाख 50 हजार रुपए जब्त किए गए। पुलिस ने आज बताया कि हाफलांग से गुवाहाटी जाने वाली सड़क पर शंकरदेव नगर में यह रकम जब्त की गई। दो कारों में से पैसे जब्त किए गए। दोनों कारों में आठ लोग सवार थे। पैसे जब्त होने के बाद आठों लोगों को हिरासत में लेकर दोनों वाहनों के साथ जिला पुलिस को सौंप दिया गया। मजिस्ट्रेट ने कहा कि जब्त की गई राशि चुनाव आयोग को सौंप दी जाएगी।

पूसीरे ने दिसंबर में 1252 माल रैक किया अनलोड

गुवाहाटी (हिंस)। आवश्यक एवं अन्य वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) माल अनलोडिंग में निरंतर रूप से वृद्धि दर्ज कर रहा है। दिसंबर माह में 1252 माल ढुलाई रैक अनलोड किए गये। चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से दिसंबर तक पूसीरे के क्षेत्राधिकार में 10 हजार से अधिक माल ढुलाई रैक अनलोड किए गए। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने रविवार को बताया कि पूसीरे ने उक्त महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, ऑटोमोबाइल, कंटेनर जैसे सामग्रियों और अन्य वस्तुओं का परिवहन किया है तथा इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया है। दिसंबर में असम में मालगाड़ी के 705 रैक अनलोड किए गए, जिनमें से 399 आवश्यक वस्तुओं से लदे हुए थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 93 रैक, नगालैंड में 19 रैक, मणिपुर में 06 रैक, अरुणाचल प्रदेश में 06 रैक और मिजोरम में 06 रैक अनलोड किए गए।

एनएलएफटी कैडर का बीएसएफ के समक्ष आत्मसमर्पण

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा के धलाई जिले के चावमानु इलाके में बॉर्डर मनोरंजन आउट पोस्ट (बीओपी) पर नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी-बीएम) के एक कैडर ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्ति की पहचान गोमती जिलांतर्गत किला के तुलसीरामबाड़ी गांव निवासी उदय माणिक जमातिया के रूप में हुई है।

श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह में पूर्वोत्तर के 214 लोग आमंत्रित

गुवाहाटी (हि.स.)। आगामी पौष माह की शुक्ल द्वादशी तिथि के पावन दिन 22 जनवरी को भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर बने नए मंदिर के गर्भगृह में भगवान श्रीराम का बाल रूप स्थापित किया जाएगा। इसके लिए पूरे भारत में उत्सव का माहौल है और अयोध्या नगरी को सजाया गया है। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी औपचारिक रूप से मंदिर के कपाट खोलेंगे और सभी लोगों को दर्शन की सुविधा प्रदान करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने श्रीराम मंदिर के गर्भगृह में श्रीराम के बाल रूप की स्थापना के लिए आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए देश-विदेश के कुछ लोगों को निमंत्रण पत्र भेजे हैं। विश्व हिंदू परिषद के असम क्षेत्र के संघ मंत्री डॉ दिनेश तिवारी ने बताया कि इसमें भाग लेने के लिए पूर्वोत्तर के विभिन्न हिस्सों के धार्मिक नेताओं, संतों, सत्रधिकारों, खिलाड़ियों, सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं, कारसेवकों सहित कुल 214 विशेष व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। तदनुसार, उत्तर असम प्रांत के 63 विशेष व्यक्तियों को विशेष निमंत्रण कार्ड प्राप्त हुए हैं। उत्तरी असम प्रांत के 63 लोगों में संतों, धार्मिक गुरुओं, सत्रधिकारों, मां कामाख्या मंदिर के पुजारियों, विभिन्न आदिवासी समाजों के गुरुओं, असम के प्रमुख खिलाड़ियों, सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं को भी निमंत्रण मिला है। क्षेत्रीय संगठन मंत्री के अनुसार, उत्तर असम के 29 सत्राधिकार और उनके 20 साथियों, प्रख्यात खिलाड़ी लवलीना बरगोहाईं और हिमा दास को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, श्री राम मंदिर के निर्माण के लिए एक विशिष्ट राशि प्रदान करने वाले 15 अन्य विशेष लोगों को भी इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम क्षेत्र के संघचालक डॉ. उमेश चक्रवर्ती, विश्व हिंदू परिषद, असम के अध्यक्ष परमेश दत्ता भी विशेष निर्वाचित व्यक्तियों के रूप में उपस्थित रहने के लिए आमंत्रित किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य के अपराध...

वार्ता भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने पिछले तीन वर्षों में 68,000 हेक्टेयर भूमि के निष्कासन का उल्लेख करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी, सांस्कृतिक व्यवधान और वनों की कटाई जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े होने के कारण *शहीद नगरी* कहे जाने वाले ढेकियाजुली के ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए, शर्मा ने इस कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने देश और यहां तक कि कंबोडिया में सबसे बड़े मंदिर के निर्माण में कलवार समाज के योगदान को बताते हुए उत्तर प्रदेश और असम के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डाला। शर्मा ने असम में हिंदी भाषी लोगों को असमिया और भारतीय होने पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उनसे असम के विकास में योगदान देने और प्रधान मंत्री मोदी द्वारा प्रस्तुत नए भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करने का आग्रह किया। शर्मा ने मोदी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया और सुझाव दिया कि यदि वह अगले दस वर्षों तक शासन करते हैं, तो भारत अमेरिका और चीन दोनों को पीछे छोड़ देगा और एक वैश्विक नेता के रूप में उभरेगा। मुख्यमंत्री ने सभी से आगामी चुनावों के लिए एकजुट होने और उनके निरंतर नेतृत्व में विश्व गुरु भारत की कल्पना करते हुए मोदी को फिर से चुनने का आग्रह किया।

पीएम मोदी पर ...

और घृणास्पद भाषा का उपयोग करना दोनों देशों के बीच की वर्षों पुरानी दोस्ती में तल्की पैदा कर सकता है, जिसकी अनुमति नहीं देनी चाहिए। मालदीव की युवा सशक्तिकरण मामलों की मंत्री मरियम शिउना ने पीएम मोदी के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस टिप्पणी को पोस्ट किया था, जिसके बाद ट्वीट की आलोचना की गई थी। उन्होंने इस ट्वीट को बाद में मामला बढ़ता देखते हुए डिलीट किया था। जाहिद रमीज ने विवादित टिप्पणी देते हुए कहा था कि भारत कभी हमारी बराबरी नहीं कर सकता। मालदीव पर्यटकों को जो सर्विस देता है वो भारत कैसे दे पाएगा। इतनी सफाई भारत कैसे रख सकेगा। उनके कमरों में आने वाली गंध उनके टूरिस्टों को दिक्कत देगी।

कोविड : 756 नए ...

इस बीच, सक्रिय मामलों की कुल संख्या शनिवार के 4,187 से गिरकर 4,049 हो गई है। अब तक, जनवरी 2020 में शुरुआती प्रकोप के बाद से भारत में कोरोना वायरस मामलों की कुल संख्या 4,50,18,134 तक पहुंच गई है, जबकि कुल मृत्यु का आंकड़ा 5,33,392 हो गया है। नया जेएन.1 सब-वेरिएंट ओमीक्रॉन सब वेरिएंट का वंशज है, जिसे बीए2.86 या पिरोला के नाम से जाना जाता है। केरल में इस वेरिएंट का पहला मामला सामने आया। केरल, कर्नाटक में जेएन.1 वेरिएंट के मामले देखे गए, जबकि भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इनसाकोग) के अनुसार, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र तमिलनाडु, राजस्थान, तेलंगाना, ओडिशा और हरियाणा भी प्रभावित हुए। इन राज्यों ने गुरुवार तक सामूहिक रूप से उप-वेरिएंट के 619 मामले दर्ज किए हैं, जिसमें कर्नाटक में सबसे ज्यादा यानी 199 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद केरल में 148 मामले सामने आए हैं। कोविड से कुल 4.4 करोड़ से अधिक व्यक्ती रिकवर हो चुके है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, देश ने कोविड टीकों की कुल 2,20,67,79,081 खुराक दी हैं।

बांग्लादेश : चुनाव के ...

अवामी लीग (एएल) से 266, जातीय पार्टी (जापा) से 265, त्रिनोमुल बीएनपी से 135, जातीय समाजतांत्रिक दल (जेएएसएडी) से 66, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) से 122, जातीय पार्टी से 13 (जेपी) और 10 बिकल्पा धारा बांग्लादेश से चुनाव लड़ रहे हैं। अवामी लीग की अध्यक्ष और प्रधान मंत्री शेख हसीना ने ढाका सिटी कॉलेज सेंटर में मतदान किया। उनके साथ उनकी बेटी साइमा वाजेद हुसैन पुतुल ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोटिंग के बाद पीएम हसीना ने वोटर्स से मतदान केंद्रों पर जाकर मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

संसद रत्न पुरस्कार ...

था कि भारतीय संसद में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सांसदों को सम्मानित किया जाए। इसी सुझाव के आधार पर संसद रत्न पुरस्कार प्रदान करने की शुरुआत हुई। संसद रत्न पुरस्कार समिति के अध्यक्ष और प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन के ट्रस्टी सचिव प्रियदर्शनी राहुल ने कहा कि एन के प्रेमचंद्रन (आरएसपी, केरल), अधीर रंजन चौधरी (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, पश्चिम बंगाल), विद्युत बरन महतो (भाजपा, झारखंड), और हीना विजयकुमार गावित (भाजपा) महाराष्ट्र) को पूरी 17वीं लोकसभा के लिए संसद महा रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। पिछली 16वीं लोकसभा के संसद महा रत्न पुरस्कार विजेताओं सुप्रिया सुले (एनसीपी, महाराष्ट्र), श्रीरंग अप्पा बार्ने (शिवसेना, महाराष्ट्र) और भर्तृहरि महताब (बीजेडी, ओडिशा) को इस साल भी इस पुरस्कार से नवाजा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि सभी पुरस्कार विजेताओं का चयन जूरी समिति द्वारा पारदर्शी तरीके से किया गया है। संसदीय समितियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए वर्तमान 17वीं लोकसभा से शुरू होने वाले संसद महा रत्न पुरस्कारों के लिए तीन स्थायी समितियों का भी चयन किया गया है।

ये हैं तीन समिति : कृषि समिति, जिसकी अध्यक्षता पी सी गद्दी गौड़र (भाजपा, कर्नाटक) करते हैं। वित्त समिति, जिसकी अध्यक्षता जयंत सिन्हा (भाजपा, झारखंड) करते हैं। परिवहन और पर्यटन समिति, जिसकी अध्यक्षता वर्तमान में विजयसाई रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस, आंध्र प्रदेश) करते हैं।

देश के सबसे ...

को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा टेक्सटाइल व गार्मेंट, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ग्रीन हाइड्रोजन, एयर क्राफ्ट और अनुषांगिक उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम), फिनटेक, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग सहित अन्य उद्योग भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। ट्रेड शो के के लिए मेक इन गुजरात और आत्मनिर्भर भारत सहित विभिन्न 13 थीमें तय की गई हैं। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए लगभग 450 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयां इस ट्रेड शो में सहभागी हो रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संबद्ध सेवाओं (आईटी और आईटीईएस) स्टार्टअप्स एवं उनकी नवीन उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए टेकेड पवेलियन तैयार किया गया है। ट्रेड शो के दौरान रिवर्स बायर सेलर मीट और वेंडर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा।

लोस चुनाव : भाजपा ...

रणनीति काफी सफल रही थी। तीनों राज्यों के चुनावों में भाजपा ने कमजोर सीटों पर तीन महीने पहले ही उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया था। इससे उम्मीदवारों को क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने का पूरा मौका मिला। इसके अलावा पार्टी के अंदर की अंर्तकलह को भी कम करने में मदद मिली थी। बता दें कि इस साल अप्रैल-मई में देश में लोकसभा चुनाव होने हैं। भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिशों में जुटी है। वहीं, विपक्ष ने भाजपा और नरेंद्र मोदी के अजेय रथ को रोकने के लिए इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलांयस बनाया है। इसमें कांग्रेस समेत देश की करीब 26 दलों का समावेश है।

मिड डे मील ...

गया। हैलाकांदी अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही रामकृष्णनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया। आरोपी पिंकू पाल को गिरफ्तार कर थाने में ले जाया गया। इस सिलसिले में आगे के कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पीटीआई के शाह ...

कर दिया। हालांकि, अपीलीय चुनाव न्यायाधिकरण ने 67 वर्षीय कुरैशी को सिंध के उमरकोट शहर में एनए-214 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की मंजूरी दे दी जबकि दो नेशनल असेंबली और पंजाब प्रांत में मुल्तान की इतनी ही विधानसभा सीटों के लिए पूर्व विदेश मंत्री के नामांकन पत्रों को खारिज करने के निर्वाचन अधिकारी के फैसले के खिलाफ दायर उनकी अपील को खारिज कर दिया। कुरैशी इस समय गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। पूर्व विदेश मंत्री ने एनए-150 मुल्तान-3, एनए-151 मुल्तान-4 और पीपी-218, पीपी-219 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया था। मुल्तान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राणा आसिफ सईद ने कहा कि चुनाव न्यायाधिकरण ने उम्मीदवारी के अधिकार को बहाल करने की कुरैशी की अपील को खारिज कर दिया है।

ट्रेन अग्निकांड में ...

जूबो दल के पांच कार्यकर्ता शामिल हैं। जूबो दल बीएनपी की युवा शाखा है। गिरफ्तार किए गए लोगों मे एक आगजनी के मुख्य संदिग्धों में एक काजी मंसूर आलम है। पुलिस की खोजी शाखा (डीबी) के प्रमुख तथा ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस (डीएमपी) के अतिरिक्त आयुक्त हारून-ओर- राशिद ने संवाददाताओं को बताया कि आलम ने पहले जेल जा जा चुके अपराधियों के साथ इस हमले के लिए समन्वय किया तथा नबी उल्लाह नबी ने उसकी सलाह दी एवं उसके लिए धनराशि का प्रबंध किया। राशिद ने कहा कि उन्होंने वीडियो कांफ्रेंस से हमले की पूरी योजना बनायी। मंसूर समेत जूबो दल के कम से कम 12-13 नेताओं ने गुरुवार शाम करीब छह बजे वीडियो कांफ्रेंस किया। उन्होंने किशोरगंज-नरसिंगडी तथा नारायणगंज-कमलापुर मार्गों पर हमला करने एवं विभिन्न वार्ड में कई मतदान केंद्रों पर देशी बम फेंकने की साचिश रची। डीबी प्रमुख ने कहा कि नबी वीडियो कांफ्रेंस में मौजूद नहीं था लेकिन वह धन का प्रबंधन करने वालों एवं हमला की सलाह देने वालों में एक था। लेकिन इस घटना की संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जांच की मांग करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बीएनपी ने इसे आम चुनाव से पहले तोड़फोड़ का *पूर्व नियोजित* कृत्य बताया है। बीएनपी ने इस चुनाव का बहिष्कार किया है और उसने शनिवार सुबह छह बजे से 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। बीएनपी की अगुवाई पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया कर रही हैं। वह बीमार हैं तथा भ्रष्टाचार के आरोपों में घर में नजरबंद हैं। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त सचिव रूहुल कबीर रिजवी ने एक बयान में बेनापोल से ढाका की ओर जाने वाली बेनापोल एक्सप्रेस ट्रेन में *उपद्रवियों द्वारा आगजनी* के कारण यात्रियों की मौत पर चिंता व्यक्त की। एक अखबार के अनुसार रिजवी ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेनापोल एक्सप्रेस ट्रेन में आग विध्वंसक गतिविधि थी, जिससे लोगों की जान चली गई। अखबार के अनुसार रिजवी ने इस घटना की संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जांच कराने की मांग की। इस बीच ढाका ट्रिब्यून अखबार ने खबर दी है कि बांग्लादेश रेलवे ने इस घटना की जांच के लिए सात सदस्यीय समिति बनायी है ताकि घटना की वजह का पता चल सके और जिम्मेदारी तय की जा सके। प्रशासन के अनुसार जिन चार डिब्बों में आग लगाई गई उनमें तीन पूरी तरह जल गईं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन में करीब 292 यात्री सवार थे और उनमें से अधिकतर भारत से घर लौट रहे थे। पहले बांग्लादेश ने शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिए *नागरिक प्रशासन की मदद* के वास्ते सैनिकों को बुलाया था। रिपोर्ट में सामने आया कि अज्ञात लोगों ने उन आठ विद्यालयों में आग लगा दी जिन्हें रविवार के मतदान के लिए मतदान केंद्रों के रूप में इस्तेमाल किया जाना था। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम से पिछले 16 घंटे में आगजनी की कम से कम 15 घटनाएं हुई हैं। शुक्रवार शाम को बदमाशों ने पांच गाड़ियों में आग लगा दी थी। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बेनापोल एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने से चार लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया है।

वियतनाम में डॉ. ...

के पहल पर इस सम्मान की घोषणा वियतनाम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा किया गया, जो डॉ. विपिन कुमार के नेतृत्व में *विश्व हिन्दी परिषद* द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किए गए अधिकतम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलनों को मान्यता प्रदान के रूप में किया है। डॉ. विपिन कुमार ने पिछले दो दशकों से *विश्व हिन्दी परिषद* के महासचिव के रूप में संस्था का नेतृत्व किया है और इस दौरान हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए कई महत्वपूर्ण सम्मेलनों का आयोजन किया है, जैसे कि हिन्दी दिवस समारोह, विश्व हिन्दी दिवस समारोह, और कवि सम्मेलन। डॉ. कुमार ने इस सम्मान को स्वीकारते हुए हिंदी प्रेमियों एवं विश्व हिंदी परिषद के हजारों पदाधिकारियों एवं लाखों समर्पित सदस्यों के सामूहिक प्रयासों और मेहनत की प्रतिबद्धता का परिचायक माना है, जो हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान को विश्व में स्थापित करने में मदद करेगा। डॉ. विपिन कुमार ने हिन्दी के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार जताया है। उन्होंने इस मौके पर सम्बोधित देते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह के प्रति आभार जताया है, साथ ही उन्होंने वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार के महत्व को बताया है और इसके लिए विश्व समुदाय से समर्थन की आवश्यकता जताई है। डॉ. विपिन कुमार का समर्पण एवं प्रतिबद्धता केवल हिन्दी और भारतीय भाषाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनकी कार्यों ने हिन्दी को विश्व में आयुष,मानवाधिकार, और सांस्कृतिक समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है। डॉ. विपिन ने हिन्दी भाषा और साहित्य पर कई पुस्तकों का लेखन भी किया है। इनमें हिन्दी और समाज, सबका साथ, सबका विकास शामिल है। डॉ. कुमार के इस सम्मान से हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिलेगा और यह हिन्दी भाषा को विश्व स्तर पर एक प्रमुख भाषा के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

बंगाल में लेफ्ट ...

बंगाल में उनकी लड़ाई टीएमसी और भाजपा के साथ होगी। उसी तरह से ममता बनर्जी ने भी साफ कर दिया है कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस लड़ेगी। टीएमसी ने कांग्रेस के लिए केवल दो सीटें देने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन माकपा के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी है। कांग्रेस भी ममता के प्रस्ताव से नाराज हैं। ऐसे में साफ है कि बंगाल की सियासत में सियासत का खेल शुरू हो गया है। आज की ब्रिगेड रैली के बाद माकपा ने साफ कर दिया है कि इंडिया गठबंधन में भले ही वे टीएमसी के साथ हैं, लेकिन बंगाल की धरती पर उनकी लड़ाई जितनी भाजपा से है, उतनी ही ममता बनर्जी से भी है और वे चुनौती देने के लिए तैयार हैं। हालांकि रैली में माकपा नेताओं ने कांग्रेस को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की। इससे संदेश साफ है कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस और माकपा लोकसभा चुनाव में एक साथ आ सकते हैं और बंगाल में त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है। बता दें कि इसके पहले बंगाल में कांग्रेस और माकपा मिलकर चुनाव लड़ चुके हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल में 34 साल तक शासन करने के बाद साल 2011 में ममता बनर्जी ने लेफ्ट को पराजित कर मां, माटी, मानुष की सरकार बनाई थी। उसके बाद से माकपा लगातार अपना जनाधार खो रही थी। 2014 के लोकसभा चुनाव, 2016 के विधानसभा चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव में माकपा का प्रदर्शन लगातार गिरता रहा है। कभी बंगाल में राज करने वाली माकपा के फिलहाल बंगाल में न तो एक सांसद हैं और न ही एक विधायक हैं। लेकिन पंचायत चुनाव में माकपा ने पहले की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया था। अब साल 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले माकपा ने फिर से अपनी ताकत बढ़ानी शुरू की। माकपा के युवा संगठन डीवाईएफआई ने रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में बड़ी रैली की। इस रैली से माकपा नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार और बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार पर जमकर हमला बोला। लोकसभा चुनाव के पहले माकपा की ब्रिगेड रैली अपनी ताकत का प्रदर्शन माना जा रहा है। माकपा की ब्रिगेड रैली के दौरान पूरा मैदान खचाखच भरा हुआ था। ब्रिगेड रैली में पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के संदेश का पाठ भी किया गया। इस पाठ के माध्यम से युवाओं में उत्साह भरने की कोशिश की गई। इंसाफ यात्रा की समाप्ति पर हुई इस रैली से माकपा ने ममता बनर्जी को अपनी ताकत दिखाई है। साथ ही भाजपा को भी चुनौती दी है। *इंसाफ यात्रा* के समापन पर रविवार को कोलकाता की ब्रिगेड की रैली में अनगिनत कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। पार्टी नेता मीनाक्षी मुखोपाध्याय ने उन्हें याद दिलाया कि भले ही इंसाफ यात्रा खत्म हो गई है, लेकिन न्याय की लड़ाई खत्म नहीं हुई है। वे उस मैदान पर कब्जा करने आये हैं। सीपीएम नेता और माकपा राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि लड़ाई इसी ब्रिगेड से शुरू हुई। उन्होंने यह भी कहा कि वामपंथियों ने पंचायत चुनाव में ट्रेलर दिखाया। इस बार फिल्म दिखाई जाएगी। मोहम्मद सलीम ने कहा कि मणिपुर में भाजपा सरकार। दिल्ली भी। जब से भाजपा आई है, तब से तृणमूल के हाथ मजबूत हो गए हैं। जब चौकीदार ही चोर है तो क्या होगा। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक ही लक्ष्य है, अपने परिवार की रक्षा करना है। सलीम ने तंज कसा कि ममता ने कहा था प्लानिंग बोर्ड की मीटिंग में मत जाओ, लेकिन वह एक मीटिंग के लिए तीन दिन के लिए दिल्ली चली गईं और भतीजा का बचा लिया। सलीम ने कहा कि जो लोग चोरी कर रहे हैं, राज्य की जनता उन्हें सजा देना चाहती है। युवाओं को देखते हुए आप ऐसा कर सकते हैं। 56 नहीं, 356 नहीं, मुट्ठी बांधे हाथ आसमान की तरफ उठाओ, सिर ऊंचा करके कसम खाओ, बंगाल को बचाने की, हमारी कला, संस्कृति, घर, मां-बहन के सम्मान, परंपरा, इतिहास की रक्षा करने की, अगर तुम हो एकजुट, कोई भी दिल्ली ऐसा नहीं कर सकती।

रोहिंग्या शरणार्थी शिविर...

सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि आग काफी व्यापक थी और इससे शिविर में लगभग 1,040 आश्रय स्थल जलकर खाक हो गए। हमें उखिया और जिले के अन्य दमकल केंद्रों से 10 इकाइयों को बुलाना पड़ा। आग पर काबू पाने में लगभग दो घंटे लग गए। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता ने बताया कि आग जब तेजी से फैलने लगी तो महिलाओं और बच्चों सहित हजारों शरणार्थी अपने सामान लेकर खुले मैदान में जाने लगे। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी-संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने एसोसिएटेड प्रेस को एक ईमेल में कहा कि आग पर काबू पाने के लिए कई स्वयंसेवकों ने भी दमकलकर्मियों के साथ काम किया। यह भी कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। यह स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। हालांकि, इस्लाम ने कहा कि शरणार्थियों के बयानों से पता चलता है कि मिट्टी के चूल्हे के कारण आग लगी।

रक्षामंत्री 22 साल...

साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। उनसे रक्षा, सुरक्षा और औद्योगिक सहयोग के व्यापक विषयों पर चर्चा होने की आशा है। राजनाथ सिंह के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात करने और विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास मामलों के राज्य सचिव डेविड कैमरन के साथ बैठक करने की भी उम्मीद है। वह यूनाइटेड किंगडम रक्षा उद्योग के सीईओ और उद्योग जगत के नेतृत्व के साथ भी बातचीत करेंगे, जिससे ब्रिटेन और भारत के बीच रिश्तों को मजबूती मिलेगी। वह वहां भारतीय समुदाय से भी मिलेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपनी यूके यात्रा के दौरान हथियार निर्माण स्थलों में से एक का दौरा कर सकते हैं। बातचीत के दौरान रक्षा क्षेत्र में केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत एजेंडे के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। इस बैठक में सैन्य सहयोग और रक्षा औद्योगिक साझेदारी को गहन करने की कोशिश की जाएगी। इससे पहले जून, 2022 में राजनाथ सिंह की ब्रिटेन यात्रा प्रोटोकॉल कारणों से रद्द कर दी गई थी। पिछले 22 वर्षों में भारत के रक्षा मंत्री की यूके की यह पहली यात्रा है। इससे पहले 22 जनवरी 2002 को तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस लंदन दौरे पर गए थे। इस लिहाज से राजनाथ सिंह की यह यात्रा खास मानी जा रही हैं।

छह फिलिस्तीनी मारे ...

जवान घायल हो गए। समाचार पत्र द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान घायल चार जवानों में से दो की हालत नाजुक है। एक संयुक्त बयान में इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) और पुलिस ने कहा है कि सेना के वाहन आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए जेनिन में दाखिल हो रहे थे, तभी सड़क के किनारे लगाए गए एक विस्फोटक उपकरण ने सीमा पुलिस के वाहन को टक्कर मार दी। इसी दौरान चार जवान जख्मी हो गए। आईडीएफ का कहना है कि उसके हेलीकॉप्टर ने सैनिकों को निशाना बनाने वाले फिलिस्तीनी बंदूकधारियों के एक समूह के खिलाफ हवाई हमला किया। फिलिस्तीनी प्राधिकरण के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार तड़के कहा कि इस हमले में छह नागरिक मारे गए।

तापमान

अधिकतम 27⁰ | न्यूनतम 12⁰

जंगली हाथियों के हमले की घटनाओं में दो की मौत, एक घायल

कामरूपा/ग्वालपाड़ा (हिंस)। राज्य के कामरूप और ग्वालपाड़ा जिलों में जंगली हाथियों के हमले की दो अलग-अलग घटनाओं में दो ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ है। हाथियों ने कई घरों को क्षतिग्रस्त कर जमकर उत्पात मचाया। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कामरूप (ग्रामीण) जिला के बोको बरखाल में जंगली हाथियों के झुंड से निकले हाथी ने गांव में जमकर उत्पात मचाया। हाथी को खदेड़ने के दौरान हाथी ने हमला कर दिया, जिससे बड़खाल के कमलेश्वर बोड़ो (55) की मौत हो गई, जबकि दूसरा अमल राभा (40) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) रेफर कर दिया गया है। दूसरी घटना ग्वालपाड़ा जिलांतर्गत बलबला के फाफोंगा में हुई। वन विभाग ने रविवार को बताया है कि शनिवार रात 40-50 सदस्यीय जंगली हाथियों के एक समूह इलाके में जमकर उपद्रव मचाया। जंगली हाथियों ने 10 से अधिक घरों को नष्ट कर दिया। जंगली हाथियों के हमले में श्यामजीत मोमिन की मौत हो गई। दोनों घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। वन विभाग और पुलिस इस मामले में कार्यवाही कर रही है।

20 हजार नशीली गोलियों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने एक अभियान चलाकर 20 हजार नशीली गोलियों के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। कछार के पुलिस अधीक्षक ने आज मीडिया को बताया कि अवैध मादक पदार्थों के परिवहन के खिलाफ आज विशेष अभियान चलाया गया। कछार पुलिस और सीआरपीएफ की 147वीं/बी बटालियन ने इस अभियान के दौरान 20 हजार नशीली गोलियों के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान समसुद्दीन बरभुइयां (30), समीम अहमद बरभुइयां (30) के रूप में हुई है। दोनों सिलचर के मानिकपुर राजनगर के निवासी बताए गए हैं। आगे की जांच जारी है।

डॉ. भूपेन हजारिका आरएफटीआई का रजत जयंती समारोह 10 से

गुवाहाटी (हिंस)। डॉ. भूपेन हजारिका क्षेत्रीय सरकारी फिल्म और टेलीविजन संस्थान का रजत जयंती समारोह आगामी 10 और 11 जनवरी को राजधानी के चांगसारी स्थित परिसर में आयोजित किया गया है। 9 जनवरी को सुबह 11 बजे गुवाहाटी स्थित रवीन्द्र भवन से एक सांस्कृतिक जुलूस का भी आयोजन किया जा रहा है। सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा तथा विभागीय अधिकारी जुलूस को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रसिद्ध सांस्कृतिक कलाकार, अभिनेता, फिल्म तकनीशियन, सिने सोसायटी कार्यकर्ता, छात्र, संस्थान के पूर्व छात्र जुलूस में शामिल होंगे। सांस्कृतिक जुलूस में लगभग दो सौ लोग शामिल होंगे, जो रवीन्द्र भवन से शुरू होगा और हैंडिक गर्ल्स कॉलेज, गौहाटी उच्च न्यायालय से होकर गुजरेगा और अंत में लगभग 12.00 बजे रवीन्द्र भवन लौट आएगा। प्रो. अमरज्योति चौधरी ने संस्थान गीत की रचना और धुन तैयार की। संगीत की व्यवस्था रूपम तालुकदार ने की है। रजत जयंती समारोह में विभिन्न गतिविधियां और प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें भाषण, कॉन्क्लेव / ओपन फोरम, सांस्कृतिक प्रदर्शन और पिछले 25 वर्षों में संस्थान ने जो उपलब्धियां और प्रगति हासिल की है। दो दिनों के दौरान कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। तीन कॉन्क्लेव में से पहला कॉन्क्लेव 10 जनवरी को दोपहर 2.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। पहले कॉन्क्लेव का विषय *फिल्म स्कूल: सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक योगदान* है। असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के प्रधान सचिव बी कल्याण चक्रवर्ती, असम ट्रिब्यून के कार्यकारी संपादक प्रशांत जे बरुवा, मुंबई पैनल के साउंड मिक्सिंग इंजीनियर देबजीत चांगमाई में शामिल होंगे और मेघालय के फिल्म निर्माता और पटकथा लेखक डोमिनिक संगमा सम्मेलन का संचालन करेंगे। दूसरा कॉन्क्लेव 11 जनवरी को सुबह 9.00 बजे से 11.00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसका विषय *फिल्मों में मेरा जीवन: सपनों और अस्पष्टता को नेविगेट करना* है। प्रख्यात फिल्म निर्माता अरूप मन्ना, अमृत प्रीतम दत्ता, एमपीएसई, साउंड डिजाइनर, मुंबई, जयचेंग जय दोहोटिया, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक पैनलिस्ट के रूप में प्रस्तुति देंगे और राजीव फूकन, फिल्म समीक्षक दूसरे सम्मेलन का संचालन करेंगे। तीसरा कॉन्क्लेव 11 जनवरी को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसका विषय है *सिनेमा एक सॉफ्ट पावर के रूप में*। डॉ. समुद्र गुप्त कश्यप, चांसलर, नागालैंड विश्वविद्यालय, उत्पल बरपुजारी, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक, एच पबन कुमार, फिल्म निर्देशक, मणिपुर से पटकथा लेखक पैनल में शामिल होंगे। एनईएचयू के जनसंचार विभाग के प्रमुख डॉ. मानस प्रतिम गोस्वामी तीसरे सम्मेलन का संचालन करेंगे। फिनाले कार्यक्रम 11 जनवरी को दोपहर 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। 11 जनवरी को दोपहर 2.30 बजे - शाम 5.00 बजे आयोजित होने वाले रजत जयंती समारोह के समापन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, कौशल रोजगार और उद्यमिता एवं पर्यटन मंत्री जयंत मल्लबरुवा इसमें शामिल होंगे। डॉ. समुद्र गुप्ता कश्यप, चांसलर, नागालैंड विश्वविद्यालय, जाह्नु बरुवा, प्रख्यात फिल्म निर्माता, मंजू बोरा, प्रख्यात फिल्म निर्माता, डॉ. बी कल्याण चक्रवर्ती, प्रमुख सचिव, सांस्कृतिक मामले 11 जनवरी को दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक सम्मानित अतिथि के रूप में ग्रैंड फिनाले में भाग लेंगे।

नगा नेशनल काउंसिल के 4 कैडरों का हथियारों के साथ आत्मसमर्पण

मोन (नगालैंड) (हिंस)। नगा नेशनल काउंसिल (नॉन-एकॉर्डिस्ट) के चार सक्रिय कैडरों ने रविवार को नगालैंड के मोन जिले के बाक्सिंग में असम राइफल्स के सामने आत्मसमर्पण किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये कैडर 2019 से इस क्षेत्र में सक्रिय थे। असम राइफल्स ने आधिकारिक रूप से जानकारी की पुष्टि करते हुए कहा है कि असम राइफल्स के अथक प्रयासों के कारण नगालैंड के मोन जिले के वाक्चिंग में नगा नेशनल काउंसिल (नॉन-एकॉर्डिस्ट) के चार कैडरों ने एक 9 मिमी पिस्तौल के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। कैडर 2019 से क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय थे।

नाव से पैर फिसलकर ब्रह्मपुत्र नद में गिरा पुलिस अधिकारी का अंगरक्षक, मौत

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकचार जिले के फकीरगंज थाना अंतर्गत बाउस्काटा ग्राम पंचायत के कसारीपाड़ा में रविवार सुबह करीब नौ बजे ब्रह्मपुत्र नद में डूबकर एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। मृतक जिले के एक शीर्ष पुलिस अधिकारी का एक अंगरक्षक था। जानकारी के अनुसार दक्षिण सालमारा-मानकचार जिले के पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपाधीक्षक रविवार को फकीरगंज थाना क्षेत्र के बंदीहाना पुलिस चौकी का निरीक्षण करने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी में इंजन चालित नाव से यात्रा कर रहे थे। तभी पैर फिसलने से अंगरक्षक कुशल कलिता ब्रह्मपुत्र नद में गिर गया। नाव से गिरने के बाद कलिता काफी देर तक हाथ पैर मारता रहा। पुलिस और एसडीआरएफ बल के जवानों ने स्थानीय लोगों की मदद से कलिता को बाहर निकाला, लेकिन नद में डूबने से उसकी मौत हो गई। अंगरक्षक कुशल कलिता ग्वालपाड़ा जिले का रहने वाला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारियां

प्रदेश कांग्रेस ने बनाई 25 कमेटियां, नियुक्त किए चेयरमैन

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी 18 से 25 जनवरी तक असम में होने वाली राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी जुट गई है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आज राहुल गांधी की प्रस्तावित असम यात्रा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 25 अलग-अलग कमेटियां बनाई है। कांग्रेस उपाध्यक्ष तथा गुवाहाटी महानगर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने आज हिंदुस्थान समाचार को बताया कि इन कमेटियों के 25 चेयरमैन नियुक्त किए गए हैं। सभी से 24 घंटे के अंदर अपनी अपनी-अपनी कमेटियों के लिए अधिकतम आठ सदस्यों की सूची सौंपने को कहा गया है। असम विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया, उपनेता रकीबुल हुसैन, सांसद प्रद्युत बरदलै, अब्दुल खालेक, राज्य के पूर्व मंत्री भारत चंद्र नरह तथा वाजेद अली चौधरी, पार्टी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार पार्टी के महासचिव मेहंदी आलम बोरा समेत कुल 25 चेयरमैन नियुक्त किए गए हैं। सभी चेयरमैन अपने-अपने दायित्वों के अनुसार कमेटियां बनाकर इस दौरान राहुल गांधी के कार्यक्रम को सफल बनाएंगे।

मणिपुर पुलिस ने 192 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय दंड संहिता (संशोधित भारतीय न्याय संहिता, विधायिकाधीन) की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 192 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 195 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 183 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 139 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

मायुमं, गुवाहाटी के एनईपीएल में महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी शाखा द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट एनईपीएल (सीजन-7) में खेले जा रहे खेल में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक सभी टीमों ने अपने लीग मैच के 3-3 मैच खेल चुके थे, पहले मैच में बालाजी रॉयल से हृदय अग्रवाल, दूसरे में बिग बॉयज क्लब के शुभम, ब्लेजिंग बुल्स के रोहिन कुंडलिया, सौरव गर्ग और अभिजीत शर्मा, बेलतल्ला सुपर किंग्स के उदित सहल और शुभम भार्गव, टेक टाइटंस के प्रदीप मुंदड़ा और साहिल जैन, नामेरी टाइगर से आशीष अग्रवाल और नितिन कुंडलियां और टीम मेवरिक्स के करण शर्मा अपने-अपने मैच के मैन आफ द मैच रहे। तीसरे दिन के खेल समाप्ति पर बेलतल्ला सुपर किंग्स और ब्लेजिंग बुल्स ने लगभग सेमीफाइनल में अपनी जगह बना चुकी है। टेक टाइटन के दो मैच ड्रॉ होने के बाद अब बाकी बची दो टीमों के लिए सेमीफाइनल का रास्ता कठिन हो गया है। एनईपीएल (सीजन-7) के चेयरमैन संदीप खेमका ने बताया की 4 टीमों के बीच दो सेमीफाइनल खेले जाएंगे जिसके

बाद 7 जनवरी को संध्या 5.30 बजे से महासंग्राम फाइनल खेला जाएगा। तीसरे दिन मारवाड़ी युवा मंच ने महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया एवं महिलाओं के बीच दो टीम बनाकर उनका मैच भी करवाया। महिला टीम में रेड टीम और व्हाइट टीम दो टीमों के बीच में मुकाबला हुआ। रेड टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। रेड टीम ने 10 ओवर के खेल में 146 रन बनाकर विजेता टीम के रूप में अपना स्थान बना लिया। रेड टीम ने अपना एक ही विकेट खोया था। व्हाइट टीम ने लक्ष्य के लिए 10 ओवर के खेल में 125 रन बनाकर तीन विकेट खोए। रेड टीम की अरुण शर्मा ने 100 से भी अधिक सर्वाधिक रन बनाकर वूमेन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम कर लिया। रेड टीम की कैप्टन नमिता दूधोड़िया व व्हाइट टीम की कप्तान मंजू डागा थी। महिला क्रिकेट कार्यक्रम के संयोजक सुमित झंवर थे। प्रतिदिन चल रहे पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में समाज और प्रदेश की विभिन्न गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इनमें भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, पूर्व वार्ड काउंसलर राजकुमार तिवाड़ी, असम गौरव सम्मान प्राप्त आकाश ज्योति, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष राम भट्टर, बायोफिट जिम की ओर से प्रभात शर्मा एवं प्रकाश शर्मा आदि प्रमुख हैं। शाखाध्यक्ष बिजीत प्रकाश ने बताया कि रविवार को बच्चों के बीच भी खेल का आयोजन किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर ओल्ड एज होम के बुजुर्गों को भी खेल मैदान में आमंत्रित किया गया है और उनके बीच कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह जानकारी शाखा के जनसंपर्क अधिकारी आकाश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी है।

भुवाजी भक्त मंडल का वार्षिक उत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। भुवाजी भक्त मंडल का 24 वां वार्षिक महोत्सव फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शुक्लेश्वर मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई। जो नगर के प्रमुख मार्ग से होती हुई तीन नंबर गेट स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में पहुंची। इस अवसर पर भुवाजी महारानी का भव्य दरबार सजाकर फूलों से श्रृंगारित किया गया। प्रात पूजा अर्चना के बाद अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की गई एवं सुहागिन महिलाओं ने लाल चुनरी ओढ़ कर भुवाजी महारानी का मंगल पाठ किया। इसके प्रश्चात स्थानीय भजन गायक जगदीश महतो के अलावा अन्य स्थानीय गायक कलाकारों ने भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में महाआरती के पश्चात महा प्रसाद का आयोजन भी किया गया।

रंगिया : श्री श्री गोरोखिया गोपाल मारली थान के वार्षिक महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

विधायक भवेश कलिता ने रखा लाईखूंटा

रंगिया (विभास)। वृहत्तर रंगिया के भक्तों की आध्यात्मिक केंद्र स्थली तुलसीबाड़ी स्थित ऐतिहासिक श्री श्री गोरोखिया गोपाल मारली थान का वार्षिक उत्सव व स्थापना दिवस हरवर्ष की तरह इसबार भी व्यापक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। इसवर्ष मंदिर के 40वें आयोजन को लेकर भक्तों के बीच काफी उत्साह का माहौल बना हुआ है। भक्तों द्वारा महोत्सव की तैयारियां हर्षोल्लास के साथ की जा रही है। वहीं प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में रविवार को महोत्सव के मुख्य पंडाल के लाईखूंटा की स्थापना

धार्मिक रीति रिवाज के साथ की गई। शंख, घंटा और माताओं व बहनों की उरुली से मुखरित माहौल में एक मंदिर प्रांगण में शोभायात्रा निकाली गई और मुख्य स्तंभ को हर्सोल्लास के साथ लाया गया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों से आए भक्तों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और आयोजन स्थल धार्मिक वातावरण से सराबोर हो गया। स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने इस मुख्य स्तंभ की स्थापना की। कार्यक्रम में थान संचालन समिति के पदाधिकारी, बैद्यगढ़ पंचायत के पदाधिकारी, आयोजन समिति के सदस्य और असंख्य भक्तों ने भाग लिया। वहीं दूसरी ओर आयोजन समिति द्वारा महोत्सव के कार्यक्रमों में सभी भक्तों की उपस्थिति सहयोगिता और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

गहपुर शंकरदेव शिशु निकेतन का दो दिवसीय रजत जयंती समारोह आरंभ

बिश्वनाथ (हिंस)। बिश्वनाथ जिलांतर्गत गहपुर स्थित शंकरदेव शिशु निकेतन का आज दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ रजत जयंती समारोह आरंभ हुआ। निकेतन के ध्वजारोहण कार्यक्रम से शुरू हुए निकेतन के रजत जयंती समारोह में ध्वजारोहणकर्ता के रूप में आउनाटी सत्र (मठ) के डेका सत्राधिकार देवानंद देव गोस्वामी मौजूद रहे। इस मौके पर रजत जयंती पत्रिका का अनावरण बिश्वनाथ जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा ने किया। आज रंगारंग सांस्कृतिक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जुलूस में करीब 2 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। रजत जयंती समारोह में निकेतन के छात्र, आचार्य आचार्याएं सहित बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थीं।

विश्वनाथ : यूको बैंक का मना 82वां स्थापना दिवस

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि नगर में स्थित यूको बैंक की चारिआलि शाखा ने कल यूको बैंक का 82वां स्थापना दिवस भव्य तरीके से मनाया। बैंक को बैलून से बहुत सुंदर ढंग से सजावट किया गया। शाखा की मुख्य प्रबंधक विद्या कुमार ने सभी को अंग्रेजी नव वर्ष और आगामी भोगाली बिहू की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद बैंक के विविध विषयों, नीतियों व कार्य प्रणाली पर उपभोक्ता के साथ जागरूक सभा भी रखा गया। मुख्य प्रबंधक विद्या कुमार ने यूको बैंक के इतिहास पर प्रकाश डाले। बैंक के सभी वरिष्ठ नागरिकों के साथ विचारों के आदान-प्रदान हुआ। इस मौके सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विश्वनाथ जिला परिषद के अधिकारी दिगंत वैश्य ने कैक काटकर 82वां स्थापना दिवस का शुभारंभ किया। इस मौके पर बैंक के वरिष्ठ

सेवानिवृत्त कर्मचारी भूधर दास, नवीन उपाध्याय, त्रिदीप शइकीया, दयालचंद्र दास, वकुलचंद्र नाथ, सहायक वरिष्ठ प्रबंधक स्मरण कुमार, प्रबंधक विपीन चंद्र डेका, सहायक प्रबंधक भास्वती कलिता, विशेष सहायक अंजलि बरुवा, विशेष सहायक राजेन कुमार आचार्य, मुख्य कोषाध्यक्ष किरण छेत्री, कर्मचारी रूपेन वैश्य, सबके प्रिय गार्ड मनोज गोगोई, अन्य कर्मचारी दीपक छेत्री, जीन्टू सैकिया और ग्राहक मौजूद थे। इस मौके पर प्राय: शतक उपभोक्ता बैंकिंग सुविधा के जरिए केसीसी, कार, तथा पीएमएफएमई ऋण प्रदान किया गया। इसके बाद मुख्य प्रबंधक ने बैंक के ग्राहकों और बैंक के अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापन किया।

नगरबेड़ा में अवैध लकड़ी समेत वाहन जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। वन विभाग की एक टीम ने कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र में नगरबेरा नदी रिजर्व वन अधिकारी के कार्यालय के तहत महिमारी से कल छापा मारा और तस्करी की लकड़ी से भरा एक वाहन जब्त किया। यह पता चला है कि रेंजर शिबाशीष चांडिल्य के नेतृत्व में गोराईमारी और नगरबेरा वन विभाग की एक टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर एक गुप्त सूचना प्राप्त की। छापेमारी के दौरान जामबाड़ी से महिमारी की ओर आ रही तस्करी की लकड़ी से भरी पिक अप वैन संख्या एएस 01 ईसी 6236 को जब्त करने में सफल रही। जब्त अनधिकृत तस्करी लकड़ी से लदे वाहन को बाद में हमलावरों द्वारा नगरबेड़ा नदी आरक्षित वन रेंज वन अधिकारी के कार्यालय में लाया गया। टीम ने कहा कि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जब्त की गई तस्करी की लकड़ी का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1 लाख रुपए है।

घर-घर पहुंचें राम : श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा एवं गृह संपर्क अभियान जारी

होजाई (निसं)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को श्रीराम लला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होना है। इसके लिए श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं गृह संपर्क अभियान की शुरुआत हुई। इसके तहत अयोध्या धाम से आए पूजित अक्षत, पत्रक व श्रीराम मंदिर के चित्र को प्रत्येक सनातन घर में संपर्क के लिए अभियान होजाई जिले में भी जनवरी 1 से 15, 2024 तक गृह संपर्क अभियान चल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, भारतीय जनता पार्टी, संस्कार भारती सहित कई संगठन के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव, शहर-शहर में प्रत्येक

सनातन परिवार तक जाकर अयोध्या के पूजित अक्षत, प्रस्तावित राम मंदिर का चित्र और आग्रह पत्र सौंपकर सनातन समाज से 22 जनवरी को अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा समारोह वाले दिन अपने घर की साज सज्जा करने, रंगोली बनाने एवं रात्रि के समय दीपमालिका जलाने का आग्रह कर रहे हैं साथ ही अपने घर के पास के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लाईव देखने एवं रामधुन, भजन कीर्तन इत्यादि करने का भी आग्रह कर रहे हैं। गौरतलब है की होजाई जिले में इन संगठनों की 300 रामसेवकों की टोलियां में लगभग दो हजार कार्यकर्ता 8 खंड व 3 नगरों (होजाई, लंका व लामडिंग) में अब तक 45, 000 परिवारों में अयोध्या के पूजित अक्षत, प्रस्तावित राम मंदिर का चित्र और आग्रह पत्र बट चुकी हैं। विश्व हिंदू परिषद के होजाई जिला सचिव अभिजीत घोषाल से मिली जानकारी के अनुसार संपर्क अभियान के अंत तक 1, 00, 000 परिवारों तक पूजित अक्षत, प्रस्तावित राम मंदिर का चित्र और आग्रह पत्र पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने जानकारी दी की जिले के सभी मंदिरों में भी अयोध्या के पूजित अक्षत, प्रस्तावित राम मंदिर का चित्र और आग्रह पत्र पहुंचा दिया गया है जिस किसी भी भक्त को उक्त सामग्री अभी तक नहीं मिली है किसी भी कारणवश तो वे मंदिरों से उक्त सामग्री ग्रहण कर सकता है व पुण्य का भागी बन सकता है।

संपादकीया

बीएचयू छात्रा से कथित गैंगरेप

कथित गैंगरेप आईआईटी बीएचयू की छात्रा से कथित गैंगरेप के मामले में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। वाराणसी की एक कोर्ट ने तीनों अभियुक्तों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आरोप के मुताबिक ये मामला बीती एक नवम्बर को बीएचयू वैंपस में हुआ। घटना के लगभग 60 दिनों बाद तीन अभियुक्तों वुणाल पांडे, आनंद पांडे उर्प अभिषेक चौहान और सक्षम पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गईं है। काशी जोन के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद तीनों अभियुक्तों ने अपना जुर्म वुबूल कर लिया है। तीनों अभियुक्तों को रविवार शाम एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। डीसीपी राम सेवक गौतम ने बताया तीनों अभियुक्तों को शनिवार देर रात उनके घरों से गिरफ्तार किया है। तीनों ने अपना अपराध वुबूल कर लिया है। अभियुक्तों को घटना के करीब 2 महीने बाद गिरफ्तार किया गया। इस देरी को लेकर पूछे गए सवाल पर डीसीपी गौतम ने बताया कि इस घटना को लेकर हमारी जांच और तलाशी अभियान जारी था। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने से पहले उन्हें समय देना हमारी रणनीति का हिस्सा था। पुलिस तीनों अभियुक्तों के बारे में जानकारी जुटा रही है, हम पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इनका पहले कोईं आपराधिक रिकार्ड रहा है। ये भी दावा किया जा रहा है कि इस बहुचर्चित कांड में गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्त भाजपा के आईंटी सेल से जुड़े हुए थे। पार्टी के कईं बड़े नेताओं के साथ इनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। दावे के मुताबिक वुणाल पांडे वाराणसी यूनिट में भाजपा आईंटी सेल के संयोजक रह चुके हैं। वहीं सक्षम पटेल भाजपा की वाराणासी यूनिट में आईंटी सेल सहसं योजक रह चुके हैं। आनंद उर्प अभिषेक आईंटी सेल कार्यसमिति के सदस्य रह चुके हैं। सक्षम पटेल को लेकर दावा किया गया है कि वो भाजपा काशी प्रांत के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप पटेल के निजी सचिव हैं। एक भाजपा नेता के लेटर हेड पर इनकी नियुक्ति का ऐलान करने वाला पत्र भी वायरल हो रहा है। ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भाजपा ने तीनों को पार्टी से निकाल दिया है। हालांकि भाजपा की ओर से इस बारे में कोईं विज्ञप्ति या औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। उधर, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यदव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने लिखा यह भाजपा के दिग्गज नेताओं से अभयदान प्राप्त वो भाजपाईं हैं जिन पर छात्रा के साथ अभद्रता की सीमाएं पार करने का आरोप है। उन्होंने सवाल किया कि क्या नारी की इज्जत से खिलवाड़ करने की भाजपाइयों को खुली छूट जारी रहेगी? वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने एक्स पर आरोपियों की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, छात्रा से गैंगरेप करने वाले और कोईं नहीं भाजपा आईंटी सेल के पदाधिकारी हैं और यही है भाजपा का दुष्कर्मी चेहरा। बता दें कि अजय राय ने घटना में भाजपा से जुड़े लोगों के शामिल होने की बात सार्वजनिक तौर पर कही थी, इसको लेकर उनके खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। हालांकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बीएचयू इकाईं ने आरोपियों को संरक्षण देने वालों की जांच की मांग की है।

वाराणसी की एक कोर्ट ने तीनों अभियुक्तों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आरोप के मुताबिक ये मामला बीती एक नवम्बर को बीएचयू वैंपस में हुआ। घटना के लगभग 60 दिनों बाद तीन अभियुक्तों वुणाल पांडे, आनंद पांडे उर्प अभिषेक चौहान और सक्षम पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गईं है। काशी जोन के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद तीनों अभियुक्तों ने अपना जुर्म वुबूल कर लिया है। तीनों अभियुक्तों को रविवार शाम एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। डीसीपी राम सेवक गौतम ने बताया तीनों अभियुक्तों को शनिवार देर रात उनके घरों से गिरफ्तार किया है। तीनों ने अपना अपराध वुबूल कर लिया है। अभियुक्तों को घटना के करीब 2 महीने बाद गिरफ्तार किया गया। इस देरी को लेकर पूछे गए सवाल पर डीसीपी गौतम ने बताया कि इस घटना को लेकर हमारी जांच और तलाशी अभियान जारी था। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने से पहले उन्हें समय देना हमारी रणनीति का हिस्सा था। पुलिस तीनों अभियुक्तों के बारे में जानकारी जुटा रही है, हम पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इनका पहले कोईं आपराधिक रिकार्ड रहा है। ये भी दावा किया जा रहा है कि इस बहुचर्चित कांड में गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्त भाजपा के आईंटी सेल से जुड़े हुए थे। पार्टी के कईं बड़े नेताओं के साथ इनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। दावे के मुताबिक वुणाल पांडे वाराणसी यूनिट में भाजपा आईंटी सेल के संयोजक रह चुके हैं। वहीं सक्षम पटेल भाजपा की वाराणासी यूनिट में आईंटी सेल सहसं योजक रह चुके हैं।

पार्श्वनाथ की जीवन दिशा ही बदल दी और उनकी संसार के जीवन-मृत्यु से विरक्ति हो गई

भगवान पार्श्वनाथ हैं पुरुषार्थ एवं जीवंत धर्म की प्रेरणा

ललित गर्ग

भगवान पार्श्वनाथ ने सत्य की तलाश में राज-वैभव को त्याग संसार में संन्यस्त हुए। उन्होंने कठिन तप तपा, वीतरागता तक पहुंचकर अपने जीये गये सच को भाषा दी। जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर के रूप में उन्होंने वास्तविक धर्म को स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उन्होंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर पृथ्वी पर विचरण करते हुए उन्होंने धर्म का सही अर्थ समझाया। पार्श्वनाथ के जीए गये वे सारे सत्य धर्म के व्याख्या सूत्र बने हैं, जिन्हें उन्होंने ओढ़ा नहीं था, साधना एवं तप की गहराइयों में उतरकर आत्मचेतना के तल पर पाया था। उनके धर्म का शाश्वत सन्देश यही है कि स्वयं के द्वारा स्वयं को खोजें। भगवान पार्श्वनाथ तापस परम्परा में क्रांति-ज्वाला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सहसा ज्ञान का तीसरा नेत्र खुल जाता है। उनका जीवन जहां तापस युग का अंत था तो दूसरे बौद्धिक साधना का प्रारम्भ। उनका जन्म आज से लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था, जो इस वर्ष 7 जनवरी 2023 को है। उनके पिता का नाम अश्वसेन और माता का नाम वामादेवी था। राजा अश्वसेन वाराणसी के राजा थे। जैन पुराणों के अनुसार तीर्थंकर बनने के लिए पार्श्वनाथ को पूरे नौ जन्म लेने पड़े थे। पूर्व जन्म के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः ही वे तेईसवें तीर्थंकर बने। पुराणों के अनुसार पहले जन्म में वे मरुभूमि नामक ब्राह्मण बने, दूसरे जन्म में वज्रघोष नामक हाथी, तीसरे जन्म में स्वर्ग के देवता, चौथे जन्म में रश्मिवेग नामक राजा, पांचवें जन्म में देव, छठे जन्म में वज्रनाभि नामक चक्रवर्ती सम्राट, सातवें जन्म में देवता, आठवें जन्म में आनंद नामक राजा, नौवें जन्म में स्वर्ग के राजा इन्द्र और दसवें जन्म में तीर्थंकर बने। बचपन में पार्श्वनाथ का जीवन राजसी वैभव और ठाटबाठ में व्यतीत हुआ। जब उनकी उम्र सोलह वर्ष की हुई और वे एक दिन वन भ्रमण कर रहे थे, तभी उनकी दृष्टि एक तपस्वी पर पड़ी, जो कुल्हाड़ी से एक वृक्ष पर प्रहार कर रहा था। यह दृश्य देखकर पार्श्वनाथ सहज ही चीख उठे और बोले- 'ठहरो! उन निरीह जीवों को मत मारो।' उस तपस्वी का नाम महीपाल था। अपनी पत्नी की मृत्यु के दुख में वह साधु बन गया था। वह क्रोध से पार्श्वनाथ की ओर पलटा और कहा- मैं किसे मार रहा हूं? देखते नहीं, मैं तो तप के लिए लकड़ी काट रहा हूं। पार्श्वनाथ ने व्यथित स्वर में कहा- लेकिन उस वृक्ष पर नाग-नागिन का जोड़ा है।

महीपाल ने तिरस्कारपूर्वक कहा-तू क्या त्रिकालदर्शी है? और पुनः वृक्ष पर वार करने लगा। तभी वृक्ष के चिरे तने से छटपटाता, रक्त से नहाया हुआ नाग-नागिन का एक जोड़ा बाहर निकला। एक बार तो क्रोधित महीपाल उन्हें देखकर कांप उठा, लेकिन अगले ही पल वह धूर्ततापूर्वक हंसने लगा। तभी पार्श्वनाथ ने नाग-नागिन को णमोकार मंत्र सुनाया, जिससे उनकी मृत्यु की पीड़ा शांत हो गई और अगले जन्म में वे नाग जाति के इन्द्र-इन्द्राणी धरणेन्द्र और पद्मावती बने और मरणोपरांत महीपाल सम्बर नामक दुष्ट देव के रूप में जन्मा। इस घटना ने पार्श्वनाथ की जीवन दिशा ही बदल दी और उनकी संसार के जीवन-मृत्यु से विरक्ति हो गई। उन्होंने ऐसा कुछ करने की ठानी जिससे जीवन-मृत्यु के बंधन से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सके। वे सत्योपलब्धि की साधना में जुटें और जन-जन को रोशनी बांटी। बचपन से ही पार्श्वनाथ चिंतनशील और दयालु थे। पार्श्व युवा हुए। इनका क्षत्रियत्व शौर्यशाली था। सभी विद्याओं में ये प्रवीण थे। एक बार अपने मामा की सहायता के लिए युद्ध किया। शत्रु को इन्होंने परास्त कर, उसे बंदी बना अपने शौर्य का परिचय दिया। उन्होंने अपने समय की हिंसक स्थितियों को नियंत्रित कर अहिंसा का प्रकाश फैलाया। यूं लगता है पार्श्वनाथ जीवन दर्शन के पुरोधा बनकर आये थे। उनका अतः से इति तक का पूरा सफर पुरुषार्थ एवं धर्म की प्रेरणा है। वे सम्राट से संन्यासी बने, वर्षों तक दीर्घ तप तपा, कर्मनिर्जरा की, तीर्थंकर बने। जैन दर्शन के रूप में शाश्वत सत्यों का उद्घाटन किया। उनका संपूर्ण व्यक्तित्व एवं कृर्तित्व जैन इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है। पार्श्वनाथ ने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने जीवन शुद्धि के लिए कठोर तप किया। उनके तप में सादगी थी और जीवन शुद्धि का मर्म था। वास्तव में तप वही है जिसके साथ न प्रदर्शन जुड़ा है और न प्रलोभन। इसमें न केवल उपदेश काम करता है और न अनुकरण। जीवन स्वयं एक तपस्या है। सुविधाओं के बीच सीमाकरण में रहना और अभावों के बीच तृप्ति को पा लेना भी तप है। प्रतिकूलताओं को समत्व से सह लेना, वैचारिक संघर्ष में सही समाधान पा लेना, इन्द्रियों को विवेकी बना लेना, मन की दिशा और दृष्टि को बदल देना भी तप है और ऐसे ही तप के माध्यम से पार्श्वनाथ न केवल स्वयं तीर्थंकर बने बल्कि जन-जन में ऐसी ही पात्रता को उन्होंने विकसित किया। उनकी साधना की कसौटी थी- शुद्ध आत्मा में धर्म का स्थिरीकरण। बिना पवित्रता धर्म आचरण नहीं बन सकता। जैसे-मुखौटों में सच नहीं छिपता, वैसे ही वासनाएं, कामनाएं, असत्संस्कार और असत्व्यवहार धर्म को आवरण नहीं बना सकता। इसलिए उपासना के इस बिन्दु से जोड़े कि धर्म मंदिर या पूजा पाठ में नहीं, धर्म मन के मंदिर में हैं। पार्श्वनाथ ने अहिंसा एवं सह-अस्तित्व का दर्शन दिया। अहिंसा सबके जीने का अधिकार है, उन्होंने इसे स्वीकृत किया। प्राचीन उद्घोष एक बार फिर से करते हुए उन्होंने जनता को संदेश दिया- 'सव्वे पाणा पियाउवा, सव्वे दुक्ख पडिकुला'- यानी सबको जीवन प्रिय है, दुख को कोई नहीं चाहता। पर हमने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण को नकार दिया। तीर्थंकर पार्श्वनाथ भी उन धर्मनायकों एवं तीर्थंकरों में से ऐसे महापुरुष थे, जो धर्म नीतियों का प्रकाश संसार में लेकर आए और ऐसे जीवन मूल्यों की स्थापना की जिनके माध्यम से धर्म एक नये रूप में प्रस्तुत हुआ। इस धर्म दर्शन में जीवन के इर्द-गिर्द छिपी बाहरी ही नहीं, भीतरी परछाइयां भी रोशनी बनकर प्रस्तुत होती है। अच्छाइयों की सही पहचान होती है, अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बनता। पार्श्वनाथ ने जो कुछ कहा, सत्य को उपलब्ध कर कहा। वे प्रणम्य बने अपनी तपस्विता एवं पवित्रता की बुनियाद पर। उनका सम्पूर्ण जीवन, आदर्श और सिद्धान्त मानवता के नाम आत्म-विकास की प्रेरणा है। भगवान पार्श्वनाथ हमारे लिए वंदनीय है। वे हमारे जीवन दर्शन के स्रोत हैं, प्रेरक आदर्श हैं। उन्होंने जैसा जीवन जीया, उसका हर अनुभव हमारे लिए साधना का प्रयोग बन गया। उन्होंने हमारे भीतर सुलभ बोधि जगाई, व्रत की संस्कृति विकसित की, समत्व की साधना को संभव बनाया। बुराइयों का परिष्कार कर अच्छा इंसान बनने का संस्कार भरा। पुरुषार्थ से भाग्य बदलने का सूत्र दिया। क्योंकि हम कुछ होना चाहें और पुरुषार्थ न करें तो फिर बिना लंगर खोले रात भर नौका खेने वाले नादान मल्लाह की तरह असफलता हाथ आएगी। इसलिए उन्होंने कर्मवीर बनने का संदेश दिया। भगवान पार्श्वनाथ ने लगभग 70 वर्ष तक जनता को आलोक बांटा। 100 वर्ष की आयु में एक मास का अनशन करते हुए सम्मेद शिखर पर श्रवण शुक्ल अष्टमी को उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया।

जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर के रूप में उन्होंने वास्तविक धर्म को स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उन्होंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर पृथ्वी पर विचरण करते हुए उन्होंने धर्म का सही अर्थ समझाया। पार्श्वनाथ के जीए गये वे सारे सत्य धर्म के व्याख्या सूत्र बने हैं, जिन्हें उन्होंने ओढ़ा नहीं था, साधना एवं तप की गहराइयों में उतरकर आत्मचेतना के तल पर पाया था।

दृष्टि कोण

हिट एंड रन...पहले व्यवस्था दुरुस्त हो, फिर सख्ती

यकीनन कानून में सुधार वक्त का तकाजा है। रही बात दुर्घटना करने वालों की पतासाजी की तो आजकल जगह-जगह सीसीटीवी लगे हैं। टोल नाके भी हैं। सबके साथ समन्वय बिठाकर भी आरोपित तक पहुंचा जा सकता है। जब बड़े-बड़े हाइवे और राजमार्गों पर अरबों रुपये खर्च होते सकते हैं तो क्या कुछ हजार और खर्च कर हर किलोमीटर पर सीसीटीवी नहीं जरूरी नहीं हो सकते? यकीनन तीसरी आंख और तकनीक की निगरानी से ड्राइवरों पर नकेल के साथ सुरक्षा भी दी जा सकती है, जिसका सभी पर मनोवैज्ञानिक असर पड़ेगा। जब व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी तो सख्त और प्रैक्टिकल कानूनों से भला कोई क्यों ऐतराज करेगा? सुकून की बात है कि ट्रांसपोर्टर्स की देशव्यापी हड़ताल खत्म हो गई। इससे भी अच्छी बात यह रही कि सरकार को जल्द समझ आ गया कि मामला हाथ से निकलता दिख रहा है। इधर देशभर के तमाम ट्रांसपोर्टर संगठनों को 'हिट ऐंड रन' मामले में सजा के नए प्रावधानों को लेकर न केवल काफी भ्रम था बल्कि खासकर ड्राइवरों की चिंता वाजिब थी। हो सकता है कि एकाएक

सरकार के बैकफुट पर आने की वजह सामने आ रहे आम चुनाव हों? लेकिन कानून के सबसे ज्यादा असर से डरे ड्राइवरों का डर और भविष्य कि चिंता भी नकारी नहीं जा सकती है। कम तनख्वाह, गरीबी गुजारा और साधारण रहन-सहन के चलते भारत के समकक्ष माने जाने वाले देशों के मुकाबले हमारे प्राइवेट ड्राइवरों की हैसियत एक मजदूर से ज्यादा नहीं है। भारत में हर साल करीब साढ़े चार लाख सड़क दुर्घटनाओं में डेढ़ लाख मौतें होती हैं। जबकि हिट ऐंड रन से 25-30 हजार लोगों की जान चली जाती है। सच है कि दुर्घटना जानबूझकर कोई नहीं करता। लेकिन दुर्घटना के बाद ड्राइवर फरार हो जाते हैं, क्योंकि यदि रुकेगा तो आसपास इकट्ठी हुई भीड़ बिना गलती जाने खुद ही फैसला करने लगती है। अनेकों उदाहरण सामने हैं कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद पकड़े गए ड्राइवर किस बुरी तरह पिटते हैं, उनकी मौत तक हो जाती है। कई बार लदा-लदाया वाहन समेत ड्राइवर को जिंता तक जला दिया जाता है। ऐसे सार्वजनिक कृत्य करने वालों के खिलाफ अकसर मामला तक दर्ज नहीं होता। ड्राइवर जान से हाथ धो बैठता है तो उसका परिवार अनाथ होकर दर-दर भटकने को मजबूर। भारत में करीब एक करोड़ कमर्शियल वाहन हैं जिससे 20 करोड़ लोगों को काम मिलता है। ऐसे में हड़ताल होने से हुआ नुकसान समझ आता है। निश्चित रूप से सरकार द्वारा इस कानून पर सोच-विचार कर, ट्रांसपोर्टर्स का पक्ष जानने की पहल अच्छी है। लेकिन यही काम पहले भी हो सकता था जब इसके संशोधन खातिर अमल में जुटे विशेषज्ञ और नौकरशाह दूर की सोचते। क्या उन्हें नहीं पता था कि ट्रांसपोर्टर संगठन कितना मजबूत है? वाहनों के पहिये थम जाएंगे तो हालात कैसे बेकाबू हो जाएंगे? वही हुआ। यकीनन ट्रांसपोर्टेशन देश की अर्थव्यवस्था के साथ आम लोगों की सभी जरूरतों की पूर्ति करता है। सब्जी, भाजी, दूध, अनाज, दवाई और आम और खास सभी के आवागमन का जरिया भी है। ऐसे में हड़ताल से एक ही दिन में देशभर में महज पेट्रोल-डीजल की किल्लत तो सब्जियों के दूने भाव ने हालात कहां से कहां पहुंचा दिए सबने चंद घंटों में देख लिया। यह सही है कि भारतीय न्याय दंड सहिंता में पहले हिट-एंड-रन जैसी घटनाओं खातिर कोई सीधा कानून नहीं था। जिसमें आरोपित पर आईपीसी को धारा 304 ए में अधिकतम दो साल की जेल या जुर्माने का प्रावधान रहा है। लेकिन नई भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस जो ब्रिटिश-कालीन भारतीय दंड संहिता की जगह बना, उसमें यदि ड्राइवर से गंभीर सड़क दुर्घटना होती है और वह पुलिस या किसी अधिकारी को जानकारी दिए बिना चला जाता है, तो उसे दंडित किया जा सकेगा। इसमें 10 साल तक की जेल और 7 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

कुछ अलग

पीएम पद और सीट शेयरिंग बड़ी बाधा

विपक्षी दल इंडिया एलायंस की चार बैठकों के बावजूद सीटों के तालमेल और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का मुद्दा उलझने से लोकसभा चुनाव में भाजपा से मजबूती से संयुक्त रूप से मुकाबला करने पर संशय बना हुआ है। गठबंधन के दल अपनी सुविधा के हिसाब से चुनावी गणित लगा रहे हैं। क्षेत्रीय दल राज्यों के हिसाब से सीटों की दावेदारी जता रहे हैं। कोई भी दल यह नहीं चाहता कि उसके प्रभाव वाले राज्य में कांग्रेस या अन्य दलों से सीटों की शेयरिंग की जाए। यही कारण है कि विपक्षी एकता पर अभी तक सवालिया निशान लगे हुए हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में शिवसेना ने 23 सीटों पर अपना दावा किया। उद्धव गुट ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उनके उम्मीदवारों ने काफी सीटें जीती थी, लेकिन अभी ज्यादातर उम्मीदवार एकनाथ शिंदे कैंप में जा चुके हैं। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में 23 सीटों की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की मांग को खारिज कर दिया। महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं का कहना था कि शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बगावत होने के बाद कांग्रेस ही राज्य में सबसे पुरानी पार्टी बची है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर पार्टी सीटों की बड़ी हिस्सेदारी चाहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शिवसेना की 23 सीटों की मांग काफी ज्यादा है। कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने उद्धव ठाकरे की यूबीटी की 23 संसदीय सीटों की मांग पर तंज कसते हुए कहा कि शिवसेना 23 सीटों की मांग कर सकती है, लेकिन वे उनका क्या करेंगे? शिवसेना के नेता चले गए हैं, जिससे संकट पैदा हो गया है। उम्मीदवारों की कमी शिवसेना के लिए एक समस्या है। वर्ष 2019 में अविभाजित शिवसेना बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी अब एमवीए का हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी शामिल हैं। जून 2022 में एकनाथ शिंदे और 40 अन्य विधायकों ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया, जिससे पार्टी में विभाजन हो गया और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इसके बाद शिंदे ने राज्य में सरकार बनाने के लिए बीजेपी से हाथ मिला लिया। इंडिया गठबंधन में सीट शेयिरिंग का इंतजार किए बगैर ही समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में इलेक्शन की तैयारी कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर बड़ा दावा कर दिया। अखिलेश यादव के मुताबिक अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें जीतेगा। पूर्व सीएम ने यह भी कहा कि 80 सीटें जीतकर बीजेपी को सत्ता से बाहर करना है। सपा अध्यक्ष के बयान से जाहिर है कि उत्तरप्रदेश में कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। अर्थात कांग्रेस को अखिलेश यादव ने उत्तरप्रदेश से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है। लेकिन यह निश्चित है कि अखिलेश यादव आसानी से कांग्रेस से सीट शेयरिंग करने को तैयार नहीं होंगे। दरअसल कांग्रेस नहीं चाहती कि बैठक में कोई ठोस निर्णय से पहले किसी तरह की जल्दबाजी करे। ऐसे में विपक्ष की एकता के बिखराव का ठीकरा कांग्रेस के सिर फूटेगा। इसी से कांग्रेस फिलहाल बचना चाहती है। सीट शेयरिंग का मुद्दा इंडिया गठबंधन के लिए सुलझाना आसान नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन देशभर में बीजेपी से मुकाबला करेगा।

देश दुनीया से

चीन की दोहरी मुश्किलों का क्या भारत उठा सकता है कोई लाभ, पर कठिन है राह

चीन 2.3 करोड़ की आबादी वाले स्व-शासित द्वीप ताइवान को अपने एक प्रांत के रूप में देखता है, जबकि ताइवान अपने संविधान और लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए नेताओं के साथ खुद को चीनी मुख्य भूमि से अलग मानता है। उधर ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने अपने नए साल के संबोधन में कहा कि चीन के साथ ताइवान के संबंध 'ताइवान के लोगों की इच्छा' से तय होने चाहिए। उनकी सरकार ने बार-बार चेतावनी दी है कि बीजिंग चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, जहां एक नया राष्ट्रपति और सरकार चुनी जाएगी। असल में शी जिनपिंग का यह रुख चीन की हताशा को भी दर्शाता है, जो उसकी दोहरी चुनौतियों से उभरी है।

ताइवान में 13 जनवरी को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले, नए वर्ष के संबोधन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताइवान को लेकर सख्त संदेश देते हुए कहा कि ताइवान को फिर से चीन के साथ एकीकृत किया जाएगा। इससे कुछ ही दिन पहले पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थापक माओ त्से तुंग के जन्म की 130वीं वर्षगांठ के अवसर पर भी शी जिनपिंग ने दावा किया था कि चीन के साथ ताइवान का पुनः एकीकरण अपरिहार्य है। यह ताइवान में होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव से पहले बीजिंग के दीर्घकालिक रुख पर बल देता है। चीन 2.3 करोड़ की आबादी वाले स्व-शासित द्वीप ताइवान को अपने एक प्रांत के रूप में देखता है, जबकि ताइवान अपने संविधान और लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए नेताओं के साथ खुद को चीनी मुख्य भूमि से अलग मानता है। उधर ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने अपने नए साल के संबोधन में कहा कि चीन के साथ ताइवान के संबंध 'ताइवान के लोगों की इच्छा' से तय होने चाहिए। उनकी सरकार ने बार-बार चेतावनी दी है कि बीजिंग चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, जहां एक नया राष्ट्रपति और सरकार चुनी जाएगी। असल में शी जिनपिंग का यह रुख चीन की हताशा को भी दर्शाता है, जो उसकी दोहरी चुनौतियों से उभरी है। चीन के समक्ष दो तरह की चुनौतियां हैं- आर्थिक मोर्चे पर मंदी और पश्चिमी देशों की घेरेबंदी। हाल के समय में इन चुनौतियों ने चीन के सावधानीपूर्वक निर्मित भव्य आख्यान को प्रभावी ढंग से प्रभावित किया है, जो चीनी क्षेत्र के उदय को महिमामंडित करता है। हालांकि यह मात्र प्रचार नहीं था, क्योंकि 1978 के बाद चीन में औसत वास्तविक विकास दर नौ फीसदी से ज्यादा देखी गई और कुछ चरम वर्षों में इसकी अर्थव्यवस्था 13 फीसदी के ज्यादा के दर से बढ़ी। इस सफलता ने एक गरीब कृषि संस्कृति वाले चीन को औद्योगिक दिग्गज राष्ट्र में बदल दिया। हालांकि तेजी से बदलते घटनाक्रम में चीन की अजेयता अतीत की बात लगने लगी है। कोविड-19 महामारी के प्रति इसकी शून्य सहिष्णुता और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बढ़ते तानाशाही रवैये ने चौतरफा आलोचना बटोरी है। वर्ष 2023 के पहले तीन महीनों के मुकाबले दूसरी तिमाही में चीन की जीडीपी मात्र 0.8 फीसदी बढ़ी। चीन की अनुमानित वार्षिक विकास दर अब तीन फीसदी के करीब नजर आ रही है, जो पिछले तीन दशकों में सबसे कमजोर है। नए वर्ष की पूर्व संध्या पर जिनपिंग ने कहा कि कुछ उद्यमों (व्यवसायों) को कठिन समय का सामना करना पड़ा और कुछ लोगों को नौकरियां ढूंढने और बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मुश्किल हुई। यह शीर्ष नेतृत्व द्वारा चीनी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली विपरीत स्थितियों की दुर्लभ स्वीकारोक्ति थी। कई अर्थशास्त्री अब मानते हैं कि चीन बहुत धीमी वृद्धि के युग में प्रवेश कर रहा है, जो प्रतिकूल जनसांख्यिकी और अमेरिका व उसके सहयोगियों के साथ बढ़ते विवाद के कारण और भी बदतर हो गया है और जो उसके विदेशी निवेश तथा व्यापार को खतरे में डाल रहा है। विद्वान यह तय करने में लगे हैं कि चीन की मौजूदा आर्थिक समस्याएं अल्पकालिक हैं या संरचनात्मक। 40 खरब डॉलर के विशाल मुद्रा भंडार के साथ चीन अल्पकालिक समस्याओं से निपटने में सक्षम है। लेकिन बुजुर्ग होती आबादी, पश्चिमी बाजारों से अलगाव, स्थानीय मांग के बजाय अधिकांशतः निवेश आधारित आर्थिक विकास जैसे

संरचनात्मक मुद्दे जल्द हल होने वाले नहीं हैं। फिर भी, चीन को जल्दबाजी में खारिज करना गलती होगा। वैश्विक उतार-चढ़ाव को देखते हुए कई लोग अब भी मानते हैं कि सभी बाधाओं के बावजूद 21वीं सदी 'चीनी सदी' होने जा रही है। दोहरे अंकों की आर्थिक वृद्धि के सुनहरे दिनों ने चीनी शासक को महत्वाकांक्षी बीआरआई परियोजना शुरू करने की प्रेरणा दी। विकास के चकित कर देने वाले रिकॉर्ड से प्रभावित होकर चीन ने 'शांतिपूर्ण विकास' की परिकल्पना से बाहर निकल कर अधिक आक्रामक रुख अपना लिया, जिससे उच्च हिमालय से लेकर दक्षिण चीन सागर तक समस्याएं पैदा हो गईं। बीजिंग की आक्रामकता ताइवान के एकीकरण के दावे के साथ 'वन चाइना पॉलिसी' के जबरन कार्यान्वयन में तब्दील हो गई। इसने चीन को अमेरिका के साथ विवाद में उलझा दिया, जो ताइवान की सुरक्षा की गारंटी का दावा करता है। चीन अमेरिकी वर्चस्व वाली उदार विश्व व्यवस्था को चुनौती देने के लिए तैयार है। उसने पश्चिम की रणनीतिक घेरेबंदी को तोड़ने के लिए रूस से हाथ मिलाया है। चीन की बढ़ती ताकत को संतुलित करने के लिए अमेरिका ने कई देशों को चीन-केंद्रित विश्व व्यवस्था की याद दिलाई है।

आप का नजरीया

असम में शांति समझौता

समझौता यूनाइटेड लिबरेशन प्रंट ऑफ असम (उल्फा) के वार्ता समर्थक गुट ने हिंसा छोड़ने, संगठन को भंग करने और लोक तांत्रिक प्रकिया में शामिल होने पर सहमति व्यक्त करते हुए केन्द्र और असम सरकार के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। असम शांति समझौता पूर्वोत्तर, खासकर राज्य में अमन चैन की व्यवस्था कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस समझौते में उल्फा उग्रवाद की 44 वर्षो से भी अधिक लंबी यात्रा में एक अहम अध्याय है। समसमायिक असम के लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले कईं मील के पत्थर देखे गए हैं, लेकिन उल्फा मुद्दा जो शुरू में एक आंदोलन के रूप में शुरू हुआ, लेकिन जल्द ही अपहरण, जबरन वसूली, हत्याओं और बम विस्फोटों के साथ सशस्त्र संघर्ष में बदल गया और शीर्ष पर बना रहा। उग्रवादी संगठन के साथ 1991 के बाद से ही बातचीत के कईं प्रयास किए गए। लेकिन कोईं समाधान नहीं निकला। इस त्रिपक्षीय समझौते में भले ही परेश बरुआ का गुट उल्फा (आईं) शामिल नहीं हुआ है, यह एक बड़ी सफलता और संबंधित हितधारकों के साथ प्रतिबद्धता का दस्तावेज है। उल्फा का गठन 7 अप्रैल, 1979 को ऊपरी असम जिलों के 20 युवाओं के एक समूह ने शिवसागर के ऐतिहासिक अहोम-युग के एम्फीथिएटर रंग घर में किया था। समूह ने कईं मौकों पर बातचीत की इच्छा जताईं थी लेकिन संप्रभुता पर अपने रुख पर अड़े रहा। लेकिन 2011 में संगठन में दूसरी बार विभाजन हुआ और अरबिंद राजखोया समेत वुछ शीर्ष नेताओं ने अपना नया गुट बना लिया। राजखोया और उनके समर्थक पड़ोसी देशों से असम लौटे और संप्रभुता की मांग छोड़कर बिना किसी शर्त के वार्ता की मेज पर लौटे। इससे पहले, 1992 में गुट का विभाजन हुआ था और बातचीत का समर्थन करने वाले नेता अलग हो गए थे। पूर्वोत्तर के आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा सरकार ने वेंद्र में सत्तारूढ़ होते ही खासी तवज्जों देनी शुरू की। आदिवासी क्षेत्रों में जातीय संगठनों के असंतोष से दशकों से वेंद्र में सत्तारूढ़ सरकार तनाव का सामना करती रही है लेकिन भाजपा ने पहल करके वोडो आदिवासी कार्बी आदिवासी और दीमासा उग्रवादी गुटों के साथ समझौते करके पूवरेत्तर में उग्रवाद की तपिश को कम करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पिछले चार साल में पूर्वोत्तर में वुल 9 समझौते किए गए। राज्य के 85 प्रतिशत इलाकों में अफस्पा (आर्म फार्सेस पावर एक्ट) हटा लेने के बाद से असम में माहौल शांत होता चला गया और अब शांति समझौते के आलोक में असम से पूरी तरह से अफस्पा हटा लिया जाएगा। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने असम के लिए एक बड़े पैकेज का भी ऐलान किया है। उल्फा का आंदोलन खासा उग्र रहा और उल्फा से संघर्ष में दस हजार से ज्यादा लोगों की जान गईं और सुरक्षा बलों के अनेक जवानों की शहादत हुईं। इस समझौते से इस क्षेत्र में स्थाईं शांति की राह प्रशस्त हुईं है। केन्द्र, असम सरकार और गृहमंत्री को बधाईं।

त्रिवेणी कैनाल का टूटा तटबंध सैकड़ों एकड़ में लगी रबी फसल डूब कर बर्बाद

किसानों में आक्रोश, किया मुआवजे की मांग

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र के अहिरौलिया पंचायत में त्रिवेणी कैनाल नहर का बाँध टुटने से किसानो का सैकड़ो एकड़ में लगी रबी फसल डुबकर बर्बाद हो गया। मिली जानकारी के अनुसार गंडक विभाग के लापरवाह अधिकारियो ने त्रिवेणी कैनाल का गिरे हुए दरवाजा को उठाये बिना ही शनिवार की देर रात नहर में अचानक पानी छोड़ दिया। जिस कारण पूर्व से क्षतिग्रस्त तटबंध पानी के दबाव के कारण टुट गया। बताया गया है, कि पानी के तेज दबाब के कारण सिहोरवा गांव की तरफ नहर के पूर्वी किनारे में बड़ा कटाव हो गया। जिससे कुछ ही क्षणो में इस क्षेत्र का पूरा खेत जलमग्न हो गया। स्थानीय किसानो ने बताया है, कि गंडक विभाग की लापरवाही से करीब डेढ सौ एकड़ से ज्यादा भूमि पर लगे गेहूं, दलहन व तिलहन का फसल इस बेमौसम बाढ में डूब गए हैं। किसानों ने बताया कि तटबंध टूटने की जानकारी मिलते ही तीन बजे सुबह से ही इसे बांधने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन पानी की धार इतनी तेज थी कि सभी प्रयास विफल हो गए। किसानो ने गंडक विभाग के अधिकारियो पर आरोप लगाते कहा कि उन्हे सुबह से ही फोन किया जा रहा है, लेकिन सभी अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे है। वही इस बाबत हिंदुस्थान समाचार ने गंडक विभाग के अधिकारियो से बात करने की कई बार प्रयास किया, लेकिन उनसे बात नही हो पायी। वही डीएम के निर्देश पर मौके पर पहुंचे रामगढवा सीओ से आक्रोशित किसान बर्बाद फसलो की मुआवजा देने की मांग कर रहे है।

इंडी गठबंधन में चल रहा सीट बंटवारे का मोल-जोल : गिरिराज

बेगूसराय (हिंस)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि अभी तक विपक्ष और कांग्रेस राम को काल्पनिक कहते रहे लेकिन अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अपने समर्थकों के साथ 15 जनवरी को रामलला का दर्शन करने के लिए जाने की बात कह रहे हैं। बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने रविवार को कहा कि आखिर कांग्रेस वहां जाने की बात कैसे सूझ गई। यदि सद्‌बुद्धि आती है तो मैं प्रार्थना करता हूं कि सभी को सद्‌बुद्धि आए लेकिन यह लोग तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले लोग हैं, यह तुष्टीकरण ही करेंगे। वे राम में शरण में जाएं और कृष्ण की भी शरण में जाने की हिम्मत दिखाएं। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव द्वारा राहुल गांधी की न्याय यात्रा से पहले लोकसभा चुनाव के सीट बंटवारा करने के सवाल पर गिरिराज सिंह ने कहा कि इंडी घमंडिया गठबंधन है। कोई संयोजक बनने के लिए खड़गे का नाम कहता है तो नीतीश कुमार मुंह फुलाकर घर बैठ जाते हैं। इसके बाद कांग्रेस नीतीश कुमार के सामने घुटने टेक देती है। इन लोगों में सीट बंटवारा को लेकर मोल-जोल हो रहा है। किसी को डर है जेल जाने का तो किसी को डर है हारने का। इसलिए गठबंधन होगा भी नहीं। अखिलेश यादव कर रहे हैं कि सीट का बंटवारा पहले हो जाए और राहुल गांधी को अपनी यात्रा से मतलब है। राहुल गांधी जानते हैं कि गठबंधन होना ही नहीं है। क्योंकि, यह ठगबंधन है। जिसका स्वार्थ सिद्ध नहीं होगा वह गठबंधन से अलग हो जाएगा। इस गठबंधन का वही हाल होगा कि इस दिल के टुकड़े हजार हुए कोई यहां गिरा कोई वहां गिरा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हो रहे हमले पर गिरिराज सिंह ने कहा कि वहां लोकतंत्र और संघीय ढांचा समाप्त हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोकतांत्रिक नहीं होकर डिक्टेटर की भूमिका में हैं। वह अपने को भारत से कटा और किम जॉन समझती है। देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए ममता की सरकार को खत्म करना होगा। वह इस्लामिक स्टेट बनाने का प्रयास कर रही है।

अपने गिरेबान में झांकें अखिलेश यादव : मायावती

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा पर अनर्गल तंज कसने से पहले उन्हें अपने गिरेबान में भी झांक लेना चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि अखिलेश यादव और उनकी सरकार में खासकर दलित-विरोधी आदतें और नीतियों एवं कार्यशैली रही हैं। बसपा पर तंज कसने से पहले उन्हें अपने गिरेबान में भी झांक कर जरूर देख लेना चाहिए कि उनका दामन भाजपा को बढ़ाने व उससे मेलजोल के मामले में कितना दागदार है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि तत्कालीन सपा प्रमुख मुलायम सिंह द्वारा भाजपा को संसदीय चुनाव में विजय का आशीर्वाद दिए जाने को कौन भुला सकता है। फिर भाजपा सरकार बनने पर उनके नेतृत्व से सपा नेतृत्व का मिलना-जुलना जनता कैसे भुला सकती है। मायावती ने कहा कि सपा यदि सांप्रदायिक ताकतों से लड़े तो उचित होगा।

देश के बुनियादी मुद्दों को लेकर निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा : राजेश ठाकुर

रांची (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक इन तीनों विषयों देश के बुनियादी मुद्दों पर हम ये यात्रा निकाल रहे हैं। पहले जो हमारी भारत जोड़ो यात्रा थी, कन्याकुमारी से कश्मीर तक हुआ और अब मणिपुर से लेकर मुम्बई तक होने जा रहा है। ठाकुर रविवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में में बोल रहे थे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा 6, 700 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जो 100 लोकसभा सीटों और 337 विधानसभा की सीटों से होकर 20 मार्च तक यात्रा विभिन्न राज्यों से होकर गुजरेगी। झारखंड में यह यात्रा 804 किमी की दूरी आठ दिनों में तय करेगी। यह यात्रा झारखंड में दो चरणों में होगी। इस यात्रा के दो से पांच फरवरी तक झारखंड में पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि आज हम भारत जोड़ो न्याय यात्रा हक मिलने तक का स्टीकर जारी कर रहे हैं, जो विभिन्न जिलों में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के माध्यम से दो पहिया, चार पहिया वाहनों में लगाई जायेगी ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हो सके। जन जागरण करने के लिए ही हम भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि हमारे सांसदों ने पार्लियामेंट में इन मुद्दों को उठाने की कोशिश की लेकिन वहां पर सरकार ने हमें मौका नहीं दिया और 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इस देश के इतिहास में ये पहली बार है कि इतने लोगों को निलम्बित किया गया और इतने लोगों की बात नहीं सुनी गई। इसीलिए अब हम लोगों को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से ये बताने जा रहे हैं और जो एनजीओ हैं, पत्रकार हैं, किसान हैं, छोटे व्यापारी हैं, दलित हैं और पिछ? हुए वर्ग के लोग हैं और बुद्धिजीवी हैं और जो आदिवासी समाज के लोग हैं, उन्हें भी हम बताएंगे और लोगों की तकलीफ भी हम सुनेंगे। क्योंकि, सिर्फ ये हमारी बात कहने के लिए नहीं, दूसरों की बात सुनने के लिए भी ये यात्रा है। हम चाहते हैं कि लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए संविधान को जिंदा रखने के लिए ये जरूरी है कि यात्रा के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनता के मूल सवालों जैसे महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मजदूरों की बुरी हालत, अमीर-गरीब की बढ़ती खाई और जातिगत जनगणना आदि पर जन-जागरण करेंगे। यात्रा के दौरान राहुल गांधी समाज के विभिन्न वर्गों से, विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से, संगठनों से बात करेंगे, उनकी बात समझेंगे और उसके समाधान का प्रयास करेंगे।

बिहार के भागलपुर में सड़क हादसा, तीन युवकों की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के भागलपुर में सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई। यह घटना भागलपुर जिले में नवगछिया के बाबा बिसुराउत सेतु संपर्क पथ के फोर लाइन श्रीपुर पेट्रोल पंप के पास की है। मृतकों की पहचान सहरसा जिला रघुनाथपुर थाना के महुआ बाजार रघुनाथपुर निवासी जर्नादन मंडल के पुत्र प्रिंस कुमार (24), कदवा ओपी के प्रतापनगर निवासी मशारूल कुमार राय के पुत्र सुकेश कुमार (20), इस्माइलपुर थाना के मंधत टोला निवासी रामजी मंडल के पुत्र राहुल कुमार उर्फ सूरज कुमार (18) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक गोपालपुर थाना क्षेत्र के हरनाथचक में अंशु कुमार के बर्थ डे पार्टी में तीनों युवक शामिल होने शनिवार की शाम आए थे। यहां बर्थ डे पार्टी में शामिल होने के पश्चात तीनों रविवार की सुबह एक ही बाइक पर कदवा जा रहो थे। इस बीच अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। नवगछिया पुलिस सुबह रोड गश्ती कर रही थी। इसी दौरान सड़क पर क्षतिग्रस्त बाइक पर नजर पड़ी।

गुणवत्ता से समझौता बगैर काम में लाएं तेजी : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने किया गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के निर्माण-कार्यों का निरीक्षण

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने नाला पर कहीं भी शेष रह गए चिन्हित अतिक्रमण को हटाने तथा निर्माण कार्य को तीव्र गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट की ड्राइंग व वीडियो प्रेजेंटेशन का अवलोकन किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों से प्रोजेक्ट के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन एसटीपी का भी निरीक्षण कर अब तक हुई प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और काम में भी तेजी लाई जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ सांसद रविकिशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह आदि भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री योगी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि रामगढ़ताल पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बन चुका है। यहां पर जल के प्राकृतिक स्रोत को पुनर्जीवित करने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण नाला इसके साथ जुड़ता है वह गोड़धोइया नाला है। गोड़धोइया नाला मृतप्राय पड़ा था। इसके जीर्णोद्धार के लिए बनी परियोजना में रामगढ़ताल तक नाला के डायवर्जन, इंटरसेप्शन और ट्रीटमेंट के कार्य होंगे। रामगढ़ताल में प्रदूषित जल जाने से रोकने का प्रयास होगा। इस दृष्टि से 10 किलोमीटर के इस नाला के पुनरुद्धार और गोरखपुर के उत्तरी क्षेत्र की जल निकासी की समस्या का समाधान करने का भी कार्य शुरू है। नाले के पुनरुद्धार में अलग अलग सीवर लाइन और ड्रेनेज लाइन पड़ेगी। सीधे सीवर या ड्रेनेज का पानी रामगढ़ताल में न गिरे, इसके लिए ट्रीटमेंट का भी कार्य होगा। रामगढ़ताल में जाने वाला पानी शोधित होकर जाएगा। योगी ने कहा कि नाला के पुनरोद्धार से गोरखपुर के उत्तरी क्षेत्र में निवास करने वाली लगभग साढ़े तीन लाख से अधिक की आबादी को सीधे लाभ होगा। 17 से 18 वार्डों को जल निकासी का बेहतर माध्यम मिलेगा। पुनरुद्धार कार्य पूरा होने के बाद आवागमन का भी एक बेहतरीन माध्यम आमजन को प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि गोड़धोइया नाला पर काफी बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हो गया था। उसे चिन्हित कर हटाया गया है और कुछ को अभी हटाया जा रहा है। गोड़धोइया नाला के पुनरोद्धार से रामगढ़ताल के सुंदरीकरण की मंशा भी पूरी होगी।

पंजाब में सर्दी को देखते हुआ छुट्टियों का एलान

लुधियाना। पंजाब के स्कूलों में छुट्टियों को लेकर अहम खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि पंजाब सरकार ने 8 से 14 जनवरी तक राज्य के सभी निजी व सरकारी स्कूलों में छुट्टियों की घोषणा कर दी है। दरअसल राज्य में पड़ रही कड़ाके की ठंड के मद्देनजर सरकार ने उक्त फैसला लिया है। इस संबंध में जानकारी पंजाब सीएम भगंवत मान ने एक टवीट के जरिए दी है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से राज्य में बहुत तेजी से ठंड व कोहरा पड़ रहा है, जिसके चलते स्कूलों में छुट्टियों का ऐलान किया गया है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से राज्य में ठंड व कोहरे का प्रकोप काफी तेज हो गया था, जिसके चलते बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य में बढ़ रही ठंड के चलते ही पंजाब सरकार ने सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा का ऐलान किया है, ताकि बच्चों को ठंड से कुछ राहत मिल सके। हालांकि इससे पहले गत दिवस शिक्षा मंत्री का बयान आया था कि स्कूलों में छुट्टियों नहीं की जा सकती, क्योंकि बाढ़ के दिनों में पहले ही स्कूलों में काफी छुट्टियां की जा चुकी थीं, लेकिन आज पंजाब सरकार ने छुट्टियों की घोषणा कर सच में बच्चों व अभिभावकों को एक बड़ी राहत दी है।

सरकार के खिलाफ आंदोलन के लिए तैयार रहें किसान : गुरनाम सिंह चढ़ूनी

शहीद किसानों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर किसानों ने श्रद्धांजलि दी

कैथल (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) ने निसिंग गोलीकांड में मारे गए किसान मामचंद व लखपत का गांव चुहड़ माजरा में रविवार को शहीदी दिवस मनाया। किसानों ने मामचंद व लखपत को याद करते हुए नारे लगाकर सरकार के खिलाफ रोष प्रकट किया। भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरनाम सिंह चढ़ूनी इस कार्यक्रम में खास मेहमान के तौर पर पहुंचे। उन्होंने युवा प्रदेशाध्यक्ष विक्रम कसाना एडवोकेट, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह मथाना, जिलाध्यक्ष महावीर चहल, चमेल सिंह पबनावा ने साथ किसानों के साथ शहीद किसान मामचदं व लखपत की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया और किसानों ने शहीद किसानों के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि शहीद किसान मामचदं व लखपत की कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता है। आने वाली पीढ़ियों को उनके संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए कि किसान हित में किसानों ने अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि अब किसानों को अपने हकों व अधिकारों के लिए लगातार सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरकर आंदोलन के लिए तैयार रहना होगा। सरकार किसानों को कमजोर समझने की भूल कर रही थी, जबकि इतिहास गवाह जिस भी सरकार ने किसानों से टकराव किया है। वह दोबारा सत्ता में नहीं आई है और यही हाल भाजपा सरकार का होगा। युवा भाकियू प्रदेशाध्यक्ष विक्रम कसाना ने कहा कि सरकार, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी और बैंक सब आपस में मिले हुए हैं। किसानो को 5 महीने बाद खरीफ 2023 का बीमा प्रीमियम वापस कर रही है जो कानूनन गलत है अगर कोई किसान प्रीमियम दे चुका है तो उसे खराब हुई फसल का मुआवजा मिलना ही चाहिए। जो उसका हक है। इतना ही नहीं सरकार ज्यादातर जिलों में रबी 2022-23 ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का बीमा क्लेम तक जारी नहीं कर पाई है। किसान खरीद 2020 का बकाया मुआवजा की मांग आज भी कर रहा है। इस मौके ब्लाक प्रधान पिरथी कौल, चमेल सिंह पबनावा, प्रधान कुडा राम पबनावा, युवा प्रधान विक्रम दुसैण, चमकौर सिंह चीका, सोमा पबनावा, रणधीर बरसाना, कृष्ण कौल, गुरमुख फरल, भीम खनौदा, संजय म्यौली, सुभाष बरसाना, कृष्ण मालखेडी, नरेंद्र चदलाना, धर्मा कौल, केवल सिंह सिद्ध, जैली चीका, सुरजीत पबनावा, जसमेर ढाडा, सजू गुदियाना, कृष्ण कलाल माजरा मौजूद रहे।

घाटी में चल रही भीषण शीत लहर के कारण डल झील समेत अन्य जल निकायों की सतह पर बर्फ जमी

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर घाटी में चल रही भीषण शीत लहर के कारण डल झील और कश्मीर के अन्य जल निकायों की सतह पर बर्फ की एक परत बन गई है। कश्मीर घाटी इस समय 40 दिनों की कठोर सर्दियों की अवधि चिल्ला-ए-कलां की चपेट में है। इस अवधि के दौरान क्षेत्र में शीत लहर चलती है और तापमान काफी गिर जाता है जिससे जल निकायों के साथ-साथ पाइपों में भी पानी जम जाता है। इस अवधि के दौरान बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक होती है और अधिकांश क्षेत्रों विशेषकर ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी होती है। वहीं श्रीनगर शहर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो पिछली रात शून्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में शनिवार रात तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस था जो पिछली रात से एक डिग्री कम था। अनंतनाग जिले के पहलगाम जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविरों में से एक है में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो पिछली रात के शून्य से 6.3 डिग्री सेल्सियस नीचे था। कोकेरनाग शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 5.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। डल झील में हाउसबोट में रहने वाले लोगों को इसके किनारों तक पहुंचने के लिए जल निकाय के ऊपर बर्फ की परत को तोड़ने में कठिन समय लगता था। कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में पाइपों में पानी भी जम गया।

बलात्कार मामले में कांग्रेस के पूर्व विधायक की प्राथमिक सदस्यता निलंबित

बाड़मेर (हिंस)। बाड़मेर के पूर्व विधायक मेवाराम जैन की कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता निलंबित कर दी गई है। तीन बार के विधायक और नगरपालिका के अध्यक्ष रहे मेवाराम जैन के अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद शनिवार देर रात यह निर्णय किया गया। मेवाराम जैन पर जोधपुर के राजीव गांधी नगर थाने में बलात्कार का मामला भी दर्ज है। कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने शनिवार देर रात मेवाराम जैन के निष्कासन की कार्यवाही की है। आदेश में उल्लेख किया है कि अनैतिक कृत्य में संलग्ता को देखते हुए तुरंत प्रभाव से प्राथमिकता सदस्यता निलंबित की गई है। गौरतलब है कि अश्लील वीडियो शुक्रवार को वायरल हुआ था, जिसमें भाजपा ने आरोप लगाया था कि यह वीडियो बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन का है। शनिवार रात एक और वीडियो करीब 33 मिनट का वायरल हुआ। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिक्रियाएं आने लगी और इसकी निंदा हुई। कांग्रेस की ओर से इसको लेकर कोई बयान नहीं दिया गया लेकिन शनिवार रात को कांग्रेस ने एक आदेश जारी कर मेवाराम जैन को कांग्रेस से प्राथमिक सदस्यता समाप्त कर पार्टी से निष्कासित कर दिया। इस पर सांसद और केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो और दर्ज मामले के बाद पूर्व विधायक का चरित्र सामने आया है। यह मामला पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के संज्ञान में था। इसे दबाने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग हुआ। चुनावों से पहले इसकी बात उठाई गई थी लेकिन कांग्रेस ने ध्यान नहीं दिया।

एक हजार डिजिटल लाइब्रेरी बन रही है सरकार : दुष्यंत चौटाला

सोनीपत (हिंस)। रविवार को उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की गांव बड़ौली में प्रतिमा का लोकार्पण कर नमन किया। वहीं पर रिक्त भूमि में डिजिटल लाईब्रेरी बनाने की भी घोषणा की, जिसके लिए उन्होंने शीघ्र ही पंचायत से प्रस्ताव देने की बात कही। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण समारोह के अवसर पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि संविधान निर्माता अंबेडकर को प्रेरणा के तौर पर अपनाते हुए विकास की ओर बढ़ रहे हैं। एक हजार से अधिक लाईब्रेरी निर्माणाधीन हैं। 600 से अधिक सुविधाएं गांव के कंप्यूटर तक पहुंचाई हैं। उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने ग्रामीणों की भवन की मांग पर प्रेरित किया कि कुछ ऐसी चीज बनवाओ कि लोग सदैव याद रखें। स्व. देवीलाल के 107वें जन्मदिवस पर 107 लाईब्रेरी बनाने का लक्ष्य रखा गया था। आज वे 135 लाईब्रेरी बनवा चुके हैं और प्रदेश सरकार द्वारा एक हजार से अधिक लाईब्रेरी बनवाई जा रही हैं। ग्राम पंचायतों को 1250 रुपए प्रति व्यक्ति की दर से ग्रांट देनी शुरू की गई जो आज 2000 रुपए प्रति व्यक्ति की दर से दी जा रही है। यमुनानगर से पलवल तक यमुना में कटाव रोकने के लिए तटबंध बनवाने के लिए 270 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। बड़ौली में नौ तटबंध स्वीकृत किए गए हैं। राई क्षेत्र के विधायक एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने उप-मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर का स्मरण किया। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। पंचायतों द्वारा जो भी विकास कार्य की मांग की जाती है उसे पूर्ण किया जाता है। सरकार जनसेवा में जुटी हुई है। गरीब आदमी तक सेवाओं का पूर्ण लाभ पहुंचाया है। इससे पहले कार्यक्रम के संयोजक युवा हलका अध्यक्ष सुनील बड़ौली ने अतिथियों का स्वागत किया। जजपा के जिलाध्यक्ष राज सिंह दहिया, भाजपा के जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, चेयरमैन पवन खरखौदा, चेयरमैन सुमित राणा, जिलाध्यक्ष रजनी मलिक, राजेंद्र कौशिक, माईराम कौशिक, डॉ. रामकिशन सरोहा, पदम रांगी, अजीत आंतिल, ओमप्रकाश रसोई, सुनील बड़ौली, जोनी लठवाल, संदीप ठरू, कर्मचंद रंगा, रामफल रंगा, मनोज रंगा, दीपक रंगा, रोहताश, भूपेंद्र रंगा, दिनेश चौहान आदि शामिल रहे।

जाटों की हुंकार सभा में आरक्षण के लिए रेलवे ट्रैक जाम करने की चेतावनी

भरतपुर (हिंस)। भरतपुर-धौलपुर के जाटों ने केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में रेलवे ट्रैक जाम करने और लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देने की चेतावनी दी गई है। आरक्षण की मांग को लेकर रविवार सुबह 10 बजे से डीग शहर से 17 किलोमीटर दूर जनूथर कस्बे के भूतेश्वर मंदिर मैदान में जाट समाज की हुंकार सभा हुई। भरतपुर-धौलपुर जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने केंद्र सरकार को दस दिन का समय दिया है। उन्होंने कहा कि भरतपुर-धौलपुर के जाटों को आरक्षण नहीं दिया तो 17 जनवरी को जयचोली (भरतपुर) गांव के पास दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर महाप ?ाव डाला जाएगा। अगर सरकार नहीं मानी तो दूसरा पड़ाव बेडम गांव (भरतपुर) और तीसरा रारह (भरतपुर) में होगा। दूसरे और तीसरे पड़ाव की तारीख अभी तय नहीं है। पहले रेल रोकेंगे। इसके बाद रोड जाम करेंगे। हुंकार सभा के लिए जाट आरक्षण संघर्ष समिति ने गांव-गांव जाकर पीले चावल बांटे थे। सभा दोपहर साढ़े तीन बजे समाप्त हुई। आरक्षण संघर्ष समिति के संरक्षक और पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह दोपहर 1.20 बजे हुंकार सभा में पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन के लिए लड़ेंगे। महाराजा सूरजमल और महाराजा जवाहर सिंह ने दिल्ली-आगरा को फतेह किया था। उन्होंने सभी जातियों को जागृत किया था। जाट सभी को साथ लेकर चलते हैं। जाट आरक्षण का भी सभी समर्थन कर रहे हैं। बयाना विधायक ऋतु बनावत ने समर्थन दिया। क्या भाजपा को आरक्षण नहीं चाहिए। इलाके से दो जाट भाजपा विधायक हैं। नदबई से विधायक जगत सिंह ने कहा कि हॉस्पिटल में हूं, माफी चाहता हूं। उनकी माफी मान ली। लेकिन डीग-कुम्हेर विधायक शैलेश सिंह कहां हैं ?

भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में नेकेड शॉर्ट सेलिंग पर लगी रोक, सेबी के इस फैसले का सोमवार के कारोबारी दिन दिखेगा असर

नई दिल्ली।
शुक्रवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद सेबी ने एक सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में नेकेड शॉर्ट सेलिंग रोक लगाने जैसी बातें सामने आ रही हैं। इसी के साथ सेबी के इस फैसले का असर कल यानी सोमवार के कारोबारी दिन देखने को मिल सकता है।

संस्थागत निवेशकों के डे-ट्रेडिंग पर भी पाबंदी

नए सर्कुलर के साथ सेबी ने संस्थागत निवेशकों के डे-ट्रेडिंग पर भी रोक लगा दी है। इस सर्कुलर के मुताबिक अभी सभी निवेशकों को सेटलमेंट के समय ही सिक्योरिटीज की डिलीवरी करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही इस सर्कुलर में सेटलमेंट के समय ही सिक्योरिटीज की डिलीवरी न करने वाले ब्रोकरों के खिलाफ कार्रवाही करने के लिए एक जैसे प्रावधानों को बनाने की बात कही गई है। सेबी के इस सर्कुलर में ब्रोकर्स और एक्सचेंजों की जिम्मेदारी के बारे कई बातें कही गई हैं।

दरअसल, शॉर्ट सेलिंग का मतलब ऐसे स्टॉक्स को बेचने से होता है जो ट्रेड के समय बेजने वाले के पास मौजूद ही नहीं होते हैं।

सेबी की रहेगी इन स्टॉक्स पर नजर

शॉर्ट सेलिंग के लिए सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बोरोइंग स्कीम को लाए जाने जैसी बातें भी सामने आ रही हैं। हालांकि, फ्यूचर और ऑप्शन में ट्रेड होने वाली सिक्योरिटी में शॉर्ट लेंडिंग की इजाजत रहेगी। इस पर सेबी भी अपनी नजर बनाए रखेगा। सेबी समय-समय पर स्टॉक्स की लिस्ट की समीक्षा करता रहेगा।

ऑर्डर प्लेस करने के साथ ही देनी होगी जानकारी नए सर्कुलर के मुताबिक संस्थागत निवेशकों को ऑर्डर प्लेस करने के साथ ही बताना होगा कि स्टॉक शॉर्ट सेलिंग है या नहीं। इतना ही नहीं, निवेशकों को यह जानकारी ट्रांजेक्शन वाले दिन कारोबारी दिन खत्म होने से पहले भी देनी होगी।

ब्रॉकर्स को शॉर्ट सेलिंग पोजिशन की जानकारी इक्ट्ठा करनी होगी। इस जानकारी के साथ ही अगले दिन का कारोबारी समय शुरू होने से पहले स्टॉक एक्सचेंजों के पास यह जानकारी जमा करनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

सरकार से वित्तीय सहायता के लिए आग्रह कर रहा टेक्सटाइल मिल एसोसिएशन

मुंबई। कपड़ा मिल संघों ने गुणवत्ता नियंत्रण मुद्दों के साथ-साथ एक्सपोर्ट में मंदी के कारण चल रहे संकट से निपटने में मदद के लिए सरकार से वित्तीय राहत की मांग की है। शुक्रवार को एक अपील में कपड़ा मिल संघों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कहा कि निर्यात में मंदी के कारण उद्योग तीव्र वित्तीय तनाव से गुजर रहा है । लंबे समय तक यूक्रेन जैसे बाहरी कारकों के बाद विशेष रूप से कपास आधारित खंड में सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है । वैश्विक संघर्षों के लंबे समय तक आर्थिक प्रभाव, कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क और मानव निर्मित फाइबर गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से संबंधित मुद्दों जैसी चुनौतियों के कारण क्षमता उपयोग में 50 प्रतिशत से लेकर महत्वपूर्ण गिरावट आई है। बयान में कहा गया है कि लगभग एक साल तक यह 70 फीसदी तक पहुंच गया। इसमें कहा गया है कि इस स्थिति ने कई कताई मिलों, विशेष रूप से एसएमई को गंभीर वित्तीय तनाव में धकेल दिया है, जिससे वे ऋण चुकाने और स्थायी शुल्क पूरा करने में असमर्थ हो गए हैं। इन चुनौतियों में कपड़ा मिल एसोसिएशन ने वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि वे बैंकिंग क्षेत्र को एक विशेष मामले के रूप में उद्योग के लिए वित्तीय सहायता उपायों का विस्तार करने की सलाह दें, और मूल राशि के पुनर्भुगतान के लिए एक साल की मोहलत दी जाएं और तीन साल कर दिया जाएं। वार्षिक लोन को छह-वर्षीय अवधि के लोन में बदलना और कार्यशील पूंजी पर तनाव को कम करने के लिए मामले-दर-मामले आधार पर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने की मांग की।

अब डाकघरों में भी बदले जा सकेंगे 2000 के नोट, आरबीआई का बड़ा अपडेट

मुंबई । अब डाकघरों में भी 2000 रुपये के नोट बदले जा सकेंगे। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नोटिफिकेशन जारी किया है। आरबीआई ने कहा है कि चलन से वापस लिए जा चुके 2,000 रुपये के नोट डाकघरों की मदद से भी बदले जा सकते हैं। रिजर्व बैंक ने अपनी वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के एक समूह में कहा कि लोग अपने बैंक खाते में राशि प्राप्त करने के लिए किसी भी डाकघर से उसके 19 कार्यालयों में से किसी को भी 2,000 रुपये के नोट भेज सकते हैं। इसके लिए लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध एक आवेदन पत्र भरना होगा और नोटों को भारतीय डाक की किसी भी सुविधा से आरबीआई के कार्यालय को भेजना होगा। नोट बदलने वाले फॉर्म आरबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। दरअसल 2,000 रुपए के नोट बदलने के लिए आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालयों में अब भी लोगों की कतारें लग रही हैं। आरबीआई के एफएक्यू के मुताबिक एक व्यक्ति डाकघर से मिलने वाली सुविधा के साथ रिजर्व बैंक के 19 कार्यालयों में एक बार में 20,000 रुपए की सीमा तक नोट बदल सकता है या जमा कर सकता है।

केरल के पूर्व वित्त मंत्री थॉमस आईजैक को प्रवर्तन निदेशालय का नोटिस, केआईआईएफबी में वित्तीय गड़बड़ी का मामला

नई दिल्ली । केरल के पूर्व वित्त मंत्री थॉमस आइजैक को प्रवर्तन निदेशालय ने केआईआईएफबी के वित्तीय लेनदेन में उल्लंघनों की जांच से जुड़े फेमा मामले में तलब किया है। ईडी ने उन्हें 12 जनवरी को पेश होने के निर्देश दिए हैं। एक आधिकारिक सूत्रों ने मामले की जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय ने दिसंबर में केरल उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि उसने थॉमस आइजैक को जारी समन वापस ले लिया है। थॉमस आइजैक और केआईआईएफबी के एक अधिकारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान ये दलीलें दी गईं, जिसमें आरोप लगाया गया कि ईडी द्वारा समन के जरिए केवल व्यक्तिगत जानकारी मांगी गई थी, जिसे रद्द करने की मांग की गई थी। एजेंसी द्वारा समन वापस लेने के मद्देनजर हाईकोर्ट ने याचिकाओं का निपटारा कर दिया, लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि ईडी मामले में अपनी जांच जारी रखने के लिए स्वतंत्र है।

जेट एयरवेज के फाउंडर कोर्ट में रोए

नरेश गोयल ने कहा- पत्नी को कैंसर, मैं भी बीमार ; बेहतर होगा जेल में ही मर जाऊं

मुंबई।
केनरा बैंक के साथ धोखाधड़ी के आरोपी जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल मुंबई के स्पेशल कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि मैं जिंदगी की आस खो चुका हूं। मेरा स्वास्थ्य बहुत बिगड़ गया है। बेहतर होगा कि जेल में मर जाऊं। ये कहने के साथ ही नरेश गोयल ने हाथ जोड़ लिए। गोयल ने आगे कहा कि मुझे अपनी पत्नी अनीता की कमी बहुत खलती है। वह कैंसर की लास्ट स्टेज में हैं। इसके बाद जज ने कहा कि आपको बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा। नरेश ने स्पेशल जज एमजी देशपांडे के सामने अपनी जमानत अर्जी दायर की थी। उन्हें अदालत में पेश किया गया और कार्यवाही के दौरान उन्होंने व्यक्तिगत सुनवाई का अनुरोध किया, जिसे जज ने स्वीकार कर लिया। गोयल पर केनरा बैंक के साथ 538 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में पिछले साल एक सितंबर को नरेश गोयल को गिरफ्तार किया था। वह अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं।

सुनवाई के दौरान जज की अहम बातें

मैंने उनकी बात ध्यान से सुनी और जब वह अपनी बात रख रहे थे तो मैंने उन्हें ध्यान से देखा। मैंने पाया कि उनका शरीर कांप रहा था। उन्हें खड़े होने के लिए सहारे की जरूरत है। नरेश गोयल ने जो कुछ कहा, मैंने उनकी हर बात पर गौर किया। मैंने आरोपी को आश्वस्त किया कि उन्हें बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा। उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का हरसंभव ख्याल रखा जाएगा और इलाज कराया जाएगा।

तीन पॉइंट में पूरा मामला समझें:

जेट एयरवेज को 848.86 करोड़ रुपए की क्रेडिट लिमिट और लोन दिया गया था, जिसमें से 538.62 करोड़ रुपए बकाया हैं। ये अकाउंट 29 जुलाई 2021 में फ्रॉड घोषित किया गया था। सीबीआई ने 5 मई को गोयल के मुंबई स्थित ऑफिस सहित 7 ठिकानों की तलाशी ली थी। नरेश गोयल, पत्नी अनीता और जेट एयरवेज के निदेशक रहे गौरांग शेट्टी के घर पर भी छापे पड़े थे। सीबीआई की एफआईआर के आधार पर

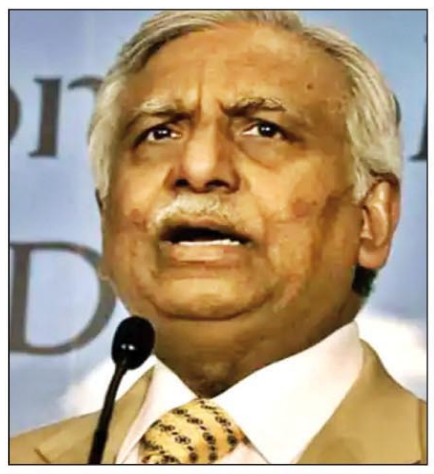

ईडी ने 19 जुलाई को मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। तब ईडी ने भी गोयल और उनके साथियों के ठिकानों पर छापेमारी कर तलाशी ली थी।

बैंक का आरोप- पैसों की हेराफेरी की गई

केनरा बैंक ने आरोप लगाया था कि जेट एयरवेज की फोरेंसिक ऑडिट में पाया गया कि जेट ने अपने से जुड़ी कंपनियों यानी रिलेटेड कंपनियों को 1,410.41 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। ऐसा कंपनी के अकाउंट से पैसा निकालने के लिए किया गया। गोयल परिवार के पर्सनल खर्च- जैसे स्टाफ की सैलरी, फोन बिल और व्हीकल एक्सपेंस, सब जेट एयरवेज से ही होते थे। गोयल ने 1993 में जेट एयरवेज की स्थापना की थी। 2019 में एयरलाइन चेयरमैन पद छोड़ दिया था।

अप्रैल 2019 से बंद है जेट एयरवेज

जेट एयरवेज एक समय भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइंस में से एक थी और एयरलाइन को साउथ एशियाई देशों की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइन का दर्जा हासिल था। फिर कर्ज में दबे होने के कारण जेट एयरवेज 17 अप्रैल 2019 में ग्राउंडेड (संचालन बंद) हो गई थी। जून 2021 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के बैंकरप्सी रेजोल्यूशन प्रोसेस के तहत जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने जेट एयरवेज की बोली जीत ली। इसके बाद से जेट के रिवाइवल की प्रोसेस चल रही है, लेकिन अब तक एयरलाइन शुरू नहीं हो पाई है। ये कंसोर्टियम मुरारी लाल जालान और कालरॉक कैपिटल की जॉइंट कंपनी है। जालान दुबई बेस्ड बिजनेसमैन हैं। वहीं, कालरॉक कैपिटल मैनेजमेंट लिमिटेड फाइनेंशियल एडवाइजरी और ऑल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने वाली लंदन बेस्ड ग्लोबल फर्म है।

नरेश गोयल ने की थी जेट एयरवेज की शुरुआत

1990 के दशक की शुरुआत में टिकटिंग एजेंट से एंटरप्रेन्योर बने नरेश गोयल ने जेट एयरवेज इंडिया लिमिटेड की शुरुआत कर लोगों को एअर इंडिया का ऑल्टरनेटिव दिया था। एक वक्त जेट के पास कुल 120 प्लेन थे और वो लीडिंग एयरलाइन में से एक हुआ करती थी। द जॉय ऑफ फ्लाइंग टैग लाइन वाली कंपनी जब पीक पर थी तो रोज 650 फ्लाइट्स का ऑपरेशन करती थी। जब कंपनी बंद हुई तो उसके पास केवल 16 प्लेन रह गए थे। मार्च 2019 तक कंपनी का घाटा 5,535.75 करोड़ रुपए का हो चुका था।

मामा की ट्रैवल एजेंसी से शुरू किया था करियर

अप्रैल 2019 में 25 साल तक चलने के बाद जेट एयरवेज भारी कर्ज में डूबी, इसके बाद कंपनी बंद हो गई थी। नरेश गोयल इस कंपनी के संस्थापक थे। बचपन में ही नरेश गोयल के पिता का निधन हो गया। 11 साल की उम्र में परिवार पर आए आर्थिक संकट के कारण उन्हें घर नीलाम करना पड़ा। फिर वो अपनी मां के चाचा के साथ रहने लगे। नरेश ने 1967 में अपने मामा की ट्रैवल एजेंसी में कैशियर के रूप में करियर शुरू किया। उनकी पहली सैलरी 300 रुपए थी। ग्रेजुएशन के बाद वह लेबनानी इंटरनेशनल एयरलाइंस के लिए जीएसए के साथ ट्रैवल बिजनेस में शामिल हो गए और ट्रैवल एजेंसी चलाने लगे।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

कच्चे तेल के दाम और रुपए-डॉलर का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे

नई दिल्ली ।
इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के तिमाही परिणामों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम, रुपये-डॉलर का उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर सभी की नजरें कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणामों पर रहेगी। बाजार भागीदार डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के निवेश का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के तिमाही नतीजों की घोषणा होगी। वहीं एचसीएल टेक्नोलॉजीज और विप्रो के नतीजे शुक्रवार को आएंगे। तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन जनवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू होगा। यह शेयर बाजार को दिशा देने का एक बड़ा कारक होगा। वृहद आर्थिक मोर्चे पर दिसंबर के मुद्रास्फीति के आंकड़े और नवंबर के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद आएंगे। बाजार के जानकारों के मुताबिक बाजार घरेलू वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल, कच्चे तेल के भंडार, डॉलर सूचकांक के उतार-चढ़ाव और एफआईआई तथा डीआईआई की निवेश गतिविधियों पर प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी के मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दावे के आंकड़े, चीन का महंगाई का आंकड़ा और ब्रिटेन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का आंकड़ा भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। उनका कहना है कि बाजार आगामी सप्ताह तिमाही नतीजों के सीजन से संकेत लेगा, जिसकी शुरुआत 11 जनवरी को टीसीएस और इन्फोसिस के साथ होगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान एचसीएल टेक, विप्रो और एचडीएफसी लाइफ जैसी कुछ अन्य कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आएंगे।

25,000 नौकरियां देगी ओल इलेक्ट्रिक

सीईओ भाविश अग्रवाल ने कहा- 2,000 एकड़ की मेगा फैक्ट्री ईवी की ग्लोबल सेंटर बनेगी

नई दिल्ली।
तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में अंडर कंस्ट्रक्शन ओला इलेक्ट्रिक का नई ईवी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट फुल स्केल पर चलने के बाद करीब 25,000 लोगों को नौकरी देगी। इस बात की जानकारी कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ भाविश अग्रवाल ने तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में दी। भाविश ने कहा, 2000 एकड़ में फैली इस ईवी हब में मैन्यूफैक्चरिंग कैपेसिटी के अलावा वेंडर और सप्लायर नेटवर्क भी होगा। हम साथ मिलकर तमिलनाडु और भारत को ईवी का ग्लोबल इपिसेंटर बनाएंगे। उन्होंने कहा, हम तमिलनाडु में केवल आठ महीनों में भारत की सबसे बड़ी टू-व्हीलर मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी बनाने में कामयाब रहें हैं। यहां अगले महीने से प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। इसकी शुरुआत भी हम रिकॉर्ड टाइम में कर रहे हैं। यह केवल भारत और तमिलनाडु में ही पॉसिबल है। भाविश ने कहा कि यह भारत की पहली गीगाफैक्ट्री होगी। जब यह फुल स्केल पर चलने लगेगी तो उम्मीद है, हर साल यहां लगभग 1 करोड़ टू-व्हीलर मैन्यूफैक्चर किए जाएंगे। पिछले साल जनवरी में ओला इलेक्ट्रिक ने राज्य में 7,000 करोड़ इन्वेस्ट करने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ एमओयू साइन किया था। पिछले साल जून में ओला इलेक्ट्रिक ने तमिलनाडु में इस मेगा फैक्ट्री के कंस्ट्रक्शन का ऐलान किया था। इसमें ईवी बनाने के लिए ओला फ्यूचर फैक्ट्री और दूसरे सप्लायर्स के साथ मिलकर गीगाफैक्ट्री का निर्माण किया जा रहा है। तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट की ओपनिंग चेन्नई ट्रेड सेंटर में हुई है। इवेंट के इस सेशन में 9 पार्टनर देशों के साथ 30 से ज्यादा देश पार्टिसिपेट कर रहे हैं। जीआईएम दो दिनों की होगी। ओला इलेक्ट्रिक इस समय इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन कैटेगरी में मार्केट लीडर के तौर पर उभरी है, कंपनी की नवंबर तक मार्केट हिस्सेदारी लगभग 32 प्रतिशत थी। वाहन के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी ने लगभग 30,000 यूनिट्स वाहन की बिक्री की।

तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट का आगाज, पीयूष गोयल ने की शिरकत; क्या बोले मुकेश अंबानी

चेन्नई ।
तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि तमिलनाडु संस्कृति और सुंदर उत्पादों जैसे कांचीपुरम साड़ियों और राज्य के कई मार्गों की शोभा बढ़ाने वाले मंदिरों का राज्य हैं। मुझे खुशी हैं कि तमिलनाडु ने 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लिया हैं। सूर्य का अध्ययन करने के लिए लॉन्च किया गया उपग्रह आदित्य एल1 के परियोजना निदेशक तमिलनाडु की बेटी निगार शाजी है। भारत अंतरिक्ष कार्यक्रमों में तेजी से प्रगति कर रहा हैं।

राज्य में डिजिटल क्रांति का लाभ लोगों को मिला- मुकेश अंबानी

चेन्नई में तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट 2024 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा कि स्टालिन के नेतृत्व में तमिलनाडु देश में सबसे अधिक व्यापार अनुकूल राज्यों में से एक बन गया है। इसलिए मुझे विश्वास है कि यह जल्द ही एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। रिलायंस ने पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु के विकास में गर्व से भागीदारी की है। हमने राज्य भर में लगभग 1300 खुदरा स्टोर खोले हैं, हमने 25000 करोड़ रुपये निवेश किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि जियो ने तमिलनाडु में 35000 करोड़

रुपये से अधिक का निवेश किया है, जिससे डिजिटल क्रांति का लाभ राज्य के हर लोगों को मिला।

तमिलनाडु में नए निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध- मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि रिलायंस ने अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए कनाडा के ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट और यूएस आधारित डिजिटल रियलिटी के साथ साझेदारी की है, जिसे अगले सप्ताह खोला जाएगा। रिलायंस ने तमिलनाडु में नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन में नए निवेश करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

यूएस क्लाइंट ने इंफोसिस-फाउंडर को स्टोर रूम में सुलाया

कई बार बुरा व्यवहार किया, मूर्ति ने बायोग्राफी में बताए शुरुआती दिनों के किस्से

नई दिल्ली।
इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति अपने शुरुआती दिनों में एक क्लाइंट के काम के लिए अमेरिका गए थे। उस क्लाइंट ने उन्हें कार्टून्स यानी डिब्बों से घिरे और बिना खिड़की वाले स्टोररूम में एक बड़े बक्से पर सुला दिया था। वो भी तब, जब उसके घर में चार बैडरूम्स थे। इस क्लाइंट का नाम डॉन लिल्स था, जो न्यूयॉर्क बेस्ड कंपनी डेटा बेसिक्स कॉर्पोरेशन के हेड थे। उन्होंने कई बार मूर्ति के साथ खराब व्यवहार किया था। डॉन लिल्स अक्सर पेमेंट्स में भी देरी करते थे। इसके अलावा, मूर्ति को डॉन की कई लास्ट-मिनट डिमांड मैनेज करनी पड़ती थी। इंडियन-अमेरिकन ऑथर चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी ने नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति की लाइफ को कवर करते हुए एक बायोग्राफी लिखी है। इसी किताब में मूर्ति के ये किस्से बताए गए हैं। इस बुक

का टाइटल - एन अनकॉमन लव: द अर्ली लाइफ ऑफ सुधा एंड नारायण मूर्ति है। मेरी मां कहा करती थीं कि मेहमान भगवान के समान होता है: नारायण मूर्ति नारायण मूर्ति ने अपनी नई कंपनी के लिए डॉन के व्यवहार को सहन किया, लेकिन बॉक्स पर सोने वाली घटना ने मूर्ति को झकझोर दिया था। उन्होंने पत्नी सुधा से कहा था कि मेरी मां कहा करती थीं कि मेहमान भगवान के समान होता है और आप अपने मेहमानों के साथ जिस तरह से व्यवहार करते हैं, उससे पता चलता है कि आप वास्तव में किस तरह के इंसान हैं। मूर्ति ने सुधा को बताया था कि जब उनके पिता बिना बताए किसी मेहमान को इनवाइट करते थे, तो मां अक्सर मेहमान को अपना खाना परोसती थी और खुद बिना खाना खाए सो जाती थी। यहां डॉन मुझे बिना खिड़की वाले स्टोर रूम में एक बड़े बक्से पर रात गुजारने के लिए छोड़कर अपने शानदार बिस्तर पर नींद का आनंद ले रहे थे। इस किस्से से सुधा गुस्सा हो गई थीं। बुक में यह भी बताया गया है कि कैसे एक अच्छी इंजीनियर होने के बावजूद मूर्ति अपनी पत्नी के इंफोसिस में शामिल होने के खिलाफ थे। जब उनकी पत्नी ने एक शाम खाने की टेबल पर उनके सामने कंपनी में शामिल होने का विचार रखा, तो मूर्ति ने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया: मुझे माफ करें। आप इंफोसिस में काम नहीं कर सकतीं। उनका तर्क था कि दोनों एक ही कंपनी में नहीं हो सकते। वह नहीं चाहते थे कि इंफोसिस में भी फैमिली ओन्ड बिजनेस की वही डरावनी कहानियां हों और उन्हें वंशवादी या भाई-भतीजावादी माना जाए।

डोर लॉक में गड़बड़ी, टेस्ला ने 16 लाख से अधिक कारों को वापस बुलाया

नई दिल्ली । डोर लॉक में गड़बड़ी के चलते अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने चीन से 16 लाख से अधिक कारों को वापिस बुलाया है। रिकॉल में जो कारें शामिल हैं उनमें मॉडल एस, एक्स, 3, वाई और 7,538 आयातित वाहन बताये जा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि डोर लॉक सिस्टम में गड़बड़ी और स्वचालित स्टीयरिंग के फंक्शन में समस्या के चलते कारों को रिकॉल किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार चीन के बाजार नियामक प्रशासन ने शुक्रवार को रिकॉल की घोषणा की। सूचना में कहा गया है कि बीजिंग और शंघाई में टेस्ला मोटर्स गड़बड़ियों को ठीक करने के लिए रिमोट अपग्रेड तकनीक का इस्तेमाल करेगी। इसके ज्यादातर मामलों में कार मालिकों को अपग्रेड प्राप्त करने के लिए टेस्ला सेवा केंद्रों पर जाने की जरूरत नहीं होगी। कंपनी ने बताया कि वर्तमान सिस्टम में स्वचालित स्टीयरिंग फंक्शन का इस्तेमाल करने वाले ड्राइवरों की ओर से संयुक्त ड्राइविंग सिस्टम का दुरुपयोग करने की आशंका है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। यहां गौरतलब है कि इससे पहले टेस्ला ने पिछले महीने अमेरिका में 20 लाख से अधिक ईवी को रिकॉल किया था। यह रिकॉल यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से दो साल की जांच के बाद किया गया था। जांच के दौरान सिस्टम में खामियां देखी गई थी।

कोको ऑकलैंड क्लासिक के फाइनल में, स्वियातेक ने पोलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचाया

ऑकलैंड/सिडनी। पिछली बार की चैंपियन कोको गॉफ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर अपने खिताब का बचाव करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए।

अमेरिका की इस खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को केवल 62 मिनट में 6-3, 6-1 से हराया। गॉफ इस तरह से ऑकलैंड में दो वर्षों में लगातार 18 सेट और नौ मैच जीत चुकी है। होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा, जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीन की वांग ज़ियू पर 2-6, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। स्वितोलिना को इस मैच के दौरान दो बार 'मेडिकल टाइमआउट' भी लेना पड़ा लेकिन आखिर में वह चीन की अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराने में सफल रही।

पोलैंड यूनाइटेड कप के फाइनल में

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक और ह्यूबर्ट हर्काज के शानदार प्रदर्शन से पोलैंड ने फ्रांस को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया। स्वियातेक ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके कैरोलिन गार्सिया को 4-6, 6-1, 6-1 से हराया। इसके बाद एटीपी रैंकिंग में नौवें नंबर पर काबिज हर्काज ने एड्रियन मन्नारिनो को 6-3, 7-5 से हराकर अपनी टीम को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। पोलैंड ने इसके बाद मिश्रित युगल का मैच भी जीता। पोलैंड होने वाले फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के बीच खेले जा रहे दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलैंड ने ग्रुप चरण में केवल एक मैच गंवाया था। उसने चीन को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपिक के लिए सेन ने तय किया लक्ष्य, अप्रैल तक शीर्ष 10 में जगह बनाएंगे

नई दिल्ली। युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को उम्मीद है कि पिछले सत्र के खत्म होने के बाद अपने खेल की विविधताओं पर की गई मेहनत कारगर होगी और वह ओलंपिक (पेरिस 2024) क्वालिफिकेशन हासिल करने में सफल रहेंगे। अल्मोड़ा का 22 वर्षीय खिलाड़ी ओलंपिक खेलों की क्वालिफिकेशन रैंकिंग में 17वें स्थान पर है। पेरिस खेलों में जगह बनाने के लिए उन्हें अप्रैल के अंत तक शीर्ष 16 में रहना होगा। सेन ने क्वालालंपुर के लिए रवाना होने से पहले कहा, 'ओलंपिक में स्थान सुरक्षित करने के लिए मुझे अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी होगी और एक बार ऐसा हो जाने के बाद क्वालिफिकेशन कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा, ' मेरे लिए अभी मुख्य चिंता अप्रैल तक अगले कुछ महीनों में टूर्नामेंट में आखिरी चरणों तक पहुंचने की है। उसके बाद रैंकिंग की बारी आएगी। अभी मैं क्वालिफिकेशन रैंकिंग में सहज स्थिति में नहीं हूं। मैं अपनी रैंकिंग में सुधार करना चाहूंगा और क्वालिफिकेशन के अंत तक शीर्ष-10 में रहना पसंद करूंगा।

बिशन सिंह बेदी से ज्यादा फिरकी लेती हैं बिहार के शेन वार्न की गेंद

गया। बिहार में दो दशक बाद रणजी ट्रॉफी का मैच खेले जा रहा है। बिहार टीम की ओर से कई दिग्गज खिलाड़ी हैं। जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्ही में से एक है बिहार टीम के कप्तान आशुतोष अमन, जिन्हें बिहार का शेन वार्न कहा जाता है। मूल रूप से बिहार के गया जिले के रहने वाले आशुतोष अमन के नाम रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड इनके नाम है। वर्ष 2018-19 के रणजी ट्रॉफी सीजन में कप्तान आशुतोष ने 8 मैच में 68 विकेट लेकर 44 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा था। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर बिशन सिंह बेदी का रिकॉर्ड तोड़ा था और वह रिकॉर्ड अभी तक कायम है। बेदी ने एक रणजी सीजन में 64 विकेट लिया था। बिहार और मुंबई के बीच मैच में आशुतोष ने एक विकेट चटकाए हैं। आशुतोष एक फिरकी गेंदबाज हैं और उनके फिरकी के सामने कई दिक्कत खिलाड़ी घुटने टेक चुके हैं। आशुतोष गेंदबाजी के साथ अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। इन्होंने फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी 20 मिलाकर 2700 रन बना चुके हैं। उन्होंने 2700 से ज्यादा रन बनाए वहीं 234 विकेट लिए हैं। हर मैच में औसतन 6 विकेट लेते हैं।

नई पीढ़ी के मुक्केबाजों में जज्बे की कमी : मेरीकोम एक बड़ी जीत से ही संतुष्ट होकर बैठ रहे

मुंबई। दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मेरीकोम ने कहा है कि आजकल नई पीढ़ी के मुक्केबाजों में जुनून की कमी नजर आती है। मेरीकोम के अनुसार ये मुक्केबाज एकाध बड़ी सफलता से ही खुश होकर बैठ जाते हैं जबकि उन्हें अधिक से अधिक सफलता हासिल करने पर ध्यान लगाना चाहिये। मेरीकोम के अनुसार वह 41 साल की उम्र में भी अभी तक फिट हैं और अब भी अधिक से अधिक सफल होना चाहती हैं। उनका लक्ष्य आने वाले दिनों में पेशेवर मुक्केबाजी में उतरना भी है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, मैं अब भी मुक्केबाजी के मुकाबलों में उतरना चाहती हूं पर अब में 41 साल की हो गयी हूं, इसलिए मैं इस साल से किसी भी अंतरराष्टीय एमेच्योर प्रतियोगिता में नहीं उतर सकती हूं। मैं अगले दो या 3 साल तक अपने खेल को जारी रखना चाहती हूं। इस मुक्केबाज के अनुसार जब उन्होंने मुक्केबाजी शुरू की थी तब की तुलना में खेलों में अधिक सुविधाएं और विकल्प हैं इसके बाद भी आज की पीढ़ी में जज्जे की कमी है। छह बार की विश्व चैम्पियनशिप विजेता रही मेरीकोम ने कहा, मैं सुपर फिट हूं। इस कारण मैं और अधिक सफलता हासिल करना चाहती हूं। वहीं वर्तमान पीढ़ी एक बार विजेता बन कर ही संतुष्ट हो जाती है जबकि ऐसा नहीं होना चाहिये।

कौन करेगा वॉर्नर को रिप्लेस

कैमरन ग्रीन एक्सपर्ट्स की पसंद, स्मिथ ने दिखाया इंटरेस्ट ; 3 ओपनर्स भी हैं दावेदार

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट ओपनर डेविड वॉर्नर के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के चयनकर्ताओं के सामने नया ओपनर तलाशने की चुनौती है। उनकी जगह टेस्ट क्रिकेट में कौन ओपन करेगा। ऑस्ट्रेलिया टीम को 17 जनवरी से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। पहला मुकाबला एडिलेड के मैदान पर खेला जाएगा।

वॉर्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। सिलेक्टर्स के पास वॉर्नर के कई विकल्प हैं। मार्कस हैरिस, कैमरन ग्रीन, मैट रेन्शॉ, कैमरन बेनक्रॉफ्ट, स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के नाम रेस में हैं।

1. स्टीव स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने टेस्ट में ओपनिंग करने के लिए इंटरेस्ट दिखाया है। स्मिथ ने पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी टेस्ट के शुरू होने से पहले दिए बयान में ये इच्छा जाहिर की थी कि वह टेस्ट में ओपनिंग करना चाहते हैं। वहीं टीम के कप्तान पैट कमिंस, स्मिथ को मिडिल ऑर्डर से हटाने के पक्ष में नहीं हैं। स्मिथ ने टेस्ट में कभी भी ओपन नहीं किया है। वो पिछले 10 सालों (2013) से चौथे नंबर पर बैटिंग कर रहे हैं। इससे पहले वो लोअर मिडिल ऑर्डर और लोअर ऑर्डर में ही बैटिंग करते थे।

2. कैमरन ग्रीन

ओपनर्स के दावेदारों में ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का नाम सबसे आगे चल रहा है। टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा, ग्रीन टेस्ट में वॉर्नर का बेस्ट रिप्लेसमेंट हो सकते हैं। वॉ ने आगे कहा, ग्रीन ने अभी तक नंबर 6 पर बल्लेबाजी की है और नंबर 6 के दौरान दूसरी नई गेंद खेल में आती है। इसलिए वे शेन वॉटसन की तरह एक अच्छा ऑप्शन रहेंगे। इसलिए मैं उन्हें ओपन करते देखना चाहता हूं। फिलहाल मिचेल मार्श नंबर 6 पर बैटिंग कर रहे हैं, तो इसलिए ग्रीन को ओपन करवाना चाहिए। ग्रीन ने अब तक सिर्फ एक टी-20 मैच में ओपनिंग की है।

3. ट्रैविस हेड

ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड अपने अटैकिंग बैटिंग के लिए जाने जाते हैं। हेड का अटैकिंग अप्रोच ही उन्हें वॉर्नर का बेस्ट रिप्लेसमेंट बना रहा है। उन्होंने जिस तरह से वनडे वर्ल्ड कप में बैटिंग की थी, उसे देखते हुए उन्हें टेस्ट में ओपनर के तौर पर देखा जा रहा है। हेड अब तक दो टेस्ट मैचों में ओपनिंग करते हुए 41 रन बनाए हैं। वहीं वनडे में 12 और टी-20 में चार मैचों में ओपन किए हैं।

4. मार्कस हैरिस

वॉर्नर को टेस्ट में रिप्लेस करने के प्रबल दावेदारों में मार्कस हैरिस का नाम भी शामिल है। हैरिस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 14 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 12 मैचों में ओपन किया है। हैरिस साल 2021 से टीम से बाहर हैं। इस दौरान उन्होंने शेफील्ड शील्ड में ओपनर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

5. कैमरन बैनक्रॉफ्ट

कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने बॉल टैम्परिंग मामले के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला। उन्होंने बॉल टेम्परिंग मामले के पहले 10 टेस्ट खेले और सभी में ओपन ही किया था। बैनक्रॉफ्ट ने 2023/24 की ऑस्ट्रेलिया की डोमेस्टिक फर्स्ट क्लास क्रिकेट टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

6. मैट रेन्शॉ

रेन्शॉ को वॉर्नर के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। रेन्शॉ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 14 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 9 मैचों में ओपनिंग किया है। इस दौरान एक शतक और 2 अर्धशतक लगाया है। रेन्शॉ ने इस साल शेफील्ड शील्ड में अच्छा प्रदर्शन किया है।

टेस्ट और वनडे क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं वॉर्नर

वॉर्नर ने टेस्ट औरन वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी टेस्ट मैच था। अब उन्होंने अपने बेहतरीन टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया है। वॉर्नर टी-20 खेलना जारी रखेंगे, क्योंकि 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप होना है। उन्होंने 99 टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें 99 पारियों में 32.88 की औसत से 2,894 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 24 अर्द्धशतक शामिल हैं।

अगले माह हैदराबाद में होने वाली रेस रद्द, फॉर्मूला ई ने तेलंगाना की नई सरकार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली।

फॉर्मूला ई ने तेलंगाना की नई सरकार पर अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए हैदराबाद में होने वाली रेस को रद्द कर दिया है। भारत में होने वाली इस दूसरी फॉर्मूला ई रेस का आयोजन 10 फरवरी को होना था। फॉर्मूला ई ने नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग (एमएयूडी) पर अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाया है। यह विभाग तेलंगाना सरकार के अंतर्गत आते हैं।

फॉर्मूला-ई ने बयान में कहा, 'तेलंगाना सरकार के अंतर्गत आने वाले नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग (एमएयूडी) ने 30 अक्तूबर 2023 को मेजबान शहर के साथ किए गए अनुबंध का पालन नहीं किया जिसके कारण यह रेस रद्द कर दी गई।' देश ने पहली इलेक्ट्रिक रेस का आयोजन पिछले साल फरवरी में किया गया था। उस समय तेलंगाना के तत्कालीन मंत्री केटी रामा राव ने हैदराबाद में इस रेस के आयोजन में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी पार्टी को हालांकि दिसंबर में राज्य में हुए चुनाव में कांग्रेस से हार का सामना करना पड़ा था। नई सरकार ने इस रेस के आयोजन में खास दिलचस्पी नहीं दिखाई।

बयान में कहा गया है, 'फॉर्मूला ई ऑपरेशंस (एफईओ) के पास एमएयूडी को यह बताने के लिए औपचारिक रूप से नोटिस देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि यह अनुबंध का उल्लंघन है। एफईओ अपनी स्थिति पर विचार कर रहा है कि मेजबान शहर समझौते और कानूनों के तहत वह क्या कदम उठा सकता है। इस संबंध में एफईओ के पास सभी अधिकार सुरक्षित हैं।' फॉर्मूला-ई, तेलंगाना सरकार और ग्रीनको के बीच शुरू में चार साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। ग्रीनको पहली रेस के बाद इस प्रतियोगिता से हट गया था।

फॉर्मूला ई के सह संस्थापक और मुख्य चैंपियनशिप अधिकारी अल्बर्टो लोंगो ने कहा, 'हम भारत में मोटरस्पोर्ट के प्रशंसकों के लिए बेहद निराश हैं। हम जानते हैं कि आधिकारिक मोटरस्पोर्ट विश्व चैंपियनशिप रेस की मेजबानी करना हैदराबाद और पूरे देश के लिए कितना महत्वपूर्ण था।

भांबरी-रोबिन की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी, महिला एकल का फाइनल सबालेंका-अजारेंका के बीच

ब्रिसबेन। आर्यना सबालेंका ने दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को 6-2, 6-4 से हराकर ब्रिसबेन इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बना ली। अब उनकी टक्कर कजाखस्तान की एलेना रिबाकिना से होगी जिन्होंने 19 साल की लिंडा नोसकोवा को 6-3, 6-2 से हराया। सबालेंका की रिबाकिना के साथ अब तक सात बार भिड़ंत हो चुकी हैं, जिसमें पांच बार वह जीतने में सफल रही हैं। ये दोनों खिलाड़ी पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भिड़ीं थी।

शीर्ष वरीय बेलारूस की सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर लगातार 15वीं जीत हासिल की। इसमें पिछले साल एडिलेड में जीत और ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में जीता अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी शामिल है। इस बीच होल्कर रुने पुरुष वर्ग के फाइनल में पहुंच गए हैं। उनेंने रोमन सैफियूलिन को 6-4, 7-6 से हराया। उनकी टक्कर ग्रिगोर दिमित्रोव और जॉर्डन थामसन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगी। भांबरी और रोबिन की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी भारत के युकी भांबरी और नीदरलैंड के उनके जोड़ीदार रोबिन हासे ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के लॉयड ग्लासपूल और नीदरलैंड के जीन-जूलियन रोजर की जोड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आठवीं वरीयता प्राप्त भारत और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की जोड़ी एक घंटे 40 मिनट तक चले मैच में दूसरे वरीय प्रतिद्वंद्वी से 3-6, 7-6, 9-11 से हार गई। भांबरी और हासे की जोड़ी ने इससे पहले नाथानियल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो की अमेरिकी जोड़ी को सीधे सेटों में हराया था। पिछले साल 31 साल के भांबरी ने मार्लोका चैंपियनशिप युगल प्रतियोगिता में पहला एटीपी खिताब जीता था। दिल्ली के खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस के साथ जोड़ी बनाई थी।

एक साल बाद वापसी करने वाले राफेल नडाल फिर चोटिल, ऑस्ट्रेलियन ओपन से वापस लिया नाम

मेलबर्न।

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल टेनिस कोर्ट पर वापसी करने के एक सप्ताह बाद फिर चोटिल हो गए हैं। उन्होंने मांसपेशियों में मामूली चोट के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से अपना नाम बाहर ले लिया है। नडाल ने सोशल मीडिया पर फैंस को ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर होने की जानकारी दी है। वह चोट से उबरने के लिए स्पेन लौट चुके हैं। नडाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया सभी को नमस्कार, ब्रिस्बेन में मेरे आखिरी मैच के दौरान मेरी मांसपेशियों में एक छोटी सी समस्या थी, जैसा कि आप जानते हैं कि मैं चिंतित था। एक बार जब मैं मेलबर्न पहुंचा तो मुझे एमआरआई कराने का मौका मिला और मेरी मांसपेशियों में माइक्रो टियर है, उस हिस्से में नहीं, जहां मुझे चोट लगी थी और यह अच्छी खबर है। अभी मैं पांच सेटों के मैचों में खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। मैं अपने डॉक्टर को दिखाने, कुछ इलाज कराने और आराम करने के लिए वापस स्पेन जा रहा हूं। एक सप्ताह पहले ब्रिसबेन ओपन में वापसी करने वाले नडाल ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन से 3 घंटे 25 मिनट तक चले मैच में हार गए। थॉम्पसन ने पैट राफ्टर एरेना में आधी रात से ठीक पहले समाप्त हुए एक भीषण मुकाबले में तेजी से थके हुए नडाल को 5-7, 7-6 (8/6), 6-3 से हराया। उन्होंने दूसरे सेट में तीन मैच प्वाइंट बचाए। थॉम्पसन ने जीत के साथ बुल्गारियाई ग्रिगोर दिमित्रोव के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि साथ ही नडाल की ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारियों में तेजी ला दी। चोट के कारण खेल से लगभग 12 महीने दूर रहने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे नडाल सीधे सेटों में जीत की ओर अग्रसर दिखे। लेकिन थॉम्पसन ने जाने से इनकार कर दिया और स्पैनियार्ड की कुछ अप्रत्याशित त्रुटियों का फायदा उठाकर दूसरा सेट जीत लिया। नडाल, जिनकी तीसरे सेट की शुरुआत में ही सर्विस टूट गई थी, ने 1-4 से पिछड़ने के बाद मेडिकल टाइम आउट लिया, क्योंकि ऐसा लगा कि उन्हें अपनी ऊपरी बायीं जांघ के इलाज की जरूरत है।

घरेलू विमेंस वनडे में श्वेता सहरावत का दोहरा शतक

दिल्ली ने 50 ओवर में 455 रन बनाए; नगालैंड 55 पर ऑलआउट

नई दिल्ली।

घरेलू सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी में श्वेता सहरवात ने 242 रन की पारी खेली। उन्होंने 150 बॉल की पारी में 31 चौके और 7 सिक्स लगाए। इस पारी के दम पर दिल्ली ने 50 ओवर में 455 रन बना दिए। टीम ने नगालैंड को 55 रन पर ऑलआउट कर 400 रन से मैच भी जीत लिया। श्वेता पिछले साल इंडिया विमेंस अंडर-19 टीम की उप कप्तान थीं। वे अंडर-19 वर्ल्ड कप में टॉप रन स्कोरर भी रही थीं।

प्रतिका रावल के साथ 233 रन की पार्टनरशिप की – झारखंड के मेकोन सैल स्टेडियम में दिल्ली विमेंस टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। टीम ने 21 रन पर प्रिया पूनिया का विकेट गंवा दिया। यहां से श्वेता ने प्रतिका रावल के साथ 233 रन की पार्टनरशिप की। प्रतिका 101 रन बनाकर आउट हुईं।

50वें ओवर में आउट हुई श्वेता – प्रतिका के बाद श्वेता ने तनिषा सिंह के साथ 178 रन की पार्टनरशिप की। तनिषा ने 38 बॉल पर 67 रन बनाए। 50वें ओवर में श्वेता भी 150 बॉल पर 242 रन बनाकर आउट हो गईं। उन्होंने अपनी पारी में 31 चौके और 7 सिक्स लगाए। टीम ने 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 455 रन का स्कोर खड़ा कर दिया।

नगालैंड ने 9 बॉलर्स का इस्तेमाल किया – नगालैंड से 9 प्लेयर्स ने बॉलिंग की और महज 3 ने अपने 10 ओवर का स्पेल पूरा किया। 5 बॉलर्स ने 10 रन प्रति ओवर से ज्यादा के हिसाब से रन लुटाए। जबकि विसुम्वी बासुमतरी सबसे सफल रहीं, उन्हें 10 ओवर में 3 विकेट मिले। हालांकि उनके खिलाफ 91 रन भी बने।

नगालैंड 25 ओवर भी नहीं टिकी – 456 रन के विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी नगालैंड विमेंस की टीम 25 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी। टीम 24.4 ओवर में 55 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। उसकी तरफ से रोहिनी माने ही 10 रन बना सकीं, बाकी 10 बैटर्स 8 रन का स्कोर भी नहीं छू सकीं। दिल्ली से पारुणिका सिसोदिया, हरेंद्र मधु और प्रिया मिश्रा ने 3-3 विकेट लिए। सोनी यादव को भी एक सफलता मिली।

26 जनवरी तक चलेगा टूर्नामेंट – सीनियर विमेंस वनडे टूर्नामेंट महिला क्रिकेटर्स का घरेलू लिस्ट-ए टूर्नामेंट है। इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 41 टीमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट इसी साल 4 जनवरी से शुरू हुआ और 26 जनवरी तक चलेगा। नॉकआउट मुकाबले 20 जनवरी से शुरू होंगे, 24 को सेमीफाइनल और 26 जनवरी को वडोदरा में फाइनल खेला जाएगा।

इंग्लैंड टीम खाना बनाने के लिए खुद का कुक भारत लाएगी, सहवाग ने मौका देख जमकर उड़ाया मज़ाक

लंदन। इंग्लैंड की टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आ रही है। इंग्लिश टीम दौरे पर खिलाड़ियों को पूरी तरह फिट रखना चाहती है। खिलाड़ी बीमार न हो, इसके लिए भी एक खास इंतजाम करके आ रही है। इंग्लिश टीम इस दौरे पर खाना बनाने के लिए खुद का शेफ लाएगी। खिलाड़ियों के लिए इंग्लैंड टीम का शेफ ही खाना बनाएगा। टीम नहीं चाहती कि उनका कोई भी खिलाड़ी भारत दौरे पर बीमार हो। भारत को टक्कर देने के लिए हर खिलाड़ी का पूरी तरह फिट होना जरूरी है। इस बीच वीरेंदर सहवाग ने मजाक बनाया है। सहवाग ने इंग्लिश टीम की यह खबर सुनते ही एक मजेदार कमेन्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि यह जरूरत कुक के जाने के बाद ही पड़ी। आईपीएल में नहीं पड़ेगी। सहवाग का इशारा एलिस्टेयर कुक की तरफ था। वह इंग्लैंड के धाकड़ खिलाड़ी रहे हैं और भारत के खिलाफ प्रदर्शन भी बेहतरीन रहता था। सहवाग का इशारा था कि आईपीएल में इंग्लैंड के खिलाड़ी भारत के शेफ द्वारा बनाया हुआ खाना ही खाएंगे। तब तो शेफ की जरूरत नहीं पड़ेगी। सहवाग ने एक तरह से इंग्लिश टीम के ऊपर तंज़ कसा है। इससे पहले 2022 में पाकिस्तान दौरे पर भी इंग्लिश टीम अपना कुक लेकर गई थी।

ऐसी अजीब बीमारी के बारे में नहीं सुना होगा

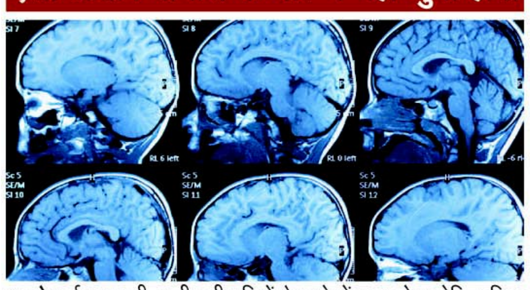

आपने कई तरह की अजीब बीमारियों के बारे में सुना होगा लेकिन जिस बीमारी के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं उस बीमारी के बारे में आपने नहीं सुना होगा। इस बीमारी के बारे में सुनकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। जर्मनी निवासी 37 साल की बीटी नामक महिला को यह अजीब बिमारी है। इस महिला की आंखों की रोशनी उसकी याददाश्त के साथ आती जाती रहती है। कई बार यह खुद को लड़का समझने लगती है तो कई बार अपने आपको ज्यादा उम्र की महिला समझने लगती है। चिकित्सकों का कहना है कि महिला को पर्सनॉलिटी डिसऑर्डर की बीमारी है। इस बीमारी में महिला अपनी पहचान भूल जाती है। जब बीटी खुद को लड़का समझने लगती है तो उसकी आंखों की रोशन लौट आती है और जब वापस खुद को महिला समझने लगती है तो आंखों की रोशनी फिर से चली जाती है। यह महिला दस प्रकार की अलग पहचानों की भूल भूलैया में खोती रहती है। हर नई पहचान के साथ उसकी उम्र, लिंग, स्वभाव और आदतें अलग होती हैं।

यहां होती है कंस की भी पूजा...

मथुरा का राजा कंस एक बुरा शासक था, प्रजा पर अत्याचार करना और विरोधियों का दमन करना यही उसकी फितरत थी। वह पूरी तरह आत्मकेन्द्रित था जिसके चलते उसने अपने पिता, सगी बहन और बहनोई को भी बंदी बनाकर रखा। सत्ता हासिल करने के लिए उसने अपने पिता को बंदी बनाया था। देवकी और वसुदेव के विवाह के समय हुई भविष्यवाणी के अनुसार देवकी की आठवीं संतान उसकी मृत्यु का कारण बनने वाली थी इसलिए उसने अपनी बहन जिसे वो बहुत प्रेम करता था, उसे और उसके पति को अपनी कैद में रखा। लेकिन होना तो वहीं था जो नियती ने पहले ही निर्धारित किया हुआ था। देवकी और वसुदेव की आठवीं संतान के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया और कृष्ण के इस मोहक अवतार में उन्होंने दुराचारी कंस का अंत किया। कंस के साथ अत्याचारी, दुराचारी, शोषक जैसे विशेषण जुड़े हुए हैं लेकिन क्या आप जानते हैं इन सब के बावजूद कंस की पूजा की जाती है। अब आप सोच रहे होंगे इतिहास जिसे क्रूर मानता है, लोग इसकी अराधना कैसे कर सकते हैं? आपको बता दें कि लखनऊ से हरदोई की ओर जाते हुए एक गांव में आपको एक बड़ी मूर्ति नजर आएगी। पहली बार में तो आप यह अंदाजा भी नहीं लगा पाएंगे कि इतनी विशालकाय मूर्ति दुराचारी कंस की भी हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीढ़ियों से उनके पूर्वज कंस की इस मूर्ति की पूजा करते आए हैं और यह परंपरा आज भी निभाई जा रही है। सामान्यतौर पर हम सभी कंस को भी रावण की ही तरह एक दुष्ट शासक के तौर पर जानते हैं, ऐसी मान्यता के विरोध में जाते हुए जब इस तथ्य के विषय में पता चलता है कि लोग इनकी पूजा भी करते हैं तो अव्वल तो इस बात पर विश्वास ही नहीं होता। हालांकि जिस गांव की हम यहां बात कर रहे हैं उस गांव के लोग खुद ये बात नहीं जानते कि कंस की पूजा करने के लिए क्या कारण है या यह परंपरा किन हालातों में और कब शुरू हुई।

भाग्य सूचक होते हैं सपने...

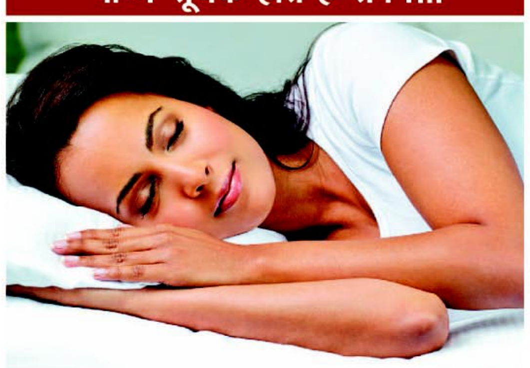

ज्योतिष की दृष्टि से स्वप्न का संबंध मन से है और मन का कारक ग्रह चंद्रमा है। व्यक्ति की ग्रहों की दशा स्थिति के अनुसार स्वप्न निर्धारित होते हैं। व्यक्ति की जन्मकुंडली में यदि चंद्रमा अकेला स्थित हो उसकी किसी अन्य ग्रह के साथ युति या दृष्टि न हो, शत्रु क्षेत्रीय या अस्त न हो, नवांश में वर्गोत्तम हो, तो शुभ फलप्रद होता है। ऐसे व्यक्तियों को स्वप्न बहुत कम आते हैं लेकिन यदि चंद्रमा का किसी ग्रह के साथ युति या दृष्टि संबंध हो, तो ग्रहों की शुभता-अशुभता के अनुसार स्वप्न आते हैं और उनका फल प्राप्त होता है। चंद्रमा की राहू ग्रह के साथ युति होने पर और चंद्रमा, राहू की दशा आने पर सर्प, भूत-प्रेत, पितृ, खंडहर और डरावने स्वप्न आते हैं। यदि स्वप्न में पितृ कोई मांग रखे तो उसकी पूर्ति करने से काम में आ रही रुकावटें दूर होती हैं। चंद्रमा की केतु ग्रह के साथ युति होने पर ध्वजा, बिल्ली, बकरी आदि जानवर , मांस भक्षण, मदिरा पान, चंद्र सूर्य ग्रहण, तारों और आकाश, शत्रु का वध करना आदि से संबंधित स्वप्न आने की संभावना होती है। चंद्रमा के शुक्र ग्रह के साथ संबंध होने पर आभूषण, नए वस्त्र, नए बर्तन, अलंकृत सुंदर स्त्रियां, प्रेमिका, लाल गुलाब, पुष्प, चांदी, कमल, सुंदर प्राकृतिक दृश्य, भरा घड़ा आदि के स्वप्न अधिक आते हैं। चंद्रमा की बुध ग्रह के साथ युति होने पर व्यक्ति बाग-बगीचे, पक्षी, मोर, तराजू, व्यापार, लाइब्रेरी, बहन और मौसी के परिवार आदि को स्वप्न में अधिक देखता है। चंद्रमा की बृहस्पति ग्रह के साथ संबंध होने पर अधिकांशतः देवी-देवताओं, गुरुजन, वेदमंत्रों का पाठ, पुस्तकें, अध्ययन स्थल संन्यासी, गाय, मंगल गीत, भोजन आदि के स्वप्न आने की संभावना होती है। चंद्रमा की शनि ग्रह के साथ युति होने पर विमान, स्वयं को उड़ते हुए देखना, किसी की मृत्यु का पूर्वाभास, सीढ़ियां चढना, काले वस्त्र पहने हुए व्यक्ति और पतंग उड़ाना आदि के स्वप्न अधिक आते हैं। चंद्रमा की सूर्य ग्रह के साथ युति, संबंध, अंतर आदि होने पर हाथी, सिंहासन, नदी, राजा, राजमहल, शिवलिंग, सूर्य, घोड़ा, दर्पण, दीपक आदि स्वप्न में आने की संभावना अधिक होती है। चंद्रमा की मंगल ग्रह से युति होने पर जलती हुई अग्नि, लाल वस्त्र धारण किए हुए व्यक्ति, रुदन, कोयल, हिरण, भव्य महल आदि को स्वप्न में देखता है।

परनिंदा मनुष्य के मूल विकारों में से एक है। किसी से कुछ त्रुटि हो जाए, प्रायः हम उसकी निंदा करने से चूकते नहीं हैं। किसी के अच्छे कार्य की सराहना करने से हम भले ही प्रायः चूक जाते हैं, किंतु निंदा का अवसर लाभ उठाने से भला क्या मजाल कि हम चूक जाएं। प्रश्न यह उठता है कि निंदा का कोई भी कारण हो, क्या हम नैतिक आधार पर किसी भी दूसरे की निंदा करने के अधिकारी हैं? इसका जवाब स्कन्द पुराण के इस श्लोक में मिलता है- परनिंदा महा पापं, परनिंदा महा भयं, परनिंदा महा दुखं, तस्या पातकम न परम। यानी परनिंदा महापाप है, परनिंदा महा भय है, परनिंदा महा दु:ख है, उस से बड़ा कोई पाप नहीं।

परनिंदा महा पाप...

भारतीय मनीषियों ने विनोदप्रियता का सहारा लेते हुए पर-छिद्रान्वेषण यानी निंदा को निंदारस कहा है। कारण स्पष्ट है कि दूसरे की निंदा और दूसरे की बुराई करने में हमें इतना स्वाद मिलता है, जो कदाचित मनपंसद स्वादिष्ट व्यंजन में भी संभव नहीं। हम प्रायः उनकी निंदा तो करते ही हैं, जिनके प्रति शत्रुभाव रखते हैं, मित्रों को भी नहीं बख्शते और पीठ पीछे उनकी पोलपट्टी बढ़ा-चढ़ाकर खोलते ही रहते हैं। दूसरे के चरित्र पर बना सुई की नोंक के बराबर छिद्र भी हमें तत्काल नजर आ जाता है और हम पूरी तत्परता से उसे चौड़ा करने में यानी बढ़ा-चढ़ाकर दूसरों से कहने में व्यस्त हो जाते हैं। बगैर इस बात की परवाह किए कि हम में सामने वाले से कई गुना अधिक कमियां हो सकती हैं, किंतु इस ओर हमारा ध्यान जाता भी नहीं और हम निंदारसपान में व्यस्त रहते हैं। कहा जाता है कि दूसरों की निंदा करने का यह अवगुण महिलाओं में पाया जाता है, लेकिन पुरुष भी इनसे पीछे नहीं हैं। निंदारस की व्यापकता यत्र-यत्र सर्वत्र नजर आती है। ऐसा क्यों होता है? दूसरों की निंदा करके बहुधा लोगों को सुखानूभूति क्यों होती है? कहीं, ऐसा तो नहीं कि हमारे मन में स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ दर्शाने की भावना उस समय सूक्ष्म अंहकार के रूप में मौजूद रहती हो? निश्चय ही ऐसा ही है।

अहंकार की पहचान नहीं

अंहकार सूक्ष्म-सूक्ष्मतर व छद्मवेशी होता है। इसीलिए हम उसे पहचान नहीं पाते। परिणामस्वरूप उसके मकड़जाल में हम उलझ जाते हैं। दूसरी किसी भी वस्तु को देखने के लिए हमें फासले की जरूरत होती है। आईने में हमें अपनी शक्ल तभी नजर आती है, जब थोड़ा फासला हो। चूंकि हमारा स्वयं से फासला रंचमात्र भी नहीं होता। इसलिए हमें अपनी शक्ल तभी नजर नहीं आती और अगर कोई उधर ध्यानाकर्षण भी करे तो हम अपने ही पक्ष में उल्टे सीधे तर्क जुटा लेते हैं। जबकि दूसरा फासले पर होता है इसलिए उसकी कमियां हमें नजर आ जाती हैं और अहंकार के वशीभूत होकर हम उन्हें निर्ममता पूर्वक उधेड़ने में लग जाते हैं, किंतु सावधान। कहीं ऐसा न हो कि सामने वाला बुद्धिमान हंसे और अपनी कमियों के प्रति सजग होकर आत्म सुधार में जुट जाए और हम निंदा करके आत्मपतन के मार्ग पर अग्रसर रहें। मनीषी वही है जो दूसरों की कमियों पर ध्यान देने के बजाए अपनी कमियों पर ध्यान दें, तभी आत्म-सुधार संभव है।

दूसरों की अच्छाइयां देखें

हमेशा बुराई या कमी ढूंढने वाला व्यक्ति उस मक्खी की तरह होता है, जो शुद्ध और स्वच्छ को छोड़कर गंदगी में ही रमता है। एक बार इंसान ने कोयल से कहा तू काली न होती तो कितनी अच्छी दिखती। सागर से कहा तेरा पानी खारा न होता तो कितना अच्छा होता। गुलाब से कहा तुझमे कांटे न होते तो कितना अच्छा होता। तब तीनों एक साथ बोले कि इंसान तुझ में दुसरो कि कमियां देखने की आदत न होती तो तू कितना अच्छा होता। कहने का मतलब है कि दुनिया में कोई इंसान परिपूर्ण नहीं होता, हर इंसान में कुछ अच्छाइयां और कुछ बुराइयां होती है, ये अलग बात है कि किसी में अच्छाइयां ज्यादा और बुराइयां कम तो किसी में बुराइयां ज्यादा और अच्छाइयां कम। लेकिन हमें हमेशा लोगो की बुराइयां या कमियों को नजरअंदाज करके उसकी अच्छाइयों को देखना चाहिए, क्योंकि उनकी अच्छाइयों को देखकर ही हम अपने आप को और अच्छा बना सकते हैं।

चार अंगुलियां अपनी तरफ

कहते हैं दूसरों की कमी निकालने के लिए जब उनकी तरफ हम एक अंगुली उठाते हैं तो ध्यान रहे कि बाकी की चारों अंगुलियां हमारी तरफ ही इशारा कर रही होती है, मतलब साफ है कि आप दूसरों की कमियां तभी गिना सकते हैं जब आप में कोई कमी न हो, अगर आप में भी कुछ कमियां या बुराइयां है तो आपको ये हक बिलकुल नहीं है कि आप दूसरों की कमियां गिनाएं। एक बार की बात है, एक नव विवाहित जोड़ा किसी किराए के घर में रहने पहुंचा। अगली सुबह, जब वे नाश्ता कर रहे थे, तभी पत्नी ने खिड़की से देखा कि सामने वाली छत पर कुछ कपड़े फैले हैं, लगता है इन लोगों को कपड़े साफ करना भी नहीं आता जरा देखो तो कितने मैले लग रहे हैं? पति ने उसकी बात सुनी पर अधिक ध्यान नहीं दिया। एक -दो दिन बाद फिर उसी जगह कुछ कपड़े फैले थे। पत्नी ने उन्हें देखते ही अपनी बात दोहरा दी- कब सीखेंगे ये लोग की कपड़े कैसे साफ करते हैं। पति सुनता रहा पर इस बार भी उसने कुछ नहीं कहा। पर अब तो यह आए दिन की बात हो गई, जब भी पत्नी कपड़े फैले देखती भला-बुरा कहना शुरू कर देती। लगभग एक महीने बाद वे यूंहीं बैठ कर नाश्ता कर रहे थे। पत्नी ने हमेशा की तरह नजरें उठाईं और सामने वाली छत की तरफ देखा, अरे वाह, लगता है इन्हें अकल आ ही गई। आज तो कपड़े बिलकुल साफ दिख रहे हैं, जरूर किसी ने टोका होगा। पति बोला, नहीं उन्हें किसी ने नहीं टोका। तुम्हे कैसे पता? पत्नी ने आश्चर्य से पूछा। आज मैं सुबह जल्दी उठ गया था और मैंने इस खिड़की पर लगे कांच को बाहर से साफ कर दिया, इसलिए तुम्हें कपड़े साफ नजर आ रहे हैं। जिंदगी में भी यही बात लागू होती है-बहुत बार हम दूसरों को कैसे देखते हैं यह इस पर निर्भर करता है की हम खुद अंदर से कितने साफ हैं। किसी के बारे में भला-बुरा कहने से पहले अपनी मनोस्थिति देख लेनी चाहिए और खुद से पूछना चाहिए की क्या हम सामने वाले में कुछ बेहतर देखने के लिए तैयार हैं या अभी भी हमारी खिड़की गंदी है।

खुद की निंदा का स्वागत

परनिंदा मनुष्य के मूल विकारों में से एक है। इसकी मौलिकता को ही महत्व देते हुए साहित्यकारों ने नवरसों के साथ साथ निंदारस को भी स्थान दिया है। किसी से कुछ त्रुटि हो जाए, प्रायः हम उसकी निंदा करने से चूकते नहीं हैं। किसी के अच्छे कार्य की सराहना करने से हम भले ही प्रायः चूक जाते हैं, किंतु निंदा का अवसर लाभ उठाने से भला क्या मजाल कि हम चूक जाएं। वैसे कबीर दास जी की मानें तो हमें खुद की निंदा का स्वागत करना चाहिए। उन्होने कहा है निंदक नियरे राखिये, आंगन कुटी छवाय। शायद उनके इतने साहस व उदारतापूर्ण कथन का कारण यह हो सकता है कि हमारी निंदा करने वाला हमारी उन कमियों व कमजोरियों को इतने सीधे-सीधे व स्पष्ट तरीके से बता देता है जो कि हमारे मित्र व प्रियजन प्रायः छुपा देते हैं या सीधे तौर से कभी नहीं कह पाते या कहने में संकोच करते हैं।

निंदा तीन प्रकार की

निंदा प्रायः तीन तरह की होती है - कारण वश, ईर्ष्या वश और स्वभाव वश। कारण वश निंदा का आधार किसी किए गए कार्य के नैतिकता या नियम के प्रतिकूल होने या कार्य के अपेक्षानुकूल परिणाम न आने या किसी के द्वारा अनुचित व्यवहार या आचरण करने के विरुद्ध होती है। यह निंदा स्वाभाविक व तथ्यपरक होती है। दूसरी कोटि की निंदा ईर्ष्या वश होती है। यदि हम किसी के प्रति ईर्ष्यालु हैं, किसी के प्रति हमारे मन व हृदय में डाह, जलन है तो हम उस व्यक्ति के कुछ भी अच्छे-बुरे कार्य या व्यवहार की निंदा करते हैं। यह निंदा कभी कभी तथ्यपरक हो सकती है, पर प्रायः यह विद्वेषपूर्ण व लक्षित व्यक्ति को हानि पहुंचाने की नियति से होती है। तीसरी कोटि की निंदा स्वभाव वश होती है। कुछ व्यक्तियों का स्वभाव ही होता है कि वे किसी भी काम की या व्यक्ति की- चाहे अच्छा हो या बुरा निंदा ही करते हैं। ऐसे लोग सिवाय अपने किसी दूसरे के काम या व्यवहार की निंदा किए बिना रह ही नहीं सकते। उन्हें यह रंचमात्र अहसास भी नहीं होता कि उनके इस क्षणिक निंदारस का आनंद किसी को कितनी हानि,आघात या दुःख पहुंचा सकता है ।

निंदा का अधिकार नहीं

प्रश्न यह उठता है कि निंदा का कोई भी कारण हो, क्या हम नैतिक आधार पर किसी भी दूसरे की निंदा करने के अधिकारी हैं। साफ है कि हमें किसी दूसरे की निंदा करने का कोई अधिकार नहीं।

कैसे करें आध्यात्मिक कसरत...?

थोड़ा मंत्र जप काफी है भगवान के करीब पहुंचने के लिए। शुरू में दस मिनट का अभ्यास काफी है। इस अभ्यास में चार गतिविधियां शामिल हैं। दिन के समय थोड़ा सा वक्त और अभ्यास के लिए नियमित कोशिश की जा सके तो अभ्यासियों को तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम अपनी दिनचर्या के हिसाब से बनाएं। इस अभ्यास को पंद्रह वर्ष की उम्र के आसपास शुरू किया जा सकता है। बाद में इसे दस मिनट से आधा तक बढ़ा सकते हैं। आध्यात्मिक कसरत में चार गतिविधियां शामिल हैं-पूजा, आत्मनिरीक्षण, कथन एवं अध्ययन। पूजा में अपने इष्ट देवता के मंत्र का जप या देवता के नौ या अधिक नामों का जाप करना। मूर्ति या तस्वीर को चावल के दानें अर्पित करना। श्रद्धा और कृतज्ञता इस दूसरे चरण में शामिल है अपनी आंखे बंद करके ओम का नौ बार जाप करना। मंत्र का उच्चारण ठीक प्रकार से किया जाना चाहिए। अपने आपको संकेत या निर्देश भी देना इस चरण में शामिल हैं। यह वे वाक्य हैं जिन्हें दोहराया या अपने आप से पूछा जाता है। इन सवालों या वाक्यों का अवचेतन मन पर प्रभाव पड़ता हैं।

अध्ययन भाग

अध्ययन भाग में शामिल है पवित्र आध्यात्मिक ग्रंथों का पढ़ना जो आपको नया ज्ञान एवं अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। आप ऐसा ग्रंथ चुनें जो आपको स्पष्ट एवं प्रेरणादायक लगें। उन पुस्तकों को अनदेखा करें जिनके लिए थका देने जैसी मेहनत करना पड़े। आप पांच मिनट इसके लिए रखें। इन चारों अभ्यासों में पूजा वाले भाग का फायदा यह है कि यह भक्ति को बढ़ाता है। ओम के जप का आत्मविश्लेषी अभ्यास मन पर एक शांतिपूर्ण प्रभाव डालता है और हमारी ऊर्जा को उच्च श्रेणी के चक्रों की और ले जाता है। यह स्वाभाविक और पहला कदम होगा। स्वसंकेत को प्रति दिन दोहराना आत्मविश्वासी बनने में सहायक होता है। अध्ययन जानकारी और विश्वास बढ़ाते हैं।

जानें भस्म का मर्म...

विभूति या पवित्र भस्म के इस्तेमाल के कई पहलू हैं। पहली बात, वह ऊर्जा को किसी को देने या किसी तक पहुंचाने का एक माध्यम है। इसमें 'ऊर्जा-शरीर' को निर्देशित और नियंत्रित करने की क्षमता है। इसके अलावा, शरीर पर उसे लगाने का एक सांकेतिक महत्व भी है। वह लगातार हमें जीवन की नश्वरता की याद दिलाता रहता है। आम तौर पर योगी श्मशान भूमि से उठाई गई राख का इस्तेमाल करते हैं। अगर इस भस्म का इस्तेमाल नहीं हो सकता, तो अगला विकल्प गाय के गोबर के कंडे जलाकर भस्म बनाना होता है। इसमें कुछ दूसरे पदार्थ भी इस्तेमाल किए जाते हैं लेकिन मूल सामग्री गाय का गोबर होती है। अगर यह भस्म भी इस्तेमाल नहीं की जा सकती, तो चावल की भूसी से भस्म तैयार की जाती है। यह इस बात का संकेत है कि शरीर मूल पदार्थ नहीं है, यह बस भूसी या बाहरी परत है।

ग्रहणशील बनना: सुबह घर से निकलने से पहले, लोग कुछ खास जगहों पर विभूति लगाते हैं ताकि वे अपने आस-पास मौजूद ईश्वरीय तत्व को ग्रहण कर सकें, शैतानी तत्व को नहीं। अगर विभूति को सही तरीके से तैयार किया जाए और आपको पता हो कि उसे कहां और कैसे लगाना है तो विभूति आपको और ग्रहणशील बनाती है। आप उसे अपने शरीर पर जहां भी लगाते हैं, वह अंग अधिक संवेदनशील हो जाता है और परम प्रकृति की ओर अग्रसर होता है। इसलिए, सुबह घर से निकलने से पहले, आप कुछ खास जगहों पर विभूति लगाते हैं ताकि आप अपने आस-पास मौजूद ईश्वरीय तत्व को ग्रहण कर सकें, शैतानी तत्व को नहीं। उस समय आपका जो भी पहलू ग्रहणशील होगा, उसके आधार पर आप अलग-अलग रूपों में और अपने विभिन्न आयामों से जीवन को ग्रहण कर सकते हैं।

अलग अनुभव: आपने ध्यान दिया होगा कि कभी आप किसी चीज को देखकर एक खास तरीके से उसका अनुभव करते हैं, फिर किसी और समय आप उसी चीज का अनुभव बिल्कुल अलग रूप में करते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप जीवन को किस रूप में ग्रहण करते हैं। आप चाहते हैं कि आपके उच्च पहलु ग्रहणशील हों, न कि निम्न पहलू। आपके शरीर में, सात मूल केंद्र हैं जो जीवन का अनुभव करने के सात आयामों को दर्शाते हैं। इन केंद्रों को चक्र कहा जाता है। चक्र, ऊर्जा प्रणाली के भीतर एक खास मिलन बिंदु होते हैं। इन चक्रों की प्रकृति भौतिक नहीं, बल्कि सूक्ष्म होती है। आप इन चक्रों को अनुभव से जान सकते हैं, लेकिन अगर आप शरीर को काटकर देखें, तो आपको कोई चक्र नहीं दिखेगा। जब आप तीव्रता के उच्च स्तरों की ओर जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा एक चक्र से दूसरे चक्र की ओर बढ़ती है। अगर आप नीचे स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करते हैं तो जो आपका अनुभव होगा उसकी तुलना में तब आपके अनुभव और आपकी स्थिति बिल्कुल अलग होगी जब आप शरीर में ऊपर की ओर स्थित चक्रों से जीवन को ग्रहण करेंगे ।

कैसे करें इस्तेमाल?: पारंपरिक रूप से विभूति को अंगूठे और अनामिका के बीच लेकर ढेर सारी विभूति उठाने की जरूरत नहीं है, बस जरा सा लगाना है भौंहों के बीच, जिसे आज्ञा चक्र कहा जाता है, गले के गड्ढे में, जिसे विशुद्धि चक्र कहा जाता है और छाती के मध्य में, जिसे अनाहत चक्र के नाम से जाना जाता है, में लगाया जाता है। भारत में आम तौर पर माना जाता है कि आपको इन बिंदुओं पर विभूति जरूर लगानी चाहिए। इन खास बिंदुओं का जिक्र इसलिए किया गया है क्योंकि विभूति उन्हें अधिक संवेदनशील बनाती है। विभूति आम तौर पर अनाहत चक्र पर इसलिए लगाई जाती है ताकि आप जीवन को प्रेम के रूप में ग्रहण कर सकें। उसे विशुद्धि चक्र पर इसलिए लगाया जाता है ताकि आप जीवन को शक्ति के रूप में ग्रहण करें, शक्ति का मतलब सिर्फ शारीरिक या मानसिक शक्ति नहीं है, इंसान बहुत से रूपों में शक्तिशाली हो सकता है। इसका मकसद जीवन ऊर्जा को बहुत मजबूत और शक्तिशाली बनाना है ताकि सिर्फ आपकी मौजूदगी ही आपके आस-पास के जीवन पर असर डालने के लिए काफी हो, आपको बोलने या कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस बैठने से ही आप अपने आस-पास की स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। एक इंसान के भीतर इस तरह की शक्ति विकसित की जा सकती है। विभूति को आज्ञा चक्र पर इसलिए लगाया जाता है, ताकि आप जीवन को ज्ञान के रूप में ग्रहण कर सकें।

गहरा विज्ञान: यह बहुत गहरा विज्ञान है लेकिन आज उसके पीछे के विज्ञान को समझे बिना हम बस उसे एक लकीर की तरह माथे पर लगा लेते हैं।

उच्च फाइबर युक्त आहार का सेवन करके आप आसानी से अपना वजन कम कर सकते हैं। फाइबर पाचन शक्ति को मजबूत बनाता है और हम जो भी खाते हैं उसे पचाने में मदद करता है।

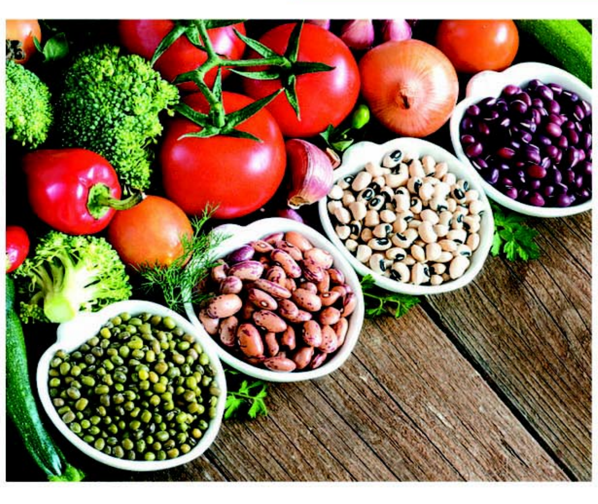

उच्च फाइबर युक्त डाइट से कम करें वजन

अगर आप उच्च फाइबर खाद्य पदार्थों को अपने आहार में सम्मिलित करते हैं, तो बीमारियों से बचाव होगा और वजन भी आसानी से कम होगा। आइए हम आपको उन आहारों के बारे में बताते हैं जिनमें फाइबर मौजूद होता है। जिस आहार में रोजाना 25 से 35 ग्राम फाइबर होता है, उसे हाई फाइबर डायट प्लान कहा जाता है। रेशेदार भोजन, साबुत अनाज, सेब, केला, नाशपति, स्ट्रॉबेरी, संतरे और हरी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। हाई फाइबर डायट ब्लड मे ग्लूकोज और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। यह आहार पाचन-क्रिया को भी ठीक रखता है। दो तरह के फाइबर होते हैं। घुलनशील फाइबर आसानी से कॉलन में पच जाता है। ओट्स और सेब में होता है घुलनशील फाइबर। अघुलनशील फाइबर पानी में नहीं घुलता, यह बड़ी आंत में पचता है। हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। फाइबर साबुत अनाजों, आटा, आटे की भूसी, चावल की भूसी, फलों व सब्जियों के छिलकों, सूखे मेवों, बीजों में पाया जाता है।

वजन कम करने में मदद करता है फाइबर

फाइबर एक विशेष तरह का कार्बोहाइड्रेट होता है जो मानव के पाचनतंत्र से बिना बदले, बिना टूटे न्यूट्रिएंट्स में बदलता हुआ गुजरता है। फाइबर का खास काम होता है पाचनतंत्र को हैल्दी रखना। इस से शरीर से मल व टॉक्सिन तेजी से बाहर निकलने में मदद मिलती है। हाई फाइबर डाइट से पेट जल्दी भर जाता है और भूख पर भी नियंत्रण रहता है, अत्यधिक फाइबरयुक्त भोजन को चबाने में अधिक समय लगता है, यानी आप धीरे धीरे खाना खाएंगे। इस तरह खाने की मात्रा में कमी हो जाएगी और आप कैलोरी भी अधिक मात्रा में नहीं लेंगे। फाइबरयुक्त पदार्थ का सेवन करने से रक्त प्रवाह में शर्करा का स्राव भी धीमी गति से होता है जिस से चीनी की मात्रा नियंत्रित रहने से बारबार भूख नहीं लगती है और आप हर समय खाने से बच जाते हैं। 50 वर्ष से अधिक की महिला को 1 दिन में 21 ग्राम और पुरुषों को 30 ग्राम फाइबर, वहीं 50 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को 25 ग्राम व पुरुषों को 38 ग्राम फाइबर लेना चाहिए, अन्यथा कब्ज हो सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)